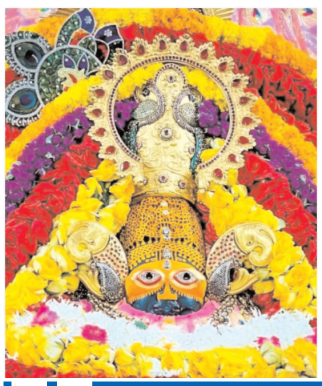

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:304। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 25 जून 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

कोलकाता में बड़ा हादसा

कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत

● 40 से ज्यादा लोगों के दबे होने की आशंका, 21 का रेस्क्यू

एजेंसी

तारतला। कोलकाता के तारतला इलाके में बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा हुआ, जिसने निर्माण क्षेत्र की सुरक्षा और मानकों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट की लीज-होल्ड प्रॉपर्टी पर बन रहे तीन मंजिला वेयरहाउस (गोदाम) की इमारत अचानक ढह गई। इस हादसे में अब तक चार लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 17 मजदूरों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घटनास्थल का दौरा किया है। ब्रेस ब्रिज के पास ट्रांसपोर्ट डिपो रोड पर स्थित इस साइट पर निर्माण कार्य जोरों पर था। अधिकारियों के मुताबिक, यह जमीन श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट के अधीन है और इसे लीज पर दिया गया था। चश्मदीदों ने बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर काम चल रहा था, जबकि पहली और दूसरी मंजिल का आरसीसी ढांचा पहले ही खड़ा किया जा चुका था। फायर विभाग के अनुसार, जब छत की ढलाई (कास्टिंग) का

काम चल रहा था, तभी लोहे के भारी बीम और कंक्रीट का पूरा ढांचा भरभरा कर गिर गया, जिसके नीचे वहां काम कर रहे कई मजदूर दब गए।

-यह आंकडे खबर लिखे जाने तक के हैं।

नशा मुक्त भारत के रोडमैप पर मंथन, अमित शाह 26 जून को एनसीओआरडी की शीर्षस्तरीय बैठक की करेंगे अध्यक्षता

यह दस्तावेज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए मार्गदर्शक ढांचे का कार्य करेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार, 26 जून को यहां विज्ञान भवन में नार्को-कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्षस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित इस बैठक में देश को नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में विभिन्न मंत्रालयों, राज्यों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रयासों की समीक्षा की जाएगी।

गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि बैठक में अमित शाह 'मादक पदार्थ नियंत्रण पर विजन डॉक्यूमेंट (2026-2029)' तथा एनसीबी वार्षिक रिपोर्ट-2025 जारी करेंगे। व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया

यह विजन दस्तावेज मादक पदार्थों की मांग में कमी, आपूर्ति पर नियंत्रण तथा नशे से होने वाली हानि को कम करने के लिए अगले तीन वर्षों का साझा रोडमैप प्रस्तुत करेगा। दस्तावेज में सिंथेटिक ड्रग्स, डार्कनेट के माध्यम से होने वाली तस्करी, युवाओं को नशे से दूर रखने, उपचार एवं पुनर्वास केंद्रों के विस्तार तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार का कहना है कि यह दस्तावेज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए मार्गदर्शक ढांचे का कार्य करेगा। गृहमंत्री इस अवसर पर ऑनलाइन ड्रग डिस्पोजल फोर्टनाइट कैंपेन का भी शुभारंभ करेंगे। इस विशेष अभियान के तहत देशभर में विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य एजेंसियों द्वारा लगभग 2,09,500 किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया जाएगा, जिनकी अनुमानित कीमत 6,000 करोड़ रुपये है। इसके अलावा अमित शाह जम्मू और गुवाहाटी में नव-निर्मित एनसीबी जोनल कार्यालयों का भी उद्घाटन करेंगे।

बैठक में 44 केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ राज्यों की सरकारों और मादक पदार्थ कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 108 प्रतिनिधि प्रत्यक्ष एवं वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे। बैठक में आगामी तीन वर्षों के दौरान मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

दिल्ली में केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो के सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के कार्य का शुभारंभ

यह प्रोजेक्ट नई दिल्ली के मुख्य इलाकों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

'दिल्ली के शहरी ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है।'

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों और बिजली मंत्री मनोहर लाल ने केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर दिल्ली मेट्रो के सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के कार्य की बुधवार को शुरुआत की। इसके मौके पर आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के सचिव और डीएमआरसी के चेयरमैन के. श्रीनिवास भी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूद रहे।

मनोहर लाल ने कहा कि दिल्ली के शहरी ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। यह कॉरिडोर कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, नेशनल वॉर मेमोरियल और सुप्रीम कोर्ट जैसे और नागरिक-केंद्रित इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट यात्रा के कीमती समय की बचत करेगा,

प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों और लैंडमार्क तक आसान कनेक्टिविटी देगा, जिससे रोजाना हजारों कर्मचारियों, नागरिकों और आने-जाने वालों के लिए पहुंच आसान हो जाएगी। प्रमुख मेट्रो लाइनों के साथ बेहतर इंटीग्रेशन से राजधानी में यात्रा और भी आसान और कुशल हो जाएगी। आधुनिक यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा। डीएमआरसी ने एक बयान में कहा कि यह स्टेशन मौजूदा मैजेंटा लाइन (जनकपुरी वेस्ट से आरके आश्रम मार्ग तक) के विस्तार के तौर पर फेज V(ए) के तहत बनाया जा रहा है। केंद्रीय सचिवालय स्टेशन एक ट्रिपल इंटरचेंज स्टेशन बन जाएगा, जहां नई मैजेंटा लाइन का स्टेशन मौजूदा येलो लाइन और वॉयलेट लाइन से आसानी से जुड़ जाएगा। इस खास सुविधा से सरकारी कर्मचारियों और लुटियंस जोन व आसपास के प्रशासनिक इलाकों में आने-जाने वाले यात्रियों को काफी फायदा होगा। यह कॉरिडोर 9.913 किलोमीटर लंबा है और इसमें नौ अंडरग्राउंड स्टेशन हैं- शिवाजी स्टेडियम, युगे-युगीन भारत, केंद्रीय सचिवालय, कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, वॉर मेमोरियल-हाई कोर्ट, बड़ौदा हाउस, भारत मंडपम और इंद्रप्रस्थ। यह प्रोजेक्ट नई दिल्ली के मुख्य इलाकों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। इससे प्रमुख सरकारी दफ्तरों, न्यायिक संस्थानों, राष्ट्रीय स्मारकों और कन्वेंशन सुविधाओं तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा, साथ ही पूरे नेटवर्क की क्षमता और यात्रियों की सुविधा भी बेहतर होगी।

सीसीटीवी, 33 डिग्री गर्मी में हुडी वाला संदिग्ध और 2,004 फोन कॉल

एक-एक कड़ी जोड़ पुलिस ने सुलझाया केतन हत्याकांड

एजेंसी

पुणे । पुणे पुलिस ने केतन हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी से मिले सुराग सबसे अहम थे, जिसमें मुश्किल ट्रेक के दौरान 33 डिग्री के तापमान में हुडी पहने दिखे संदिग्ध तक पहुंचने में मदद मिल सकी। इसके बाद चेतन बाबूलाल चौधरी और सिया गोयल के बीच हुई 2,004 फोन कॉल ने इस हत्याकांड की सबसे अहम कड़ी को जोड़ दिया। केतन अग्रवाल की मौत की खबर सबसे पहले 18 जून को पुणे के पास ऐतिहासिक लोहागढ़ किले में ट्रेकिंग के दौरान गलती से गिरने से हुई मौत के तौर पर आई थी, लेकिन पुलिस इस मामले की तह तक गई तो एक-एक कड़ी हर कड़ी जुड़ती गई, जिसके बाद पता चला कि यह घटना हत्या की एक खौफनाक साजिश थी। एनडीटीवी के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज में केतन अपनी मंगेतर सिया गोयल के साथ

चलते हुए दिख रहे थे, जबकि शॉर्ट्स और हुडी पहने एक व्यक्ति उनसे लगभग 20 से 30 फीट की दूरी पर उनके पीछे चल रहा था। उस व्यक्ति ने हुड से अपना चेहरा ढका हुआ था और हेडसेट भी पहना हुआ था। एक और सीसीटीवी फुटेज ने पुलिस का शक और गहरा कर दिया। इस फुटेज में सिया अचानक पीछे मुड़कर हुडी पहने व्यक्ति की ओर देखती हुई दिखाई दी। लगभग उसी पल, वह व्यक्ति नीचे बैठ गया, जैसे वह खुद पर ध्यान आकर्षित करने से बचने की कोशिश कर रहा हो। गर्मी के मौसम में हुडी पहनना पुलिस को केस के और नजदीक ले गया। पुलिस ने देखा कि उस समय इलाके में तापमान लगभग 33 डिग्री सेल्सियस था। इतनी तेज गर्मी में ट्रेक के दौरान हुडी पहनने का फैसला बहुत अजीब लगा और अधिकारियों ने उस व्यक्ति की पहचान की बारीकी से जांच करने का फैसला किया। अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी सबूतों और डिजिटल विश्लेषण से जल्द ही सिया और हुडी पहने व्यक्ति के बीच गहरा संबंध का खुलासा हुआ। उस व्यक्ति की पहचान 22 वर्षीय चेतन बाबूलाल चौधरी के रूप में हुई। जांच टीम ने चेतन के सोशल मीडिया प्रोफाइल की तस्वीरों की तुलना सीसीटीवी फुटेज की तस्वीरों से की और उनमें काफी समानताएं पाईं।

उज्जैन और अयोध्या का विवाद राष्ट्रीय नहीं, अंतरराष्ट्रीय मामला : पवन खेड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने उज्जैन जमीन और अयोध्या के फंड गबन विवाद को अंतरराष्ट्रीय मामला बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के मुख्यमंत्री जमीन खा रहे हैं और दान की चांदी-सोना निकल रहे हैं। आरएसएस की भाषा में कहें तो अयोध्या और उज्जैन झांकी है, अभी मथुरा और काशी बाकी है। वहां से लूटने की तैयारी हैं, क्योंकि वहां कॉरिडोर बन रहे हैं। पवन खेड़ा ने बुधवार को प्रेस कॉफ्रेंस करते हुए कहा, 'ये मामला सिर्फ स्थानीय और राष्ट्रीय मामला नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मामला है। लोगों की आस्था इन शहरों से जुड़ी हुई है। अपना पेट काटकर और पैसा बचाकर लोग तीर्थस्थलों पर जाते

हैं। वहां लोग आस्था के साथ दानपेटी में पैसे डालते हैं। इन पैसों को लूटना और चोरी करना लोगों की आस्था के साथ धोखा है। यह अयोध्या में हुआ है।' कांग्रेस प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अयोध्या का मंदिर सीधे संघ की देखरेख हैं। आज वहां की स्थिति को देखा जा सकता है। मध्य प्रदेश में संघ की सरकार है, वहां उज्जैन का हाल देख सकते हैं। इसी दौरान, उज्जैन जमीन विवाद पर पवन खेड़ा ने मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'उज्जैन में सिंहस्थ कुंभ आने वाला है। आप प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। सब कुछ आपकी जानकारी में रहता है और सभी फाइलें आपकी जानकारी से होकर गुजरती हैं। आप खुद नक्शों और मास्टरप्लान में हस्तक्षेप कर सकते हैं। आपकी कलम में वो ताकत है कि आप तय प्रोजेक्ट को प्रभावित कर सकते हो। उस प्रभाव और कलम का आपने दुरुपयोग किया है।'

अर्जुन राम मेघवाल गुरुवार को वितरित करेंगे राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता के पुरस्कार

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालयों के लिए आयोजित 36वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता (2025-26) के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन गुरुवार, 25 जून को संसद भवन परिसर के जीएमसी बालयोगी सभागार में किया जाएगा। संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल समारोह की अध्यक्षता करेंगे और विजेता विद्यार्थियों तथा विद्यालयों को पुरस्कार प्रदान करेंगे। संसदीय कार्य मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त दिल्ली के प्रेसिडेंट स्टेट स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थी अपनी युवा संसद की बैठक का पुनः प्रदर्शन करेंगे। संसदीय कार्य मंत्रालय पिछले 38 वर्षों से केंद्रीय विद्यालयों में युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। वर्ष 2025-26 में आयोजित 36वीं प्रतियोगिता में देशभर के केंद्रीय विद्यालय संगठन के 25 क्षेत्रों के 200 विद्यालयों ने भाग लिया। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मानुशासन, विभिन्न विचारों के प्रति सहिष्णुता, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संसदीय परंपराओं के प्रति समझ विकसित करना है। इसके माध्यम से छात्रों को संसद की कार्यप्रणाली, वाद-विवाद की तकनीक, नेतृत्व क्षमता और प्रभावी वक्तृत्व कला का भी प्रशिक्षण मिलता है।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में खाई में गिरी मिनीबस

23 श्रद्धालु घायल, दो की हालत गंभीर

एजेंसी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बुधवार को एक सड़क हादसे में कम से कम 23 श्रद्धालु घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो श्रद्धालुओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि बिलावर कस्बे के निकट स्थित प्रसिद्ध सुकराला माता मंदिर जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक मिनीबस सिम्बली क्षेत्र में नियंत्रण खोने के बाद गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय बस मंदिर की ओर जा रही थी। अधिकारियों के मुताबिक, चालक के नियंत्रण खोने के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे में घायल सभी श्रद्धालुओं को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। इलाज कर रहे डॉक्टरों

ने बताया कि दो श्रद्धालुओं को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया, 'बचाव अभियान पुलिस, नागरिक प्रशासन और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से चलाया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही सभी राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।' उन्होंने कहा कि पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू को पंजाब अनुसूचित जाति आयोग ने सुनाई धार्मिक सजा

पंजाब में चार धार्मिक स्थानों पर माथा टेककर लेंगे आशीर्वाद

एजेंसी

चंडीगढ़। पुलिस कर्मचारियों पर आपत्तिजक टिप्पणी करने के मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब अनुसूचित जाति आयोग ने केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को चार धार्मिक स्थानों पर माथा टेकने की धार्मिक सजा सुनाई है। रवनीत बिट्टू बुधवार को अपने वकीलों के साथ अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी के समक्ष पेश हुए और अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मेरे शब्द 100 फीसदी कानूनी तौर पर गलत थे, जिसके लिए मैंने माफी भी मांगी। बिट्टू ने कहा कि उन्हें सबसे पहले संगरूर में एक एसपी रैंक के अधिकारी ने रोका था। उस अधिकारी ने बताया कि ओएसडी ओंकार को बलिया थाने में हिरासत में रखा गया है। इसके बाद वह बलिया थाने पहुंचे, जहां उन्हें फिर बताया गया कि ओंकार को संगरूर ले जाया गया है। इसके बाद वह धूरी पहुंचे, जहां एक एसएचओ रैंक के अधिकारी ने उनकी गाड़ी के सामने वाहन लगाकर रास्ता रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान उनके साथ बदतमीजी की गई और कुछ ऐसे शब्द कहे गए, जिनसे वह आहत हुए।

रिम्स में मेडिकल सीट अलॉटमेंट अनियमितता की जांच तेज, सीआईडी टीम ने खंगाले दस्तावेज

एजेंसी

रांची। राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में मेडिकल सीट अलॉटमेंट और नामांकन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच अब तेज हो गई है। मामले की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की टीम बुधवार को रिम्स पहुंची और डीन कार्यालय समेत विभिन्न विभागों में उपलब्ध

दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच शुरू की। जांच एजेंसी नामांकन प्रक्रिया और टेंडर से जुड़े मामलों में हुई संभावित गड़बड़ियों की पड़ताल कर रही है। सीआईडी अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई पिछले शैक्षणिक सत्र में हुए दाखिलों से संबंधित शिकायतों के आधार पर की जा रही है। जांच के दौरान प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े रिकॉर्ड, काउंसलिंग दस्तावेज, आवंटित सीटों का ब्यौरा तथा संबंधित प्रशासनिक फाइलों का अवलोकन किया जा रहा है। टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों और दिशा-निर्देशों का पालन किया गया था या नहीं।

सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के माध्यम से मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियांक खड़गे जमीन की लूट और भ्रष्टाचार में शामिल : प्रदीप भंडारी

प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि यह एक-दो मामले नहीं बल्कि कई मामले हैं जिनमें खड़गे परिवार ने कथित तौर पर गरीबों की जमीन हड़पी है।

एजेंसी

नई दिल्ली । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके बेटे व कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खड़गे पर सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिए कर्नाटक में जमीन की लूट और भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया है। प्रदीप भंडारी ने दावा किया कि यह एक-दो मामले नहीं बल्कि कई मामले हैं जिनमें खड़गे परिवार ने कथित तौर पर गरीबों की जमीन हड़पी है। भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके बेटे एक ट्रस्ट के जरिए कर्नाटक में जमीन हड़पने और भ्रष्टाचार में शामिल हैं। इस ट्रस्ट का नाम सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट है। इस ट्रस्ट में मल्लिकार्जुन खड़गे, उनके बेटे प्रियांक खड़गे, उनके दामाद और उनकी पत्नी शामिल हैं। भंडारी ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे के कथित भ्रष्टाचार के एक नहीं बल्कि कई मामले रखूंगा, जिनसे पता चलेगा कि कैसे मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस ट्रस्ट के जरिए जमीन के अलग-अलग टुकड़ों पर कब्जा किया और अपनी ताकत और रसूख का इस्तेमाल करके गरीबों की जमीन हड़पी और कई जगहों पर जमीन लूटने की कोशिश की।

उन्होंने कहा कि जमीन हड़पने का जो पहला मामला रखना चाहता हूं, वह सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट का है। इसे 2024 में केआईएडी (कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट बोर्ड) ने मंजूरी दी थी, जब कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार थी। इसका मकसद एयरोस्पेस और डिफेंस के क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट करना बताया गया था। पांच एकड़ के इस प्लॉट की मार्केट वैल्यू अब 100 करोड़ रुपए है। इसे किसी इंडस्ट्रियल या एयरोस्पेस ट्रस्ट को दिया जाना चाहिए था। इसके बजाय इसे कांग्रेस अध्यक्ष के मालिकाना हक वाले एक प्राइवेट ट्रस्ट को दे दिया गया और इस ट्रस्ट ने कोई रिसर्च और डेवलपमेंट का काम नहीं किया।

भाजपा प्रवक्ता भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी और पूरे गांधी-वाड्रा परिवार (जिसमें उनके जीजा रॉबर्ट वाड्रा भी शामिल हैं) पर अलग-अलग इलाकों में जमीन हड़पने के ऐसे ही आरोप और मामले चल रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के जरिए वही तरीका अपनाया जो गांधी-वाड्रा परिवार ने अपनाया था। यह 'प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट' की धारा 131ए और 131बी के तहत एक अपराध है।

भाजपा प्रवक्ता ने पूछा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बताना चाहिए कि उनके पास जो ट्रस्ट हैं, उसने ऐसा कौन सा काम किया कि एयरोस्पेस और डिफेंस रिसर्च जमीन आपके प्राइवेट ट्रस्ट को दे दी गई। भंडारी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 19 एकड़ ज़मीन खड़गे के प्राइवेट ट्रस्ट को दे दी। इसका मतलब है कि 19 एकड़ सरकारी जमीन एक ऐसे ट्रस्ट की प्राइवेट जमीन बन गई, जिसके सदस्यों में मल्लिकार्जुन खड़गे समेत उनके परिवार के लोग शामिल हैं। तो क्या मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुलबर्गा में ये 19 एकड़ जमीन हथियाने के लिए अपनी ताकत और रसूख का इस्तेमाल किया। कांग्रेस पार्टी को जवाब देना चाहिए कि लैंड का पैसा क्यों लूटा।

करजण में खाकी, खादी और खनन माफिया का त्रिकोणीय गठजोड़

विधायक अक्षय पटेल और गुंडे घुघो भरवाड़ की जुगलबंदी ने नर्मदा की कोख को किया छलनी!

150 डंपर और 'बाज' मशीनों का आतंक

विधायक का बेटा ऋषि पटेल और कारिंदा पार्थ शाह चला रहे हैं वसूली की समानांतर सरकार!

सीएमओ की नाक के नीचे करोड़ों की रॉयल्टी चोरी और शराब-जुआ-खनन का काला साम्राज्यः 'महानगर मेट्रो न्यूज़' का खुला चैलेंज - जब तक भू-माफिया जेल नहीं जाएंगे, हाई कोर्ट तक जारी रहेगी जंग!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

बड़ौदा/करजण। सत्ता के अहंकार में अंधे नेता और कानून को ठेंगे पर रखने वाले अपराधी जब हाथ मिला लें, तो कैसा विनाश होता है, इसका जीता-जागता सबूत है करजण तालुका! कांग्रेस से भाजपा की 'वाशिंग मशीन' में धुलकर रातों-रात पवित्र हुए करजण के विधायक अक्षय पटेल, आपराधिक इतिहास वाले नगरपालिका सदस्य घुघा भरवाड़ उर्फ गोकुल भरवाड़ और उनके सिंडिकेट ने पूरे पिंगरवाड़ा और घनधारा गांव को लूटने के लिए एक खूंखार माफिया साम्राज्य खड़ा कर दिया है। सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाकर यह टोली सरेआम गुजरात सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ा रही है।

कुदरत पर क्रूर प्रहारः नर्मदा के सीने में 200 फीट गहरे जानलेवा गड्ढें!

पिंगरवाड़ा गांव में इन माफियाओं की गुंडागर्दी इस कदर हावी है जैसे यह जमीन इनके बाप की जागीर हो। 120 से 150 डंपर, 16 हिताची और 20 से ज्यादा जेसीबी मशीनें दिन-रात धरती का सीना चीर रही हैं। मंजूरी से 10 गुना ज्यादा अवैध खनन करके पूरे इलाके को खंडहर बना दिया गया है। हद तो तब हो गई जब पवित्र नर्मदा नदी के पाट में बिना किसी अनुमति के घातक 'बाज' मशीनें उतारकर 200-200 फीट गहरे जानलेवा गड्ढें खोद दिए गए। बेजुबान गायों के चरने वाली गोचर भूमि को भी ये भूखे भेड़िए निगल गए! घनधारा गांव के एक जागरूक उप-सरपंच ने इस मिट्टी चोरी और पर्यावरण की तबाही के खिलाफ बड़ौदा कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय तक लिखित में पुख्ता सबूत दिए, लेकिन गांधीनगर का तंत्र कान में तेल डालकर सोया हुआ है!

'बापजी' और 'राधे कृष्ण' के नाम पर खुली उगाही और ओवरलोडिंग का खेल

इस पूरे भ्रष्टाचार नेटवर्क का वसूली मॉडल ऐसा है जिसे जानकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएं हफ्ताखोर ऋषि पटेलः विधायक अक्षय पटेल और उनके चचेरे भाई दीक्षित पटेल की करीब 120 'आईवा' गाड़ियां सड़कों पर काल बनकर दौड़ती हैं। इन गाड़ियों पर पुलिस या आरटीओ हाथ न डाले, इसलिए इनके शीशों पर 'बापजी' और 'राधे कृष्ण' के स्टीकर लगाए गए हैं। इन गाड़ियों को बिना चेकिंग पास कराने के बदले विधायक का बेटा ऋषि पटेल हर महीने प्रति गाड़ी 40,000 रुपये की काली वसूली (हफ्ता) वसूलता है!

22 टन की रॉयल्टी, माल 50 टनः सरकारी कागजों पर महज 22 टन की रॉयल्टी दिखाई जाती है, जबकि गाड़ियों में 50-50 टन माल ओवरलोड करके गुजरात के चमचमाते हाईवे तोड़े जा रहे हैं। इससे सरकार को सीधे करोड़ों रुपये के टैक्स का चूना लगाया जा रहा है। 2012 में जो कर्ज में डूबे थे, 2026 में 33 करोड़ की 'व्हाइट इनकम' का चमत्कार जिस जनता के वोटों से जीतकर ये कुर्सी पर बैठे, आज उसी जनता के प्राकृतिक संसाधनों को बेचकर ये नेता अरबपति बन चुके हैं। इतिहास गवाह है कि साल 2012 में चुनाव हारने के बाद अक्षय पटेल को अपनी संपत्तियां बेचनी पड़ी थीं और वे कर्ज में डूब गए थे। लेकिन आज, साल 2026 में उनकी सिर्फ ऑन-पेपर व्हाइट इनकम ही 33 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है! अगर कागजों पर सफेद कमाई इतनी है, तो डंपरों और अवैध वसूली से आने वाला ब्लैक मनी (काला धन) कितने सौ करोड़ का होगा? इस काली कमाई को ठिकाने लगाने के लिए करजण में वसावा के नाम पर 1 पेट्रोल पंप और बड़ौदा के पॉश इलाके मांजलपुर में दूसरा नया पेट्रोल पंप खरीद लिया गया है। विधायक के बेटे ने 3 से 4 करोड़ रुपये की लग्जरी कारें खरीदी हैं, जबकि अपराधी घुघा भरवाड़ ने करोड़ों के बंगले तान दिए हैं। कानून की पकड़ से बचने के लिए विधायक अक्षय पटेल ने करण गांव के जयदत और मोहसिन पठान जैसे डमी लोगों के नाम पर बेनामी संपत्तियों का पहाड़ खड़ा कर रखा है।

ऑल-इन-वन कारिंदाः पार्थ शाह की सुपर सिंडिकेट

करजण तालुका में सिर्फ रेत या मिट्टी की चोरी ही नहीं, बल्कि तमाम काले धंधे एक ही छत के नीचे चलते हैं। करजण में शराब, जुआ, आरएमडी (गुटका) और पीडब्ल्यूडी के सरकारी ठेकों सहित तालुका के सभी कामों से 1' फिक्स कमीशन वसूलने का काम अक्षय पटेल का मुख्य कारिंदा (वसूली भाई) पार्थ शाह करता है। करजण तालुका में कोई भी अवैध धंधा करना हो या खनन की गैरकानूनी सेटिंग करनी हो, तो पार्थ शाह की चौखट पर माथा टेकना पड़ता है। पूरे तालुका के पाप की कमाई इसी कारिंदे के जरिए ऊपर तक पहुंचाई जाती है।

रिश्वतखोर अधिकारी और खाकी की कायरता

यह महाघोटाला इतना बेखौफ क्यों चल रहा है? क्योंकि रक्षक ही भक्षक बन बैठे हैं!

एसडीएम शिवम बारियाः रिश्वत के करोड़ों रुपये जेब में डालकर अपनी तमाम नैतिक और कानूनी जिम्मेदारियां भूल चुके हैं। जनता जब सवाल पूछती है, तो ये साहब बिना किसी शर्म के बहाना बनाते हैं कि, 'मेरे पास स्टाफ नहीं है, मैं क्या करूं!'

खान-खनिज विभाग (फ्लाइंग स्क्वाड) के चावड़ाः काली कमाई का मोटा हफ्ता समय पर जेब में पहुंचने के बाद अब ये जनता या मीडिया का फोन उठाने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाते।

ट्रैफिक पुलिस की साठगांठः करजण तालुका ट्रैफिक पुलिस ने आज तक अक्षय पटेल या गोकुल भरवाड़ की एक भी ओवरलोड गाड़ी पकड़ने की हिम्मत नहीं की। सूत्रों के मुताबिक, बड़ौदा जिले के ट्रैफिक पीआई को हर महीने 2.25 लाख रुपये का फिक्स हप्ता करजण तालुका से पहुंचाया जाता है! यह हफ्ता वसूलने का जिम्मा ट्रैफिक पुलिस में तैनात 'देविदास' नाम के कर्मचारी का है, जिसका एक ही आदेश है - विधायक और घुघा की गाड़ियों की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखना है! करजण की बहादुर जनता से आह्वान करता है कि अपनी धरती, गोचर और मां नर्मदा को बचाने के लिए गांधीनगर कूच करें और सीएम ऑफिस का घेराव करें। हम सरकार को साफ शब्दों में चेतावनी देते हैं कि अगर अक्षय पटेल, ऋषि पटेल, पार्थ शाह और घुघा भरवाड़ जैसे भू-माफियाओं पर तुरंत कानून का बुलडोजर नहीं चला और इन्हें सलाखों के पीछे नहीं भेजा गया, तो 'महानगर मेट्रो न्यूज़' जनता की तरफ से हाई कोर्ट में 'ग्रीन पिटीशन' दायर करेगा और इस पूरी भ्रष्ट मंडली को बेनकाब करके ही दम लेगा! मुख्यमंत्री महोदय, इन भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा या फिर आपकी सरकार भी 'वाशिंग मशीन' वाले इन नेताओं के आगे घुटने टेक देगी? करजण की जनता जवाब मांगती है!

'महानगर मेट्रो न्यूज़' का ललकारः जनता अब घेरेगी सीएम ऑफिस!

यह भ्रष्ट और माफिया टोली सीधे राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की 'जीरो टॉलरेंस' नीति और सरकार की साख को खुली चुनौती दे रही है। ऐसे दागी विधायक ने भाजपा में आने के बाद संगठन को कोई फायदा नहीं पहुंचाया, बल्कि पार्टी की छवि को मटियामेट करने का काम किया है।

रामेश्वर सोसाइटी से लाखों की विदेशी शराब और एक क्रेटा कार ज़ब्त की गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। ज़िले में कडी पुलिस स्टेशन की टीम को शराबबंदी कानून के तहत समाज विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए चलाए गए खास अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस को मिली खास जानकारी के आधार पर, कडी में रामेश्वर सोसाइटी के एक घर और एक कार से बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब ज़ब्त की गई है। जब कडी पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ए.एस. रबारी और उनकी सर्विलांस टीम गश्त पर थी, तो पुलिस कांस्टेबल भावेशभाई जेमरभाई को एक ज़रूरी टिप-ऑफ़ मिली। टिप-ऑफ़ में बताया गया कि कडी-छत्राल रोड पर रामेश्वर सोसाइटी के रहने वाले जाला विशालसिंह उर्फ़ वीरमसिंह धमेंद्रसिंह ने अपने मकान नंबर 94 और अपनी कार में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जमा की है और उसे बेच रहा है। इस सटीक जानकारी के आधार पर, पुलिस ने तुरंत मौके पर छापा मारा। घर और वहाँ पड़ी सिल्वर रंग की हुंडई क्रेटा कार (रजिस्ट्रेशन नंबर GJ27AH9370) की तलाशी लेते समय पुलिस भी हैरान रह गई। सर्च ऑपरेशन के दौरान, घर और कार में छोटी और बड़ी, भारत में बनी विदेशी शराब की कुल 1,313 बोतलें मिलीं। जब्त की गई चीज़ों की पूरी जानकारी इस तरह हैः विदेशी शराब की 1,313 बोतलें, जिनकी कीमत Rs 3,21,102/- है। हुंडई क्रेटा कार, जिसकी कीमत Rs 5,00,000/- है। पुलिस ने मौके से कुल Rs 8,21,102/- ज़ब्त किए हैं। पुलिस ने प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज करके शराब और कार ज़ब्त कर ली है।

शिलाज के आनंद निकेतन प्री-स्कूल में गंभीर लापरवाही सामने आई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। फायर डिपार्टमेंट ने लगातार दूसरे दिन अहमदाबाद शहर के अलग-अलग स्कूलों और कोचिंग सेंटर्स में कड़ी जांच की। इस दौरान, शिलाज इलाके में मौजूद मशहूर 'आनंद निकेतन स्कूल' के प्री-स्कूल सेक्शन में फायर डिपार्टमेंट की जांच के दौरान बेहद चौंकाने वाली और गंभीर लापरवाही सामने आई है। लकड़ी की बनावट और इक्विपमेंट की कमीः प्री-स्कूल का पूरा स्ट्रक्चर लकड़ी का बना है, जिसे आग लगने का खतरा बहुत ज़्यादा माना जाता है। हालांकि, आग बुझाने के लिए वहां एक भी फायर सेफ्टी इक्विपमेंट मौजूद नहीं था।

इमरजेंसी एग्जिट नहींः किसी भी आपदा या इमरजेंसी की स्थिति में मासूमों को निकालने के लिए स्कूल में कोई दूसरा या सही एग्जिट रूट नहीं बनाया गया है। खुले तारों का खतराः स्कूल कैंपस में बिजली के तार भी खुले मिले, जो शॉर्ट सर्किट की वजह से बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। 60 मासूम बच्चों की जान खतरे में

इस प्री-स्कूल में करीब 60 छोटे बच्चे पढ़ते हैं। फायर सेफ्टी के मामूली नियमों और इतनी बड़ी लापरवाही के बीच ये मासूम बच्चे हर दिन यहां पढ़ने आते हैं, जो वाकई चिंता की बात है।

फायर डिपार्टमेंट की रेड आईः सात दिन का नोटिस

आनंद निकेतन प्री-स्कूल की इस गंभीर लापरवाही के बाद फायर डिपार्टमेंट ने तुरंत एक्शन लिया है। एडमिनिस्ट्रेशन ने स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर्स को सभी कमियों को ठीक करने और फायर सेफ्टी इक्विपमेंट लगाने के लिए 7 दिन का फाइनल नोटिस जारी किया है। अगर तय समय में नियमों का पालन नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नडियादः पूर्व पार्षद ने बिल्डर पर लगाया जमीन हड़पने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। नगर पालिका के पूर्व पार्षद भानू भरवाड़ ने मीडिया के सामने आकर अपनी आपबीती सुनाई है। उन्होंने अपने खिलाफ हाल ही में दर्ज हुई पुलिस शिकायत को पूरी तरह से झूठा और निराधार बताया है। भानू भरवाड़ का आरोप है कि शहर के एक जाने-माने बिल्डर ने उनकी कीमती जमीन पर कब्जा करने की साजिश के तहत यह झूठी शिकायत दर्ज करवाई है। पूर्व पार्षद की जमीन बिल्डर की साइट के बिल्कुल बगल में है, जिस पर बिल्डर द्वारा अतिक्रमण करने का दावा किया गया है।

इस दबाव के खिलाफ पूर्व पार्षद ने कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है। उन्होंने नडियाद जिला पुलिस अधीक्षक, जिला कलेक्टर और राज्य के गृह मंत्री को लिखित में अपनी शिकायत भेजी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे इस अन्याय के सामने झुकेंगे नहीं और आने वाले दिनों में बिल्डर के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग (जमीन हड़पने) का मामला दर्ज करवाएंगे। इस हाईप्रोफाइल विवाद से स्थानीय राजनीति में हलचल काफी तेज हो गई है।

चैतर वसावा की विधायकी खतरे में 7 साल की सजा के बाद क्या होगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदा। जिले की डेडियापाड़ा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा को एक पुराने मामले में कोर्ट ने 7 साल की सजा सुनाई है। इस फैसले से गुजरात की राजनीति में खलबली मच गई है और उनकी विधायकी पर तलवार लटक रही है।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार, 2 साल या उससे अधिक की सजा होने पर जनप्रतिनिधि तत्काल प्रभाव से अयोग्य हो जाते हैं और सजा पूरी होने के 6 साल बाद तक चुनाव नहीं लड़ सकते। 7 साल की सजा मिलने के कारण वसावा का पद जाना लगभग तय है। अपनी विधायकी बचाने के लिए उनके पास अब केवल हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में अपील करके सजा पर स्टे (रोक) लगवाने का ही एकमात्र कानूनी विकल्प बचा है। अगर ऊपरी अदालत से उन्हें जल्द राहत नहीं मिली, तो विधानसभा सचिवालय उनकी सीट को खाली घोषित कर सकता है, जिससे डेडियापाड़ा में उपचुनाव की नौबत आ सकती है।

चैतर वसावा की विधायकी पर संकटः 7 साल की सजा के बाद क्या होगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदा। जिले की डेडियापाड़ा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा को एक पुराने मामले में अदालत ने 7 साल की सजा सुनाई है। इस फैसले के बाद गुजरात की राजनीति में काफी हलचल मच गई है और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या चैतर वसावा अपनी विधायकी खो देंगे।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार, यदि किसी मौजूदा सांसद या विधायक को 2 साल या उससे अधिक की सजा होती है, तो वह तत्काल प्रभाव से अयोग्य हो जाता है। साथ ही, सजा पूरी होने के बाद भी 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकता।

गांधीनगरः दहेगाम में व्यापारी पर हमला, कैश और सोने की चेन लूटीः दुकान बंद करके घर जाते समय पीठ में चाकू मारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। जिले के दहेगाम कस्बे में एक व्यापारी पर जानलेवा हमला कर उसे लूट लिया गया है। मंगलवार, 23 जून, 2026 की रात को हुई इस घटना में आशापुरा पुजापा स्टोर के मालिक जगदीशभाई मोहनभाई प्रजापति से कैश, सोने की चेन और मोबाइल लूट लिया गया। इस घटना के बाद व्यापारी वर्ग में डर का माहौल है। मिली जानकारी के मुताबिक, जगदीशभाई प्रजापति हमेशा की तरह रात करीब 9 बजे अपनी दुकान बंद कर रहे थे। दुकान बंद करने के बाद वह दुकान के बाहर दिन भर की कमाई के पैसे गिन रहे थे। उसके बाद वह अपने परिवार के लिए आम खरीदने बाजार गए थे। बाजार का काम खत्म करने के बाद वह रात करीब 10 बजे अपनी एक्टिवा पर अपने होमटाउन वासना राठौड़ गांव के लिए निकले थे। जगदीशभाई के मुताबिक, जब वह दहेगाम मार्केट से वासना राठौड़ चौकड़ी की तरफ TP-3 रोड से गुज़र रहे थे, तो गणेशपुरा बस स्टैंड से पहले अनजान लोगों ने उनका पीछा किया। हमलावरों ने ज़बरदस्ती उनकी एक्टिवा उतार ली और उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान, उन्हें पीटा गया और पीठ में धारदार हथियार से वार किया गया। हमले के बाद डरे हुए जगदीशभाई किसी तरह अपनी एक्टिवा लेकर गाँव पहुँचे। घर पहुँचकर उन्होंने अपने परिवार को पूरी घटना की जानकारी दी। शुरू में उन्हें लगा कि उनके शरीर पर कोई लिक्विड फेंका गया होगा, लेकिन जब उनके परिवार ने देखा, तो उनके कपड़े और शरीर खून से लथपथ थे।

चैतर वसावा की विधायकी पर संकटः 7 साल की सजा के बाद क्या होगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदा। जिले की डेडियापाड़ा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक चैतर वसावा को एक पुराने मामले में अदालत ने 7 साल की सजा सुनाई है। इस फैसले के बाद गुजरात की राजनीति में काफी हलचल मच गई है और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या चैतर वसावा अपनी विधायकी खो देंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार, यदि किसी मौजूदा सांसद या विधायक को 2 साल या उससे अधिक की सजा होती है, तो वह तत्काल प्रभाव से अयोग्य हो जाता है। साथ ही, सजा पूरी होने के बाद भी 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकता। इस लिहाज से 7 साल की सजा मिलने के कारण वसावा का पद खतरे में है। अपना पद बचाने के लिए अब उनके पास ऊपरी अदालत में अपील करने का ही रास्ता है। फिलहाल सभी की नजरें उनके अगले कानूनी कदम पर हैं।

आधार के बिना नहीं मिलेगी स्टाइपेंड-स्कॉलरशिप!: राज्य सरकार का बड़ा फैसला, MKPY और LIVE स्कीम में आधार ऑथेंटिकेशन ज़रूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सरकार के लेबर, स्किल डेवलपमेंट और एम्प्लॉयमेंट डिपार्टमेंट ने स्टूडेंट्स और ट्रेनी को मिलने वाले फायदों में ट्रांसपेरेंसी लाने के लिए एक अहम फैसला लिया है। डिपार्टमेंट की तरफ से जारी गजट नोटिफिकेशन के मुताबिक, अब चीफ मिनिस्टर स्किल प्रमोशन स्कीम के तहत मिलने वाली स्कॉलरशिप के साथ-साथ क्लस्टर बेस्ड लोकल इंस्टिट्यूट फॉर वोकेशनल एजुकेशन स्कीम के तहत मिलने वाले स्टाइपेंड के लिए आधार-बेस्ड आइडेंटिटी वेरिफिकेशन ज़रूरी कर दिया गया है। सरकार के मुताबिक, आधार नंबर के ज़रिए बेनिफिशियरी की पहचान पक्का करने से सब्सिडी, स्कॉलरशिप और स्टाइपेंड बांटने में ट्रांसपेरेंसी बढ़ेगी। गलत या डुप्लीकेट बेनिफिशियरी को रोका जा सकेगा और पूरा प्रोसेस आसान और ज़्यादा बेहतर हो जाएगा। नए नियम के मुताबिक, स्कीम के तहत स्कॉलरशिप या LIVE स्कीम के तहत स्टाइपेंड पाने के इच्छुक हर बेनिफिशियरी को आधार ऑथेंटिकेशन करवाना होगा या आधार नंबर होने का प्रूफ देना होगा। जिनके पास आधार नंबर नहीं है, उन्हें आधार रजिस्ट्रेशन के लिए अप्लाई करना होगा। एलिजिबल स्टूडेंट या बेनिफिशियरी को स्कीम के फायदों से वंचित नहीं किया जाएगा एडवरटाइजमेंट में साफ किया गया है कि किसी भी एलिजिबल स्टूडेंट या ट्रेनी को सिर्फ आधार न होने की वजह से स्कीम के फायदों से वंचित नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में, दूसरे वैलिड पहचान डॉक्यूमेंट्स के आधार पर पहचान वेरिफाई करने के बाद फायदे दिए जाएंगे। बच्चों के मामले में, माता-पिता या लीगल गार्जियन की सहमति से आधार रजिस्ट्रेशन प्रोसेस किया जाएगा। MKPY स्कीम को कौशल्या-द स्किल यूनिवर्सिटी मैनेज करती है, जबकि LIVE स्कीम को गुजरात स्किल डेवलपमेंट मिशन लागू करता है। दोनों स्कीम के लिए जारी ये निर्देश ऑफिशियल गजट में पब्लिश होने की तारीख से लागू हो गए हैं।

बनासकांठा की 11 साल पुरानी चोरी का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। जिले के भीलड़ी इलाके में 11 साल पहले ज्वेलर्स की दुकान में हुई बड़ी चोरी की गुत्थी को मेहसाणा लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने आखिरकार सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। साल 2015 में भीलड़ी में एक ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाकर चोरों ने सोने-चांदी के कीमती आभूषण उड़ा लिए थे। यह मामला लंबे समय से अनसुलझा था। हाल ही में मेहसाणा जिला पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में गश्त कर रही एलसीबी टीम को इस चोरी के संबंध में एक पुख्ता गुप्त सूचना मिली। इसी सूचना के आधार पर एलसीबी ने जाल बिछाकर आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने 11 साल पहले की गई उस चोरी की बात कबूल कर ली है। अब मेहसाणा पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई और ट्रांसफर वारंट के लिए बनासकांठा की भीलड़ी पुलिस से संपर्क किया है।

संक्षिप्त न्यूज

3000 रुपये की रिश्वत लेते जूनियर क्लर्क गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की सख्त कार्रवाई जारी है। देवभूमि द्वारका जिले के कल्याणपुर तालुका पंचायत कार्यालय में तैनात जूनियर क्लर्क रवि मनसुखभाई भराड़िया को एसीबी ने 3,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता को अपने मुवक्किलों की कृषि भूमि के लिए 'नो-ड्यू' (बकाया नहीं) प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। इस प्रमाण पत्र को समय पर निकालने के एवज में क्लर्क रवि भराड़िया ने शिकायतकर्ता से 3,000 रुपये की अवैध मांग की थी। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने तुरंत एसीबी से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर एसीबी की टीम ने कल्याणपुर तालुका पंचायत कार्यालय में जाल बिछाया। जैसे ही क्लर्क ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम स्वीकार की, एसीबी की टीम ने उसे दबोच लिया। एसीबी ने रिश्वत की रकम बरामद कर आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

पेपर लीक के खिलाफ कांग्रेस का 'छात्र-गूंज' अभियान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। गोधरा में कांग्रेस प्रवक्ता निशांत रावल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर शिक्षा व्यवस्था और लगातार हो रहे पेपर लीक को लेकर सरकार पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने नीट सहित पिछले 10 सालों में हुए 89 पेपर लीक का हवाला देते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। रावल ने चौंकाने वाले आंकड़े पेश करते हुए कहा कि देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग का कुल खर्च 3.5 लाख करोड़ रुपये है, जो राष्ट्रीय शिक्षा बजट से करीब तीन गुना अधिक है। इससे आम परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। युवाओं के सपनों के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को रोकने और छात्रों की आवाज बुलंद करने के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में गुजरात भर में 'छात्र-गूंज' अभियान की शुरुआत की जा रही है। इसके तहत जिला स्तर पर छात्रों की समस्याएं सुनकर उन्हें सरकार तक पहुंचाया जाएगा।

कांग्रेस का सरकार पर प्रहार: दीवाली के पटाखों की तरह फूट रहे हैं पेपर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अरावली। आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. अमित नायक और पूर्व विधायक जशुभाई पटेल ने पेपर लीक मामलों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। डॉ. नायक ने तंज कसते हुए कहा कि मोदी सरकार में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर दीवाली के पटाखों की तरह फूटते हैं। उन्होंने दावा किया कि 2014 के बाद से देश में 89 पेपर लीक हुए हैं और 48 परीक्षाएं दोबारा करानी पड़ी हैं जो बेहद शर्मनाक है। नीट सहित कई अन्य भर्ती परीक्षाओं के घोटालों का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेताओं लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

हिंदुस्तान के 16 साहित्यकारों को मध्यप्रदेश की भूमि गाडरवारा में अखिल भारतीय साहित्य चेतना सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाडरवारा। चेतना साहित्य मंच के तत्वाधान में अखिल भारतीय साहित्य सम्मान एवं कृति विमोचन का आयोजन पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम गाडरवारा में आयोजित किया गया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार कुशलेन्द्र श्रीवास्तव ने की।इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं पूर्व विधायक साधना स्थापक,वरिष्ठ समाजसेवी मिनेन्द्र डागा,शिक्षाविद् अभिलाषा शर्मा एवं नवोदयन समिति,नरसिंहपुर के संरक्षक हरीश कुमार कोरी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। सुनील तन्हा ने बहुत सुंदर सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मंचस्थ सभी मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। चेतना के संरक्षक मिनेन्द्र डागा ने अपने स्वागत भाषण में देश के विभिन्न अंचलों से आए हुए साहित्यकारों का शाब्दिक स्वागत करते हुए कहा कि

गाडरवारा ओशों की उर्जा से पूर्ण एवं माँ नर्मदा के आंचल से सिंचित भूमि हैं। जहाँ साहित्य के प्रति अनूठा उत्साह हमेशा महसूस किया जाता है।इस भव्य आयोजन में साहित्यकार कुशलेन्द्र श्रीवास्तव की चार कृतियां कहानी संग्रह-श्याम टाकीज,पुरानी गल्ला मंडी,सोमवार सात अगस्त; उपन्यास खसुआ और अभिलाषा शर्मा का काव्य संग्रह ''अभिव्यक्ति' का विमोचन भी किया गया।कुशलेन्द्र श्रीवास्तव की 67 कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं।वेणी शंकर पटेल ने इन चारों कृतियों की समीक्षा प्रस्तुत की वहीं अभिलाषा शर्मा की कृति की समीक्षा श्रीमती अनुराधा यादव ने प्रस्तुत करते हुए कृतियों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।श्रीमती साधना स्थापक ने अपने संबोधन में कृतिकारों को बधाई देते हुए कहा कि यह क्षेत्र साहित्य से समृद्ध क्षेत्र है ।उन्होने अपील की हम सभी को निरंतर स्वाध्याय करते रहने की आदत डालनी चाहिए।धर्म ग्रंथ से लेकर अन्य साहित्य हमें उर्जा देता है।कार्यक्रम के अध्यक्ष कुशलेन्द्र श्रीवास्तव ने अपनी विमोचित कृतियों की चर्चा करते हुए कहा कि श्याम टाकीज और पुरानी गल्ला मंडी कहानी संग्रह गाडरवारा के अतीत का शाब्दिक चित्रण है।हर एक साहित्यकार का दायित्व है कि वह लेखन के साथ-साथ पाठकों को भी जोड़ता चले तब ही लेखन की सार्थकता है।उन्होने आधुनिक टेक्नोलॉजी 'एआई' के प्रति भी गंभीरता से चिन्तन करने की अपील की ताकि साहित्य में मौलिकता और हमारे चिन्तन मनन की दिशा न भटके।हरीश कोरी ने सभी रचनाकारों को और सम्मानित होने वाले साहित्यकारों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि यह कारवां आगे बढ़ता रहेगा।अभिलाषा शर्मा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। इस समारोह में देश के विभिन्न शहरों से आए साहित्यकारों को अखिल भारतीय चेतना साहित्य सम्मान मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए।स्व.श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव समग्र साहित्य सम्मान झांसी की साहित्यकार डॉ श्रीमती ब्रजलता मिश्रा; स्व. प्रेमनारायण त्रिपाठी चेतना साहित्य सम्मान उपन्यास विधा के लिए गुजरात के श्री जश भाई को उनके उपन्यास ''मौत की देवी''; स्व.रमेश गुप्ता साहित्य सम्मान युवा कवि साहित्यकार के लिए नोएडा की श्रीमती स्वाति शर्मा अतुल को उनकी कृति 'काव्य सुधा'; स्व.रामसागर स्वामी साहित्य सम्मान कहानी संग्रह के लिए भोपाल की डॉ अनीता सिंह चौहान को उनकी कृति ''टूटते इंन्द्रधनुष'' एवं राकेश माहेश्वरी नरसिंहपुर को उनके कहानी संग्रह ''मुस्कान की करवटें'' के लिए संयुक्त रूप् से; स्व.जगदीश पाटकर साहित्य सम्मान प्रो.डॉ मनोज कुमार कैन पीजीडीएवी कालेज दिल्ली को उनके नाटक संग्रह ''संशय के दिन और अन्य एकांकी परिजनों द्वारा प्रदान किया गया।

अखडोल के बूटलेगर अनिल उर्फ कांबली की लाखों की विदेशी शराब ज़ब्त, मौसी का बेटा संजय उर्फ स्वामी 7.61 लाख कैश के साथ गिरफ्तार

शराबबंदी की गतिविधियों को खत्म करने के लिए अपनी जांच के दौरान एक बड़ी कामयाबी मिली है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नाडियाड। मिली जानकारी के मुताबिक, अखडोल गांव का बदनाम बूटलेगर अनिल उर्फ कांबली पुनमभाई परमार बड़े पैमाने पर विदेशी शराब का धंधा कर रहा था। पुलिस से बचने के लिए उसने कलोली गांव में रहने वाले अपने चचेरे भाई के बेटे संजय उर्फ स्वामी प्रभातभाई बरैया के घर के बगल में एक शेड का इस्तेमाल किया। अनिल ने इस शेड में लाखों रुपये की विदेशी शराब छिपाई हुई थी। क्राइम ब्रांच की छापेमारी खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच टीम को इस शराब की कटाई और स्टोरेज के बारे में खास

जानकारी मिली थी। इसके आधार पर पुलिस ने कलोली गांव में कथित शेड पर छापेमारी की। सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने मौके से 7,61,592 रुपये की बड़ी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की और चचेरे भाई के बेटे संजय उर्फ स्वामी बरैया को रंगे हाथों पकड़ लिया।

मुख्य शराब तस्कर को पकड़ने की कोशिशें जारी हैं

पुलिस ने मौके से लाखों का माल जब्त कर आरोपी संजय उर्फ ??स्वामी को हिरासत में ले लिया है। हालांकि, इस क्राइम का मुख्य मास्टरमाइंड और अखडोल का शराब तस्कर अनिल उर्फ ??कांबली अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने और वॉन्टेड घोषित करने के लिए अलग-अलग टीमें बनाई हैं। इस मामले में नडियाद रूरल पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की गई है। क्राइम ब्रांच की इस कामयाबी से लोकल शराब तस्करों में हड़कंप मच गया है।

सियासी पिच पर पावर गेम: 'जो डर गया वो चुल गया'...क्या ये उभरते नेताओं को दबाने का पुराना हथकंडा है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राजनीति हमेशा से दिलचस्प और प्रयोगात्मक रही है. यहां सत्ता के समीकरण कब बदल जाएंगे, कहना मुश्किल है. आजकल जब कोई विपक्षी नेता जनता के बीच लोकप्रिय होने लगता है, नतीजे देने लगता है तो अचानक कानूनी परेशानियां उसे घेरने क्यों लगती हैं? ये सवाल आज हर नागरिक के मन में है. 'जो डरता था वह छूट जाता है और जो नहीं डरता वह जेल चला जाता है' - यह सूत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक लगता है।

इतिहास गवाह है: 2017 ढोलका मामला

वर्तमान स्थिति को समझने के लिए हमें इतिहास के पन्ने पलटने होंगे। याद कीजिए 2017 का हाई-प्रोफाइल विधानसभा चुनाव, जब पाटीदार आंदोलन चरम पर था. वयोवृद्ध भाजपा नेता भूपेन्द्र सिंह चुडास्मा ढोलका सीट से केवल 327 वोटों के मामूली अंतर से जीते। कांग्रेस उम्मीदवार ने जीत को उच्च न्यायालय में चुनौती दी, लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और उच्च न्यायालय ने माना कि जीत में धांधली हुई थी और चुनाव रद्द कर दिया गया। लेकिन, सत्ता के प्रभाव को देखते हुए मामला तुरंत सुप्रीम कोर्ट में ले जाया गया, जहां से स्टे (स्थगन आदेश) आ गया. नतीजा ये हुआ कि कार्यकाल भी खत्म हो गया और मामला भी खत्म हो गया. यह मामला साबित करता है कि सत्ताधारी दल के नेताओं पर आंच आने पर कितनी जल्दी कानूनी राहत मिल सकती है.

'वॉशिंग मशीन' बनाम 'प्रिज़न बार्स'

आज देश और प्रदेश की राजनीति में एक नई परिभाषा बुन दी गई है। जो नेता सत्ता पक्ष के खिलाफ सिर उठाते हैं, लोकप्रिय हो जाते हैं या सिस्टम के खिलाफ सवाल उठाते हैं, उनका जेल जाना या कोर्ट के चक्कर लगाना तय होता है। दूसरी ओर, ऐसे नेता भी हैं जिन पर गंभीर आरोप हैं, लेकिन जैसे ही वे सत्तारूढ़ दल में 'वॉशिंग मशीन' बनकर शामिल होते हैं, उनकी सारी गलतियाँ धुल जाती हैं और वे पवित्र हो जाते हैं और सत्ता के महल का आनंद लेते हैं। यहाँ राजा ने कहा रात है, रानी ने कहा रात है मंत्री बोला रात है, संतरी बोला रात है ये पंक्तियाँ आज की राजनीतिक तस्वीर का सजीव प्रतिनिधित्व करती हैं। सत्ता में बैठे लोग जो भी कहते हैं, हाजीहा करने वाले उसे सच मानते हैं, भले ही हकीकत कुछ और न हो समझे बाबू बात बिल्कुल स्पष्ट है - यदि आप थोड़ा भी ऊपर उठते हैं, जनता के बीच बढ़ते हैं.

लक्जरी कारों से खतरनाक रेसिंग करने वाला आदित्यसिंह राठौड़ गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

गांधीनगर। सबसे पॉश और हाई-प्रोफाइल माने जाने वाले PDPU कॉलेज रोड पर आधी रात को लग्जरी कारों के साथ खतरनाक रेस का मामला सामने आया है। इस घटना में बदनाम किशोर लंगड़ा के पोते आदित्य सिंह राठौड़ ने एक बार फिर कानून अपने हाथ में लिया है। हालांकि, गांधीनगर पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए यह खतरनाक स्टंट करने वाले आदित्य सिंह को गिरफ्तार कर लिया। एक ही साल में तीन जुर्म किए, लेकिन फिर भी सुधरने का नाम नहीं ले रहा। पुलिस रिकॉर्ड और जांच में पता चला है कि आरोपी आदित्य सिंह राठौड़ पहले भी कई क्रिमिनल एक्टिविटी में शामिल रहा है। सिर्फ एक साल के छोटे से समय में उसने एक के बाद एक तीन बड़े जुर्म किए हैं। कई बार जेल जाने के बाद भी वह सुधरने का नाम नहीं ले रहा है और एंटी-सोशल एलिमेंट्स की तरह सड़क पर लोगों की जान खतरे में डालता है। आधी रात को लग्ज़री कारों से फ़िल्मी स्टंट मिली जानकारी के मुताबिक, आदित्य सिंह और उसके साथी कल आधी रात को महंगी लग्ज़री कारों के साथ PDPU रोड पर जमा हुए थे। कारों को पूरी स्पीड में चलाते हुए, वे पब्लिक रोड पर खतरनाक रेस लगा रहे थे और फ़िल्मी स्टाइल में बारी-बारी से स्टंट कर रहे थे। जैसे ही इस खतरनाक खेल की जानकारी मिली, जिससे एक्सीडेंट हो सकता था, पुलिस का काफ़िला मौके पर पहुँच गया।

150 पेज की रिपोर्ट में FIR दर्ज करने और ट्रस्ट को फिर से बनाने की बड़ी सिफारिश की गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर के चंदे में कथित चोरी और पैसे की गड़बड़ियों की जांच के लिए बनी स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने अपनी फाइनल रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में SIT की 150 पेज की यह डिटेल्ड रिपोर्ट सामने आते ही राजनीतिक और धार्मिक हलकों में भारी हंगामा मच गया।

रिपोर्ट में की गई खास और मजबूत सिफारिशें

दोषियों के खिलाफ FIR की सिफारिश: SIT ने अपनी रिपोर्ट में साफ किया है कि चंदे के पैसे में बड़ी गड़बड़ियां हुई हैं, जिसके आधार पर इस घोटाले में शामिल जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत FIR दर्ज की जानी चाहिए और कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। ट्रस्ट को फिर से बनाने की मांग रिपोर्ट में सबसे बड़ी सिफारिश यह है कि मौजूदा राम मंदिर ट्रस्ट को तुरंत भंग कर दिया जाना चाहिए और ट्रांसपेरेंसी लाने के लिए 'एक नया ट्रस्ट' फिर से बनाया जाना चाहिए।

फाइनेंशियल ऑडिट में कमियां: सूत्रों से पता चला है कि 150 पेज की इस चार्जशीट जैसी रिपोर्ट में डोनेशन अकाउंट में कई कमियां, नकली रसीदें और डिजिटल ट्रांजैक्शन में गड़बड़ी का सबूतों के साथ जिक्र किया गया है।

करोड़ों भक्तों की आस्था से जुड़ा मामला

देश-विदेश से करोड़ों भक्तों ने अपनी मेहनत की कमाई से अयोध्या राम मंदिर के लिए दान दिया है। इतने पवित्र काम के पैसे की चोरी और हेराफेरी का मामला सामने आने पर भक्तों में काफी गुस्सा है, जिसके चलते सरकार ने भी इस मामले को काफी गंभीरता से लिया है। SIT की यह ऑफिशियल रिपोर्ट मुख्यमंत्री और गृह विभाग को सौंपे जाने के बाद अब पूरे देश की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में ट्रस्ट के किन बड़े लोगों पर कार्रवाई होगी और सरकार इन सिफारिशों पर कब अपनी मुहर लगाएगी।

मेहसाणा: उनावा में ज़हरीली सौंफ का बड़ा स्कैम, आर्टिफिशियल कलर मिलाकर बेची जा रही 4,766 द्मद सौंफ ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। फूड एंड ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी, मेहसाणा को मिली एक भरोसेमंद टिप के आधार पर, उनावा के शिवगंगा एस्टेट में शनिदेव मंदिर के पास एक संदिग्ध गोदाम पर अचानक छापा मारा गया। इस छापे के दौरान, गोदाम में चल रहे मिलावट के काले धंधे का पर्दाफाश हुआ।

सौंफ को हरा बनाने के लिए केमिकल कलर का खेल

जांच के दौरान पता चला कि व्यापारी नीम कुमार गोविंदभाई पटेल के गोदाम में सौंफ के डंठलों में बैन आर्टिफिशियल कलर मिलाया जा रहा था। यह खेल घटिया क्वालिटी की सौंफ को ज़्यादा हरा और चमकदार बनाकर ग्राहकों को धोखा देने के लिए खेला जा रहा था। इस रंगीन ज़हरीली सौंफ को 1 द्मद की आकर्षक पैकिंग में पैक करके बाज़ार में बेचने की तैयारी की जा रही थी। लोगों की सेहत से सीधे तौर पर खिलवाड़ करने वाले इस स्कैम को फूड सेफ्टी ऑफिसर उमंगभाई

रावल और उनकी टीम ने तुरंत कार्रवाई करके रोक दिया। अधिकारियों ने मौके से करीब 4,766 द्मद रंगीन सौंफ ज़ब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत 8,57,880/- रुपये है।

पाप किचन तक पहुंचने से पहले ही पकड़ा गया

अगर यह सौंफ बाज़ार में बांटी जाती, तो यह हज़ारों परिवारों की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकती थी। केमिकल से रंगी सौंफ पेट की गंभीर बीमारियों और कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बन सकती है।

सैंपल लैब भेजे गए

अधिकारियों ने सौंफ के अलग-अलग सैंपल लेकर उन्हें आगे की जांच (लैबोरेटरी) के लिए भेज दिया है। फिलहाल, इस मामले में गोदाम को सील कर दिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। फ़ूड डिपार्टमेंट के सूत्रों ने बताया कि लैब रिपोर्ट आने के बाद व्यापारी के खिलाफ़ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अहमदाबाद: ब्लड प्लाज्मा में मिलावट का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। ग्रामीण एसओजी ने कैंसर मरीजों की जान से खेलने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। ब्लड प्लाज्मा में मिलावट कर उसे अवैध रूप से बेचने के आरोप में पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी दिनेश चौधरी अपने साथियों मोहन, रफीक और जितेंद्र के साथ पिछले 6 महीने से यह गोरखधंधा कर रहा था। ये लोग एंटी-कैंसर कंपनियों से असली प्लाज्मा चुराकर उसकी जगह नकली प्लाज्मा भर देते थे और फिर इसे आधी कीमत पर महाराष्ट्र में बेचते थे। एसओजी ने छापेमारी कर इनके पास से 11 लाख रुपये की 1,140 नकली प्लाज्मा बैग जब्त की हैं। इंसानियत को शर्मसार करने वाले इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। अब पुलिस गहराई से यह जांच कर रही है कि इस रैकेट के तार महाराष्ट्र के अलावा और किन राज्यों या अस्पतालों से जुड़े हुए हैं।

एयर इंडिया का विमान गलती से पाकिस्तान पहुंचा, सुरक्षित लौटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। अमृतसर जा रहा एयर इंडिया का एक यात्री विमान तकनीकी खराबी के कारण रास्ता भटककर पाकिस्तान की हवाई सीमा में प्रवेश कर गया। उड़ान के दौरान विमान के नेविगेशन सिस्टम में अचानक आई खराबी की वजह से पायलट सही दिशा तय नहीं कर पाए और विमान रास्ता भटक गया। जैसे ही विमान पाकिस्तानी एयरस्पेस में घुसा, वहां के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने रडार पर उसे देखकर पायलट को चेतावनी दी। भारतीय पायलट ने तुरंत उन्हें तकनीकी खराबी के बारे में बताया, जिसके बाद पाकिस्तानी एटीसी ने विमान को सुरक्षित रूप से यू-टर्न लेकर भारतीय सीमा में लौटने के निर्देश दिए। पाकिस्तानी सीमा से बाहर निकलने के बाद विमान ने अमृतसर एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। विमान में सवार सभी यात्री और क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। डीजीसीए और एयर इंडिया ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

वेस्ट पुलिस ने पूर्व पार्षद के परिवार पर हमला करने वाले किशोर प्रजापति और कश्यप प्रजापति को हिरासत में लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। शहर के वेस्टर्न इलाके में वैशाली सिनेमा के पीछे विजयनगर सोसाइटी में खूनी हमले की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। नडियाद नगर पालिका की पूर्व BJP पार्षद तृप्तिबेन पीयूषभाई पटेल और उनके परिवार पर एक छोटी सी बात पर हमला किया गया। वेस्ट पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, विजयनगर सोसाइटी में परेशानी खड़ी कर रहे एक पेड़ को काटने की मामूली सी बात पर पूर्व पार्षद के परिवार और पड़ोसियों के बीच झगड़ा हो गया था। हालांकि, यह झगड़ा इतना बढ़ गया कि आरोपी भड़क गए और उन्होंने पूर्व पार्षद तृप्तिबेन पटेल और उनके परिवार वालों पर हमला कर दिया। सोसाइटी में हुई इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी हंगामा हुआ। वेस्ट पुलिस की तुरंत कार्रवाई जैसे ही पूर्व पार्षद के परिवार ने घटना के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, नडियाद वेस्ट पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत हरकत में आ गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी ताकि कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने से बच सके और दो हमलावरों, किशोर प्रजापति और कश्यप प्रजापति को गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे भेज दिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। शांत शहर नडियाद में पूर्व जनप्रतिनिधि के परिवार पर इस तरह के हमले ने राजनीतिक दुनिया में भी बहस छेड़ दी है।

अतीत का आपातकाल अध्याय, बर्तमान मे लोकतंत्र की नई चुनौतियाँ

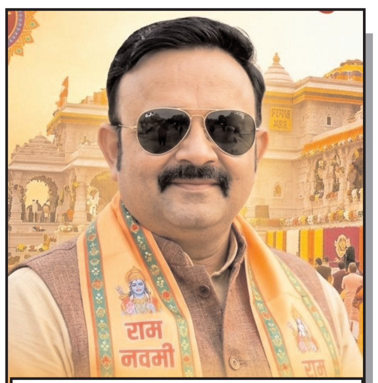

पवन माकन

ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।

1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?

25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास की वह तिथि है,जिसे स्वतंत्र भारत के सबसे विवादास्पद और बहुचर्चित राजनीतिक निर्णयों में गिना जाता है।आज ही के दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की सलाह पर देश में आंतरिक आपातकाल लागू किया गया। संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत घोषित इस आपातकाल ने भारतीय लोकतंत्र में नागरिक स्वतंत्रताओं,प्रेस की स्वतंत्रता और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका को कठोर परीक्षा के दौर से गुजारा। लगभग पाँच दशक बाद भी आपातकाल केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं है,बल्कि लोकतंत्र को निरंतर सजग रखने वाली चेतावनी है।उस समय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा इन्दिरा गांधी के निर्वाचन को अमान्य घोषित किए जाने,जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चल रहे व्यापक जनांदोलन और राजनीतिक अस्थिरता के माहौल के बीच आपातकाल लागू किया गया। इसके बाद जो घटनाएँ सामने आईं, उन्होंने लोकतंत्र की बुनियाद को झकझोर दिया।विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियाँ हुईं,प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई,नागरिक अधिकार सीमित कर दिए गए और सत्ता का अभूतपूर्व केंद्रीकरण देखने को मिला।जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई,अटल बिहारी वाजपेयी,लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस सहित हजारों राजनीतिक कार्यकताओं को जेलों में डाल दिया गया।मीसा (MISA) और अन्य कानूनों के तहत व्यापक गिरफ्तारियाँ हुईं।अनेक समाचार- पत्रों को समाचार प्रकाशित करने से पहले सरकारी अनुमति लेनी पड़ती थी।लोकतंत्र की आत्मा कहे जाने वाले अभिव्यक्ति के अधिकार पर पहरा बैठ गया था।सर्वोच्च न्यायालय का चर्चित एडीएम जबलपुर मामला आज भी भारतीय न्यायिक इतिहास में बहस का विषय है।उस समय न्यायपालिका का एक बड़ा हिस्सा सत्ता के दबाव के सामने कमजोर दिखाई दिया, जबकि न्यायमूर्ति एच.आर.खन्ना का असहमति वाला मत लोकतांत्रिक साहस का प्रतीक बन गया।बाद में गठित शाह आयोग ने भी प्रशासनिक और राजनीतिक दुरुपयोगों की ओर संकेत किया। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों की रक्षा कितनी आवश्यक है।किन्तु भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि जनता ने अंततः अपना फैसला सुनाया।1977 के आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई और जनता पार्टी की सरकार बनी।यह केवल सरकार की हार नहीं थी,बल्कि लोकतंत्र की जीत थी।जनता ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र में अंतिम शक्ति किसी नेता,दल या सरकार के पास नहीं, बल्कि मतदाता के पास होती है। बाद के वर्षों में कांग्रेस के अनेक नेताओं ने स्वीकार किया कि आपातकाल एक गंभीर राजनीतिक भूल थी।लोकतंत्र केवल दण्ड देने की व्यवस्था नहीं है,वह सुधार का अवसर भी देता है।यही कारण था कि 1980 में जनता ने पुनः इन्दिरा गांधी को सत्ता में लौटने का अवसर दिया।यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का अद्भुत उदाहरण था। *1975 में जनता ने सत्ता को सबक सिखाया था,क्या आज की राजनीति इतिहास से सीख रही है? 1975 का आपातकाल, वर्तमान चुनौतियाँ और संविधान की चेतावनी इतिहास केवल स्मृति है या वर्तमान के लिए एक आईना ?* यही वह बिंदु है,जहाँ इतिहास वर्तमान से संवाद करता है।आज जब देश आपातकाल की वर्षगाँठ को याद करता है,तब स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न भी उठता है कि क्या लोकतंत्र की समीक्षा केवल अतीत तक सीमित रहनी चाहिए अथवा वर्तमान की परिस्थितियों का भी उसी कसौटी पर परीक्षण होना चाहिए?क्या आपातकाल की स्मृति केवल राजनीतिक हथियार है या लोकतांत्रिक आत्ममंथन का अवसर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले बारह वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।आधार भूत संरचना का विस्तार,एक्सप्रेस-वे,रेलवे और हवाई अड्डों का विकास,डिजिटल इंडिया अभियान, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण,जनधन योजना,यूपीआई क्रांति,वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती उपस्थिति, जी-20 की सफल अध्यक्षता और विदेश नीति में संतुलित दृष्टिकोण को व्यापक रूप से सराहा गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत की संतुलित कूटनीति,वैश्विक दक्षिण की आवाज के रूप में उसकी भूमिका तथा अमेरिका, रूस,यूरोप और पश्चिम एशिया के साथ समानांतर संबंधों ने भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

यह उपलब्धियाँ वास्तविक हैं और इन्हें नकारना वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।किन्तु लोकतंत्र केवल उपलब्धियों से नहीं चलता। लोकतंत्र का मूल्यांकन इस आधार पर भी होता है कि सत्ता आलोचना को कितना स्थान देती है,संस्थाएँ कितनी स्वतंत्र हैं,नागरिक कितने निर्भय हैं और विपक्ष को कितना सम्मान प्राप्त है।यहीं से वर्तमान राजनीतिक बहस आरम्भ होती है।

विपक्षी दल और अनेक राजनीतिक विश्लेषक आरोप लगाते हैं कि देश में सत्ता का अत्यधिक केंद्रीकरण हुआ है।प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर समय-समय पर प्रश्न उठते रहे हैं।विपक्ष का आरोप है कि इन एजेंसियों की सक्रियता कई बार राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध अधिक दिखाई देती है।सरकार इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करती है और कहती है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र में सच्चाई का निर्णय अदालतें और कानून करते हैं, लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि संस्थाओं के प्रति जनता का विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूँजी होता है।इसी प्रकार चुनाव आयोग को लेकर भी समय-समय पर बहस होती रही है।भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया का संचालन करता है और उसकी निष्पक्षता लोकतंत्र की आधारशिला है।यदि चुनावी संस्थाओं को लेकर आशंकाएँ व्यक्त की जाती हैं तो उनका उत्तर केवल राजनीतिक बयान नहीं,बल्कि अधिक पारदर्शिता और जनविश्वास से दिया जाना चाहिए।लोकतंत्र की असली शक्ति केवल चुनाव कराने में नहीं, बल्कि चुनावों पर जनता के भरोसे में निहित होती है।आज देश का युवा एक अलग प्रकार के संकट से जूझ रहा है।करोड़ों विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगा देते हैं,लेकिन पेपर लीक की घटनाएँ बार-बार उनके सपनों और विश्वास दोनों को चोट पहुँचाती हैं।बेरोजगारी का प्रश्न आज भी राष्ट्रीय विमर्श का प्रमुख मुद्दा है। आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के बीच संतुलन की चुनौती अभी भी बनी हुई है।शिक्षा का विस्तार हुआ है,लेकिन गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। यह वह प्रश्न है जिसका उत्तर किसी भी सरकार को देना ही होगा।राजनीति का एक और चिंताजनक पक्ष दल-बदल की बढ़ती संस्कृति है।चुनाव के समय एक विचारधारा और दल के नाम पर वोट माँगना और बाद में राजनीतिक लाभ के लिए पाला बदल लेना लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश,कर्नाटक और अन्य राज्यों की राजनीतिक घटनाओं ने यह बहस तेज की है , क्या जनादेश जनता का रहता है या राजनीतिक प्रबंधन का साधन बन जाता है?दुर्भाग्यपूर्ण सत्य यह है कि लगभग सभी दल सत्ता में रहते हुए दल-बदल का स्वागत करते हैं और विपक्ष में रहते हुए उसका विरोध करते हैं।यही भारतीय राजनीति दलो का वह चाल,चेहरा और चरित्र है जिसे जनता अब समझने लगी है।लोकतंत्र में समस्या केवल सरकार की नहीं होती,विपक्ष की भी होती है।यदि सत्ता आलोचना से असहज होती है तो विपक्ष भी कई बार रचनात्मक राजनीति के बजाय केवल विरोध की राजनीति में उलझ जाता है।लोकतंत्र दोनों पक्षों की जिम्मेदारी से चलता है।सत्ता को जवाबदेह होना पड़ता है और विपक्ष को विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना पड़ता है।धार्मिक और सांस्कृतिक मुद्दे भारतीय राजनीति का हिस्सा रहे हैं।राम मंदिर का निर्माण करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय था और उसका ऐतिहासिक महत्व भी है।लोकतंत्र में आस्था के साथ जवाबदेही भी आवश्यक होती है।किसी भी सार्वजनिक या धार्मिक परियोजना के संबंध में उठने वाले प्रश्नों का उत्तर पारदर्शिता से दिया जाना चाहिए।इसी प्रकार हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति अल्पकालिक चुनावी लाभ दे सकती है,लेकिन दीर्घकाल में सामाजिक विश्वास और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करती है।

भारत की वास्तविक चुनौतियाँ रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य,कृषि, पर्यावरण,सामाजिक न्याय और आर्थिक असमानता हैं।यदि राजनीतिक विमर्श इन मूल प्रश्नों से भटककर केवल भावनात्मक मुद्दों तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र का वास्तविक उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है।सोशल मीडिया के इस युग ने लोकतंत्र को नए अवसर और नई चुनौतियाँ दोनों दी हैं।आज नागरिकों के पास अपनी बात कहने के पहले से कहीं अधिक अवसर हैं। सरकार की आलोचना भी खुलकर हो रही है और समर्थन भी।इसके साथ ही फेक न्यूज,ट्रोल संस्कृति, दुष्प्रचार और वैचारिक कट्टरता जैसी समस्याएँ भी बढ़ी हैं।लोकतंत्र को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही नहीं,बल्कि जिम्मेदारअभिव्यक्ति की भी आवश्यकता होती है।2024 के लोकसभा चुनाव ने भी भारतीय लोकतंत्र को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया।जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया, लेकिन साथ ही यह भी संकेत दिया कि लोकतंत्र में जनादेश समर्थन और संतुलन दोनों का संदेश देता है।यह परिणाम बताता है कि भारतीय मतदाता न किसी दल का स्थायी समर्थक है और न स्थायी विरोधी।वह समय-समय पर सरकारों को अवसर भी देता है और चेतावनी भी।यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुंदरता है।आज की सरकार के लिए इतिहास का संदेश स्पष्ट है। इन्दिरा गांधी का राजनीतिक कद बहुत बड़ा था, लेकिन जनता ने उन्हें भी सत्ता से बाहर कर दिया था।इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि लोकप्रियता स्थायी है या चुनावी सफलता अंतिम सत्य है। लोकतंत्र में जनसमर्थन निरंतर अर्जित करना पड़ता है।केवल अतीत की गलतियों को याद दिलाकर वर्तमान की चुनौतियों से बचा नहीं जा सकता।यदि बेरोजगारी,शिक्षा,सामाजिक सद्भाव,संस्थागत विश्वसनीयता और पारदर्शिता जैसे प्रश्न उठ रहे हैं तो उनका उत्तर इतिहास नहीं,वर्तमान नीतियों और परिणामों से देना होगा।साथ ही विपक्ष को भी यह समझना होगा कि हर राजनीतिक मतभेद को आपातकाल बताना लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है।जनता केवल आलोचना नहीं,विकल्प भी चाहती है।लोकतंत्र भय और आरोपों से नहीं,बल्कि विश्वास और विकल्पों से मजबूत होता है।डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने संविधान सभा में चेतावनी दी थी कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो,यदि उसे चलाने वाले लोग अच्छे नहीं होंगे तो वह अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा।यह चेतावनी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।जितनी संविधान निर्माण के समय थी।भारत का संविधान किसी दल,नेता या सरकार का दस्तावेज नहीं है।यह देश के नागरिकों का लोकतांत्रिक संकल्प है।सरकारें आती हैं,सरकारें जाती हैं; दल बनते हैं,दल टूटते हैं; नारे बदलते हैं,राजनीतिक समीकरण बदलते हैं,लेकिन संविधान और लोकतंत्र की मूल भावना स्थायी रहती है।इतिहास हमें भयभीत करने के लिए नहीं,बल्कि सावधान करने के लिए होता है। 1975 का आपातकाल हमें यह सिखाता है कि लोकतंत्र कभी भी स्वतः सुरक्षित नहीं रहता।उसे निरंतर संरक्षित करना पड़ता है। वहीं वर्तमान समय हमें यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र की मजबूती केवल अतीत की गलतियों को गिनाने से नहीं,बल्कि वर्तमान की चुनौतियों का ईमानदारी से सामना करने से आती है।भारत की लोकतांत्रिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि यह नहीं है कि यहाँ सरकारें बनती हैं,बल्कि यह है कि यहाँ जनता सरकारों का मूल्यांकन करने,उनसे प्रश्न पूछने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का अधिकार रखती है।यही लोकतंत्र की आत्मा है,यही संविधान की शक्ति है।

संपादकीय

सुखपुरी के सुख-दुख

आज स्मार्टफोन के बच्चों व किशोरों पर पड़ने वाले घातक प्रभावों से पूरी वैश्विक बिरादरी फिक्रमंद है। लाइलाज मर्ज बनती इस लत के खिलाफ परंपरागत समाजों व विकासशील देश ही नहीं, बल्कि आस्ट्रेलिया, फ्रांस,ब्रिटेन आदि विकसित देशों में भी एक उम्र के बाद ही स्मार्ट फोन के इस्तेमाल करने के लिए कानून बन रहे हैं। सोशल मीडिया के जनक अमेरिका में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ अदालतों में मोटे मुआवजे वसूले गए हैं। इसी बीच हरियाणा के नूंह जिले के सुखपुरी गांव में एक अभिनव पहल हुई है। यूं तो स्मार्टफोन आज आवश्यक बुराई बनते जा रहे हैं, लेकिन सुखपुरी के दुख अलग हैं। गांव की पहचान साइबर क्राइम के हब के रूप में होने लगी है। आये दिन गांव में पुलिस की दस्तक से उन्हें बदनामी महसूस होती है। उनका कहना है कि इस गांव के कुछ युवाओं के साइबर क्राइम में शामिल होने के आरोपों के चलते बाहरी ग्रामीण गांव में रिश्ते करने से कतरा रहे हैं। गांव में पंचायत प्रतिनिधियों ने अधिकारियों के सामने 55 मोबाइल हैंडसेट पटककर तोड़ दिए। उनका मकसद गांव को साइबर क्राइम हब के दाग से मुक्त कराना था। ग्रामीणों ने जरूरत के लिये बेसिक फोन इस्तेमाल करने का फैसला लिया है। बताते हैं कि नूंह क्षेत्र के 57 गांवों के लोगों ने भी ऐसी पहल करने का निर्णय लिया है। वहीं दूसरी ओर युवा पीढ़ी में बड़े-बुजुर्गों के फैसले के खिलाफ गुस्सा है। उनका मानना है कि इस फैसले से उनकी आर्थिक प्रगति बाधित होगी। कई लोग ऐसे हैं जिनकी कमाई पूरी तरह डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भर है। उनकी दलील है कि महज कुछ लोगों की गलती की सजा पूरी पीढ़ी को नहीं दी जा सकती। वे ऑनलाइन पढ़ाई व स्कॉलरशिप पोर्टल से कट जाएंगे। वहीं यूपीआई पेमेंट समेत ऑनलाइन भुगतान के तौर-तरीके बाधित होंगे। लेकिन सुखपुरी के लोगों के गांव का नाम साइबर क्राइम से जुड़ने के दुख को भी समझने की जरूरत है। सही मायने में आज जरूरत एक बीच का रास्ता तलाशने की है। ताकि साइबर क्राइम में युवाओं के लिप्त होने से गांव की बदनामी भी न हो, और डिजिटल गतिविधियां भी चलती रहें। निस्संदेह, तकनीक को धोखा देने और गैर-कानूनी फायदा उठाने का जरिया नहीं बनने दिया जाना चाहिए। नियामक एजेंसियों को सामुदायिक नेताओं की मदद से ऐसे लोगों पर अंकुश लगाना चाहिए, जो अक्सर साइब्रर फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन और ऑनलाइन स्कैम में लिप्त रहते हैं। वाकई आज स्मॉर्ट फोन दुधारी तलवार बन गए हैं। ऐसा जिन्न, जिसमें अच्छाई भी है और बुराई भी। जिसकी वजह से तुरंत पैसा कमाने के फेर में युवा साइबर अपराधों में लिप्त हो जाते हैं। सवाल केवल साइबर अपराधों का ही नहीं है, सोशल मीडिया के कई प्लेटफॉर्मों में अश्लील सामग्री का बोलबाला है। जिससे किशोर व युवा पथभ्रष्ट हो रहे हैं। कई तरह की भाषाई विकृतियां सामने आ रही हैं। समय व पैसा बचाने के लिये शादियों के कार्ड व्हाट्स ऐप के जरिये भेजने का प्रचलन तो बढ़ा है, लेकिन इससे विवाह समारोह के आमंत्रण की गरिमा व प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। ये स्पष्ट है कि आज स्मॉर्ट फोन सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं हैं, बल्कि ये शिक्षा, बैंकिंग,सरकारी सेवाओं, रोजगार के मौके तलाशने व वीडियो कॉलिंग का जरिया भी हैं। ऐसे समय में, जब गांवों में सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिये डिजिटल कनेक्टिविटी अपरिहार्य है, स्मार्टफोनों के उपयोग से युवाओं को पूरी तरह से वंचित नहीं किया जा सकता। डिजिटल दौर में उन युवाओं के भी अलग-थलग पड़ने की आशंकाएं हैं, जिनका भविष्य बचाने के लिये यह पहल की जा रही है।

परंपराएं: ईश्वर की रचना या इंसान की व्यवस्था ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमारे समाज में सदियों से एक वाक्य सुनने को मिलता है– यह तो हमारी परंपरा है, ऐसा ही करना पड़ेगा... यह तो भगवान का बनाया हुआ नियम है। लेकिन अगर हम जरा विवेकबुद्धि और तर्क की कसौटी पर कसकर देखें, तो सच्चाई कुछ अलग ही नजर आएगी। सच तो यह है कि कोई भी परंपरा भगवान ने नहीं बनाई है; सभी परंपराएं इंसान ने अपनी सुविधा, डर, सत्ता और सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार अपने-अपने तरीके से बनाई हैं। भगवान के बनाए प्रकृति के नियम–जैसे कि दिन-रात का होना, सूरज का उगना, ऋतुओं का बदलना या जन्म-मरण–कभी नहीं बदलते, वे अटल हैं। लेकिन इंसान की बनाई परंपराएं समय और जरूरत के साथ बदलती रहती हैं। जो प्रथा अतीत में उपयोगी थी, वह वर्तमान में कुप्रथा या कुरीति भी बन सकती है।

'मेंटल कंडीशनिंग' और समाज का डर

बचपन से ही हमारे दिमाग के कोरे कागज पर समाज कुछ खास लकीरें खींच देता है और एक पैटर्न फिट कर देता है कि यह ऐसा ही होता है... ऐसा ही किया जाता है। विज्ञान की भाषा में इसे 'मेंटल कंडीशनिंग' कहा जाता है। जब कोई रिवाज पीढ़ियों तक लगातार चलता रहता है, तब इंसान अपनी विवेकबुद्धि और तर्क को ताक पर रख देता है। अंधानुकरण करने वाला वर्ग कभी भी परिवर्तन को स्वीकार नहीं कर पाता। जब भी कोई व्यक्ति इस पैटर्न को तोड़कर कुछ नया करने या वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखने का प्रयास करता है, तब पूरा समाज उसे 'परंपरा विरोधी' बताकर उसका विरोध करने खड़ा हो जाता है। समाज परिवर्तन से डरता है, क्योंकि पुरानी लीक में लोगों को एक तरह की सस्ती सुरक्षा का अहसास होता है। एक समय था जब सती प्रथा, बाल विवाह या विधवा विवाह पर प्रतिबंध को भी लोग 'भगवान की इच्छा' और 'परंपरा' मानते थे। लेकिन जब राजा राममोहन राय, सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिराव फुले जैसे क्रांतिकारियों ने इस ढर्रे को तोड़ा, तभी समाज चैन की सांस ले सका।

दिखावा और प्रतिष्ठा की झूठी भूख

आज हम एक बहुत बड़ी सामाजिक और मानसिक बीमारी से जूझ रहे हैं, जिसका नाम है दिखावा और प्रतिष्ठा की झूठी भूख। जो रिवाज कभी प्रेम, मिलन और आपसी सहयोग के लिए बने थे, आज वे इंसान को आर्थिक रूप से जीते-जी मार डालने वाले हथियार बन चुके हैं। शादी, ज़ियाणा (गोद भराई), श्रीमंत या मामेरा (मायरा) जैसे कई रिवाजों में आज अंधाधुंध पैसा बहाया जा रहा है। कर्ज लेकर भी नाम रखने की मजबूरी: पैसे की व्यवस्था न होने पर भी, सिर्फ इस काल्पनिक डर से कि 'लोग क्या कहेंगे? ' या 'नाक कट जाएगी ', इंसान ब्याज पर पैसे लाता है या संपत्ति गिरवी रखकर लाखों का धुआं कर देता है और जिंदगी भर कर्ज के पहाड़ के नीचे दबा रहता है। आज मामेरा या श्रीमंत प्रेम का उत्सव नहीं रहे, बल्कि एक 'बिजनेस डील' बन गए हैं। किसने कितना सोना दिया या कितने लाख की नकदी दी, इससे रिश्तों का वजन तय होता है। जिस भाई की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, वह अपनी बहन के घर किसी उत्सव में जाने से भी संकोच और डर महसूस करता है।

वैश्विक विविधता: परंपराओं का असली सच

हमें जो नियम 'सनातन' या शाश्वत लगते हैं, वे दुनिया के दूसरे कोने में बिल्कुल उलटे होते हैं। इसी से साबित होता है कि परंपराएं इंसान ने अपनी भौगोलिक और सामाजिक सुविधा के अनुसार तय की हैं। इंसान के बनाए सामाजिक नियमों का हर कोई कड़ाई से पालन करे, इसीलिए उन्हें भगवान, धर्म या पाप-पुण्य से जोड़ दिया गया। क्योंकि इंसान कानून से भले न डरे, लेकिन ईश्वर और परलोक के भय से नियम जरूर मानता है।

चीन की मोसुओ जनजाति: यहाँ पूरी तरह से मातृसत्तात्मक समाज है। शादी के बाद लड़की ससुराल नहीं जाती, बल्कि पुरुष रात में स्त्री के घर आता है और सुबह अपने घर लौट जाता है (इसे 'वॉकिंग मैरेज' कहते हैं)। घर की मुखिया और संपत्ति की असली वारिस भी बेटी ही बनती है।

मेघालय की 'खासी' जनजाति (भारत): हमारे ही देश के इस समुदाय में विरासत परिवार की सबसे छोटी बेटी को मिलती है, पुरुष ससुराल जाता है और बच्चों को मां का उपनाम (सरनेम) मिलता है। वंश चलाने के लिए बेटी का होना अनिवार्य माना जाता है।

अफ्रीका की 'वौदाबे' जनजाति: यहाँ पुरुष महिलाओं को रिझाने के लिए घंटों चेहरे पर अनोखा मेकअप करते हैं, आंखों में काजल लगाते हैं और सुंदर कपड़े पहनकर नृत्य करते हैं, जहाँ महिलाएं जज बनकर अपने लिए वर चुनती हैं।

लीक तोड़ने का साहस

इस संदर्भ में एक प्रसिद्ध उक्ति याद आती है:* 'लीक लीक गाड़ी चले, लीकही चले कपूत,लीक छाड़ी तीनों चले–शायर, सिंह, सपूत।' (अर्थातः जो पुरानी घिसी-पिटी लीक है, उस पर तो कायर या कपूत चलते हैं। सिंह, सच्चा सपूत और कवि/विचारक हमेशा अपना नया रास्ता खुद बनाते हैं। जब तक समाज में इस ढर्रे को तोड़ने वाले साहसी लोग पैदा नहीं होंगे, तब तक समाज का विकास संभव ही नहीं है। इस पैटर्न को तोड़ने के लिए बहुत बड़े साहस और स्पष्ट वैचारिक शक्ति की आवश्यकता होती है। परंपराएं समाज को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक 'मार्गदर्शिका' हैं, कोई 'बेड़ी' या बंधन नहीं। अगर कोई परंपरा इंसान के विकास में बाधा बनती है, तो उसे बदलना भी इंसान के ही हाथ में है। दूसरों के दिमाग में अपनी झूठी प्रतिष्ठा खड़ी करने के लिए, अपने ही घर का आर्थिक दिवाला निकाल देना ही आज के समय का सबसे बड़ा 'अंधानुकरण' है। बेटी की शादी पर उतना ही खर्च करें कि विदाई के बाद चेहरे पर बेटी की जुदाई के आंसू हों, कर्जदार होने के नहीं। परंपराएं हमारे लिए हैं, हम परंपराओं के लिए नहीं हैं। जो रीति-रिवाज किसी व्यक्ति के स्वाभिमान को ठेस पहुँचाता हो, किसी के विकास को रोकता हो, आर्थिक कर्ज में डुबोता हो या समाज में असमानता फैलाता हो, उसे बदलने या तोड़ने का पूरा अधिकार हमारे पास है। अंधानुकरण को रोकने के लिए शिक्षा और वैज्ञानिक जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। जागरूक बनना, सवाल पूछना और दिमाग के पुराने ढर्रे से बाहर निकलकर खुले आसमान में उड़ना ही सच्ची मानवता और सच्ची प्रगति है।

– दर्शना पटेल(स्पोर्ट्स टीचर)
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)

उपलेटा नगर पालिका ने वार्ड नंबर 1 में 6 करोड़ रुपये की लागत से सड़क के काम का शिलान्यास किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उपलेटा। वार्ड नंबर 1 के 108 युवा सुधारकों अजयभाई जगाणी, अश्विनभाई लदानी, जगदीशभाई वीरमगामा और विजयभाई सोलंकी ने सड़क के मुद्दे पर नगर की कार्यकारी महिला अध्यक्ष वर्षाबेन गजेरा को एक ज्ञापन दिया था। इस ज्ञापन पर विचार करते हुए, 6 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सड़क के कामों को तुरंत मंजूरी दी गई, जिसमें आज शारदाबेन लदानी रोड पर शिवालिक पार्क की CC रोड का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर शहर BJP अध्यक्ष दीपकभाई सुवा, मनोजभाई नंदनिया, निमितभाई पंसारा और अन्य युवाओं सहित बड़ी संख्या में भाई-बहन मौजूद थे।

एमएलए वसावा को एक और झटका, भरूच कोर्ट में पेश होने का आदेश

29 जुलाई को रखेंगे अपना पक्ष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। डेडियापाड़ा से आम आदमी पार्टी के एमएलए चैतर वसावा के खिलाफ कानूनी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। फॉरेस्ट वर्कर्स पर हमले के एक मामले में 7 साल की जेल की सजा के तहत जेल गए एमएलए को अब पुलिस सिस्टम को बदनाम करने के एक और मामले में एक और कानूनी चुनौती का सामना करना पड़ा है। गुजरात पुलिस के खिलाफ विवादित कमेंट करने के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए भरूच कोर्ट ने चैतर वसावा को 29 जुलाई को कोर्ट में खुद पेश होने का साफ आदेश दिया है। यह पूरा विवाद जुलाई 2024 का है, जब एमएलए चैतर वसावा ने एक पब्लिक प्लेटफॉर्म से गुजरात पुलिस के बारे में गंभीर और विवादित बयान दिए थे। प्रॉसिक्यूशन के अनुसार, वसावा द्वारा किए गए कमेंट पूरी तरह से बेबुनियाद थे और इससे पूरे पुलिस सिस्टम की इज्जत और रेप्युटेशन को बहुत नुकसान हुआ। इस घटना के बाद, लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू की गई थी। एमएलए के आरोपों के बाद, उस समय के भरूच डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ ने एक ऑफिशियल रिपोर्ट तैयार की थी। इस इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट के आधार पर, चैतर वसावा के खिलाफ भरूच नामदार कोर्ट में एक फॉर्मल क्रिमिनल कंप्लेंट फाइल की गई थी। इस मामले में, कोर्ट ने जुर्म की गंभीरता को देखते हुए लीगल प्रोसेस को आगे बढ़ाया है। इससे पहले, भरूच कोर्ट ने चैतर वसावा को 23 जून को कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया था। हालांकि, एडमिनिस्ट्रेटिव कारणों से यह नोटिस ठीक से सर्व नहीं हो सका।

एक कॉल और रिटायर्ड महिला अधिकारी से ठग लिए 1.57 करोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां साइबर ठगों ने 'डिजिटल अरेस्ट' का भय दिखाकर एक 69 वर्षीय रिटायर्ड महिला अधिकारी से 1 करोड़ 57 लाख 90 हजार रुपये की ठगी कर ली. पीड़िता की पहचान मीनाक्षी नाखरे के रूप में हुई है. बताया जाता है कि आरोपियों ने खुद को CBI अधिकारी बताकर महिला को फोन किया और उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के एक कथित मामले में फंसाने की धमकी दी. ठगों ने महिला को डराकर विश्वास में लिया और कहा कि उनके खिलाफ गंभीर जांच चल रही है. ऐसे में यदि उन्होंने अधिकारियों के निर्देशों का पालन नहीं किया तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा. इसी डर का फायदा उठाते हुए साइबर अपराधियों ने उन्हें करीब 33 दिनों तक मानसिक दबाव में रखा. इस दौरान 10 मई से 23 जून तक महिला कथित रूप से 'डिजिटल अरेस्ट' की स्थिति में रहीं और लगातार ठगों के संपर्क में बनी रहीं. आरोपियों ने महिला से चार फिक्स्ड डिपॉजिट तुड़वाकर अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करवाए. पुलिस के मुताबिक करीब डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक की राशि चार राज्यों के 10 से ज्यादा शहरों में मौजूद विभिन्न खातों में भेजी गई. वहीं जब महिला को अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ, तब उन्होंने ग्वालियर क्राइम ब्रांच थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने साइबर ठगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस बैंक खातों के लेनदेन, मोबाइल नंबरों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है, ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके. ग्वालियर के सीएसपी मनीष यादव ने बताया कि साइबर अपराधियों ने CBI अधिकारी बनकर महिला को डरा-धमकाकर बड़ी रकम अपने खातों में ट्रांसफर कराई. मामले की जांच जारी है.

झूला पुल की कड़ी टूटा तो रास्ता किया गया बंद, देखें मंदिर जानें का नया मार्ग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। देश के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक, खंडवा के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल ओंकारेश्वर मे एक बड़ा हादसा समय से पहले टल गया। ओंकारश्वर मे श्रद्धालुओं के आवागमन और दर्शन का प्रमुख मार्ग माना जाने वाला 'झूला पुल' अचानक क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल की एक मुख्य कड़ी टूटने के कारण प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया है। किसी भी संभावित बड़े हादसे को टालने के लिए प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाते हुए तत्काल प्रभाव से झूला पुल से दर्शन व्यवस्था को रोक दिया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने एसडीएम और स्थानीय अधिकारियों के साथ आपातकालीन चर्चा की। इसके बाद तत्काल प्रभाव से झूला पुल के प्रवेश मार्ग पर ताला लगा दिया गया है। पुल के दोनों ओर सुरक्षाकर्मियों और विशेष अमले की ड्यूटी तैनात की गई है ताकि कोई भी श्रद्धालु अनजाने में या जबरन इस मार्ग से न गुजरे। रोजाना लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया है। ओंकारेश्वर में झूला पुल बंद होने के कारण देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को अब पुराने पुल के रास्ते से मंदिर में प्रवेश दिया जा रहा है। सबसे ज्यादा असर शीघ्र दर्शन (वीआईपी दर्शन) करने वाले श्रद्धालुओं पर पड़ा है, क्योंकि वे इसी झूला पुल का उपयोग करते थे। श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सूचनाः वीआईपी और शीघ्र दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को अब जेपी चौक से जाना होगा। भीड़ को नियंत्रित करने और सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने जेपी चौक पर रिस्टबैंड वितरित करने का विशेष प्रबंध किया है। इस पूरे मामले को लेकर खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने श्रद्धालुओं को ढाढस बंधाया है। उन्होंने कहा कि झूला पुल के मेंटेनेंस और तकनीकी गड़बड़ी को दुरुस्त करने के लिए संबंधित इंजीनियरों को तुरंत सूचना दे दी गई है। इंजीनियरों की टीम जल्द ही मौके पर पहुंचकर मरम्मत का काम शुरू करेगी। कलेक्टर के अनुसार, आगामी एक से दो दिनों के भीतर मरम्मत कार्य पूरा कर इस पुल से आवागमन को दोबारा बहाल कर दिया जाएग.

'चांदी की 200 ईंटें राम मंदिर निर्माण के लिए दान दी लेकिन कोई रसीद नहीं मिला', सिंधी समाज ने मांगा हिसाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। आयोध्या राम मंदिर में दिए गए दान में कथित गड़बड़ियों की खबरों का बीच सिंधी समुदाय का एक प्रमुख संगठन सामने आया है। इसके सदस्य भोपाल शहर में भी बड़ी संख्या में हैं। विश्व सिंधी सेवा संगम नाम की संगठन उन 200 चांदी की ईंटों के बारे में जानकारी मांगी है, जिसे 2021 में मंदिर निर्माण के लिए दान की थी। संगठन ने मांग की है कि उसका उपयोग कहां किया गया है। विश्व सिंधी सेवा संगम ने कहा कि हमने चांदी की ईंटें दान करने के लिए देश और विदेशों में बसे सिंधी समुदाय के लोगों से चंदा एकत्रित किया था। उस समय 200 ईंटें की कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए थी। आज की तारीख में उसकी कीमत पांच करोड़ रुपए हैं। संगठन ने कहा कि चांदी की ईंटें राम मंदिर के ट्रस्टी चंपत राय को सौंपी गई थीं लेकिन इसके लिए कोई आधिकारिक रसीद नहीं है। जब हमने समुदाय के सदस्यों के बीच संदेश फैलाया तो बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला और लगभग 200 किलो चांदी के बारे में योगदान मिला। राजू मनवानी, अध्यक्ष विश्व सिंधी सेवा संगम उन्होंने कहा कि हम दिल्ली में चंपत राय से उनके घर पर मिले और बाद में अयोध्या में औपचारिक रूप से सौंपने के लिए तारीख तय की गई। राजू मनवानी ने बताया कि दान समारोह राम मंदिर परिसर के अंदर एक हॉल में हुआ था, जहां विश्व सिंधी सेवा संगम के सदस्यों ने लगभग 200 ईंटें सौंपी। राजू मनवानी ने कहा कि हर ईंट एक किलो की थी। उस पर हमारे पूजनीय देवता साईं झूलेलाल की तस्वीरें उकेरी गई थी। इस कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियो भी रिकॉर्ड किए गए हैं। मंदिर ट्रस्ट की तरफ से बताया गया था कि चांदी की ईंटों की असलियत और क्वालिटी की जांच की जाएगी। बाद में हमें बताया जाएगा कि उनका इस्तेमाल कहां किया जाएगा। पिछले पांच-छह सालों में, न तो हमें कोई जानकारी मिली और न ही किसी ने हमारी कॉल्स का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमने दान पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ दिया था। इसलिए किसी ने कभी नहीं सोचा था कि इस बात पर सवाल उठेंगे कि हमारी चांदी का सही इस्तेमाल हुआ है। मीडिया में खबरें आने के बाद हम सोचने पर मजबूर हो गए। राजू मनवानी ने कहा कि क्या हमारी चांदी का भी गलत इस्तेमाल हुआ है। हम बस यह जानना चाहते हैं कि उस 200 किलो चांदी का क्या हुआ, जिसकी कीमत उस समय लगभग डेढ़ करोड़ रुपए थी। आज छह से सात करोड़ पहुंच गई। मनवानी ने कहा कि हम यह जानना चाहते हैं कि क्या चांदी को पिघलाकर राम मंदिर में इस्तेमाल किया गया या कहीं और। हम बस यही पूछ रहे हैं। उन्होंने एसआईटी जांच को लेकर कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि सच सामने आएगा। जो लोग किसी पवित्र संस्थान में बैठकर ऐसी हरकतें करते हैं, वे भक्तों की भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाते हैं। हमने कभी ऐसी उम्मीद नहीं की थी। सिंधी समुदाय के सदस्यों की मौजूदगी में चांदी दान की गई थी। चंपत राय और ट्रस्ट के दूसरे अधिकारी भी वहां मौजूद थे।

मोहन यादव पर लगे आरोपों पर CMO का जवाब, पद संभालने के बाद परिवार ने नहीं खरीदी जमीन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश की राजनीति में उज्जैन के एक जमीन सौदे को लेकर सियासत गरमा गई है. एक मीडिया रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके परिवार के लोगों ने सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने के लिए बड़े पैमाने पर जमीनें खरीदी हैं. इन दावों के सामने आते ही मुख्यमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को एक बड़ी सफाई जारी की. सरकार की तरफ से इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया गया है. बयान में साफ किया गया कि दिसंबर 2023 में पद संभालने के बाद से सीएम मोहन यादव या उनके परिवार के किसी भी सदस्य ने कोई नई जमीन नहीं खरीदी है. यहां तक कि उनकी पत्नी सीमा यादव के नाम पर भी इस दौरान कोई जमीन नहीं ली गई है. वहीं विपक्ष ने मामले को लेकर सवाल उठाए हैं और जांच की मांग की है. इस पूरे विवाद की शुरुआत इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के बाद हुई. रिपोर्ट में दावा किया गया कि दिसंबर 2023 में मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके परिवार से जुड़े लोगों और संबंधित रियल एस्टेट कंपनियों ने उज्जैन में 137 भूखंड खरीदे, जिनका कुल क्षेत्रफल करीब 168 एकड़ बताया गया है. इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत लगभग 45 करोड़ रुपये बताई गई. रिपोर्ट के मुताबिक, जमीनें उन इलाकों में खरीदी गई जहां भविष्य में सड़क परियोजनाएं, मास्टर प्लान के तहत भूमि उपयोग में बदलाव और 2028 के सिंहस्थ से जुड़े विकास कार्य प्रस्तावित हैं. दावा किया गया कि इन परियोजनाओं के चलते इन क्षेत्रों में जमीन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है.इन आरोपों के सामने आते ही विपक्षी दलों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तीखा हमला बोलते हुए इसे लूट की सरकार बताया. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कुर्सी की आपसी लड़ाई का नतीजा भी हो सकता है. कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के जज से कराने की मांग की. उन्होंने आरोप लगाया कि पद संभालने के बाद परिवार की जमीन अचानक काफी बढ़ गई है. वहीं, कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत और तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने भी इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा. दोनों नेताओं ने रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को गंभीर बताते हुए इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की और पूरे मामले को बड़े घोटाले से जुड़ा मुद्दा बताया. इस बड़े विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का एक अलग ही बयान सामने आया. उन्होंने इस पूरे मामले को पार्टी के अंदर की ही एक बड़ी साजिश बताया. पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह मोहन यादव को पद से हटाने का एक बहाना ढूंढा जा रहा है. वे पहले भी रियल एस्टेट के काम से जुड़े रहे हैं, इसलिए इसमें कुछ भी नया नहीं है.

यूपी बीजेपी में बड़े बदलाव की संभावना, बड़े गुर्जर नेता को मिल सकती पश्चिम उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी

भारतीय जनता पार्टी की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाना शुरू कर दिया गया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस क्रम में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी रणनीति को धार देना शुरू किया है। माना जा रहा है कि पार्टी और संगठन में विधानसभा चुनाव से पहले बड़े बदलाव हो सकते हैं। सरकार के स्तर पर पहले ही नए मंत्रियों को शामिल कर भारतीय जनता पार्टी ने जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने की कोशिश की है। वहीं, अब पश्चिमी यूपी के रण को साधने की तैयारी चल रही है। इस क्रम में भारतीय जनता पार्टी ने गुर्जर वोट बैंक पर अपनी नजर गड़ाई है। पार्टी और संगठन में बदलाव में यूपी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की छाप दिख सकती है। दरअसल, यूपी में अखिलेश यादव पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स के जरिए गुर्जर वोट बैंक को अपने पाले में लाने के प्रयास में दिखे हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान जाट वोट बैंक में उन्होंने सेंधवरी की थी। करीब एक दशक से जाट वोट बैंक भारतीय जनता पार्टी के साथ दिखा था। अब भारतीय जनता पार्टी पश्चिमी यूपी में अपनी रणनीति को साधने की कोशिश में इन दोनों वर्गों को संतुष्ट करती दिख सकती है। ऐसे में पश्चिमी यूपी की जिम्मेदारी किसी बड़े गुर्जर नेता को सौंपी जा सकती है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी अभी केंद्र में राज्य मंत्री की भूमिका भी निभा रहे हैं। ऐसे में उनका दिल्ली और लखनऊ लगातार आना-जाना लगा रहता है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 भारतीय जनता पार्टी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इस स्थिति में प्रदेश अध्यक्ष को पूरी तरह से लखनऊ में बैठाए जाने की तैयारी है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इसके बाद से मोदी कैबिनेट में बदलाव की सुगबुगाहट तेज हुई है। माना जा रहा है कि एक से अधिक पदों पर कार्यरत नेताओं को 'वन मैन वन पोस्ट' के आधार पर एक ही पद पर रखा सकता है। ऐसे में पंकज चौधरी दिल्ली से लखनऊ भेजे जा सकते हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री का पद समाप्त होने के बाद वह पूरी तरह से लखनऊ में बैठेंगे। इसके बाद माना जा रहा है कि प्रदेश भाजपा में उनकी छाप पूरी तरह दिखनी शुरू होगी। संगठन में पश्चिम से लेकर पूर्वांचल तक अहम बदलाव कर सकती है। इसको लेकर पहले से ही रणनीति तैयार है। पुराने कार्यकर्ताओं की लिस्ट तैयार की गई है। पार्टी की कोशिश 2017 के विधानसभा चुनाव जैसी जीत हासिल करने की है। इसको लेकर जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, जातीय समीकरणों को मजबूत करने और विपक्ष के रणनीति का उन्हीं के अंदाज में जवाब देने का दौर शुरू होने की उम्मीद की जा रही है।

'जो गाली देगा, लात खाएगा'; बुजुर्ग महिला की परेशानी सुनते ही भड़के, कौन हैं BJP MLA रत्नाकर मिश्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा के गुस्से का मामला सामने आया है। दरअसल, रत्नाकर मिश्रा इलाके के भ्रमण पर थे। इसी दौरान एक महिला ने अपनी शिकायत उनसे की। छानबे क्षेत्र की रहने वाली बुजुर्ग महिला ने विधायक से कार्रवाई की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि विधायक जी, हमारी शिकायत नहीं सुनी जा रही है। नाली और पानी निकासी को लेकर कुछ लोग मुझे गाली दे रहे हैं। इस पर विधायक नाराज हो गए। उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि जो गाली देगा, वह लात खाएगा। अब यह मामला इलाके में खासी चर्चा में हैं। भाजपा नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है। इसमें वे एक बुजुर्ग महिला की शिकायत सुनते दिखते हैं। बुजुर्ग महिला के नाली एवं पानी निकासी को लेकर कुछ लोगों के गाली देने की शिकायत पर वह भड़क गए। नाराज विधायक ने कहा किजो गाली देगा, वह लात खाएगा। आप को कोई गाली कैसे दे सकता है। उन्होंने कहा कि कोई किसी को गाली नहीं दे सकता। इसके बाद विधायक रत्नाकर मिश्रा ने बीडीओ को फोन कर महिला की समस्या का समाधान करने को कहा। उन्होंने महिला की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि यह सब नहीं चलेगा। महिला का कार्य जल्द से जल्द होना चाहिए। थानेदार और संबंधित अधिकारी बुजुर्ग महिला की शिकायत को तुरंत दूर करें। रत्नाकर मिश्रा, नगर विधायक, मिर्जापुररत्नाकर मिश्रा मिर्जापुर नगर विधानसभा सीट से दूसरी बार विधायक चुने गए हैं। वह विंध्याचल के प्रसिद्ध माता विंध्यवासिनी मंदिर के मुख्य तीर्थ पुरोहितों में से एक हैं।

डीएम कार्यालय कूच कर रहे किसानों को सीओ सुचिता सिंह ने रोका,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तरप्रदेश के मेरठ में किसानों और पुलिस के बीच सोमवार को उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब किसानों को जिलाधिकारी कार्यालय जाने से रोक दिया गया। किसानों को समझाने पहुंची सीओ शुचिता सिंह और किसानों के बीच रास्ते को बाधित करने को लेकर तीखी नोंकझोंक भी हुई। सीओ ने किसानों को रास्ता न बाधित करने और शांतिपूर्ण तरीके से जाने को कहा। इस पर किसान नाराज हो गए। एसपी सिटी के हस्तक्षेप पर मामला शांत हुआ और किसानों ने ज्ञापन सौंपकर धरना समाप्त कर दिया। सीओ और किसानों के बीच हुए संवाद का वीडियो सामने आया है। मेरठ मे भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के कार्यकर्ता 11 सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम से मिलने निकले। किसान नेताओं ने विरोध स्वरूप कमिश्नरी चौराहे पर धरना शुरू कर दिया और ट्रैक्टर खड़े कर तीन दिशाओं से रास्ता अवरुद्ध कर दिया। इस दौरान कई घंटों तक प्रदर्शन चला। किसानों का कहना था कि वे खाद, कृषि, बिजली, सिंचाई, भूमि विवाद समेत विभिन्न समस्याओं से संबंधित 11 मांगों को जिलाधिकारी के समक्ष रखना चाहते थे। पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में ही रोक दिया और आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। पुलिस प्रशासन की रोक से नाराज किसानों ने कमिश्नरी चौराहे पर ही पुलिस ओर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए किसानों ने अपने ट्रैक्टर सड़क पर खड़े कर दिए, जिससे चौराहे के तीन ओर का यातायात प्रभावित हो गया। इसके बाद किसान सड़क पर दरी बिछाकर धरने पर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि उनकी समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। किसानों द्वारा दिए जा रहे धरने के कारण कमिश्नरी चौराहे पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होने लगी। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान सीओ सिविल लाइन शुचिता सिंह ने किसानों को कहा कि आप रास्ता नहीं बाधित कर सकते। उन्होंने किसानों से शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने को कहा। इसके बाद सीओ ने ट्रैक्टर हटाने के निर्देश दिए और क्रेन बुलाने की तैयारी शुरू कर दी। जिसको लेकर किसानों ने चेतावनी दी कि यदि किसी ट्रैक्टर को जबरन हटाने का प्रयास किया गया तो बड़ा आंदोलन खड़ा हो जाएगा,प्रशासन की होगी।

कोड़े से पिटाई, पिटबुल कुत्तों का पहरा... यूपी में 2 साल से कैद थे 13 मजदूर!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में श्रम विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने सोमवार को एक बड़ी छापेमारी की है. टीम ने एक झोला बनाने वाली फैक्ट्री में चल रहे बंधुआ मजदूरी के बड़े खेल का भंडाफोड़ किया है. इस रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान फैक्ट्री की ऊंची दीवारों के पीछे बंधक बनाकर रखे गए 13 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है. ये मजदूर पिछले करीब दो साल से वहां कैद थे और नरक से बद्तर जिंदगी जी रहे थे. इस मामले का खुलासा तब हुआ जब एक मजदूर किसी तरह फैक्ट्री की सुरक्षा को चकमा देकर भाग निकला. उसने स्थानीय पुलिस स्टेशन पहुंचकर अधिकारियों को सारा माजरा सुनाया. इसके बाद ही पुलिस ने फैक्ट्री पर छापा मारा. फैक्ट्री की कैद से छूटे इन मजदूरों ने मालिकों पर गंभीर आरोप लगाए हैं. मजदूरों ने बताया कि उन्हें अच्छे काम और मोटी तनख्वाह का लालच देकर यहां लाया गया था. लेकिन फैक्ट्री पहुंचते ही उनके मोबाइल फोन और आधार कार्ड छीन लिए गए. मजदूरों ने बताया कि उन्हें उनके परिवारों से पूरी तरह काट दिया गया ताकि वो किसी से संपर्क न कर सकें. मजदूरों को भागने से रोकने के लिए फैक्ट्री परिसर में दो खूंखार पिटबुल कुत्ते भी पाले गए थे, जिन्हें देखकर मजदूर हमेशा डरे रहते थे. पीड़ित मजदूरों के मुताबिक, उन्हें पैसे नहीं दिए जाते थे और खाने के नाम पर बहुत कम खाना दिया जाता था. उन्हें हर 24 घंटे में सिर्फ एक बार सूखी रोटी दी जाती थी. अगर कोई मजदूर इसका विरोध करता या वहां से भागने की कोशिश करता, तो उसे लाठियों-कोड़े से बेरहमी से पीटा जाता था. कई मजदूरों के शरीर पर मारपीट के गहरे निशान भी मौजूद हैं. पुलिस ने मौके से मारपीट में इस्तेमाल होने वाली लाठियां और दूसरी चीजें बरामद कर ली हैं. रेस्क्यू किए गए मजदूरों की पहचान रामू, विक्रम, नारायण, सीताराम, संतोष, शिवम जाटव, जगदीश, राजहंस, साहिल, रंजीत पासवान, दिलशाद, उज्ज्वल और सोनू चौहान के रूप में हुई है. ये मजदूर हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, झारखंड, बिहार, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों और पड़ोसी देश नेपाल से लाए गए थे. इस मामले में पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों, शिवम त्यागी और प्रदीप बालियान को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या लंबे समय तक बंधक रहने के कारण कुछ मजदूरों की वहां मौत भी हुई थी. रेस्क्यू के बाद सभी मजदूरों का मेडिकल कराया गया. प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया और उन्हें घर भेजने के पुख्ता इंतजाम किए और अब मामले की आगे की जांच की जा रही है.

कमिश्नर का बड़ा एक्शन, अस्पतालों में फायर सिस्टम निकला 'शोपीस', अफसरों की खुली पोल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। अलीगंज स्थित कोचिंग संस्थान में हुए दर्दनाक अग्निकांड ने सभी को झकझोर दिया है. इस हादसे के बाद शासन स्तर पर सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर सख्ती बढ़ गई है. मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद प्रदेशभर में अस्पतालों, कोचिंग सेंटरों और भीड़भाड़ वाले संस्थानों की जांच शुरू हो चुकी है. इसी कड़ी में बांदा में जो तस्वीर सामने आई, उसने न सिर्फ अधिकारियों को हैरान किया बल्कि पूरे सिस्टम पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए. बुधवार को बांदा मंडल के कमिश्नर अजीत सिंह अचानक फील्ड में उतर गए. उनका उद्देश्य था यह देखना कि कागजों में दुरुस्त दिखाई जाने वाली फायर सेफ्टी व्यवस्था जमीन पर कितनी प्रभावी है. लेकिन निरीक्षण के दौरान जो दृश्य सामने आया, उसने कई विभागों की कार्यप्रणाली की पोल खोल दी. कमिश्नर ने शहर के कई बड़े निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया. पहली नजर में सब कुछ व्यवस्थित दिखाई दिया. दीवारों पर अग्निशमन यंत्र टंगे हुए थे, सुरक्षा के बोर्ड भी लगे थे और रिकॉर्ड भी दुरुस्त दिखाए जा रहे थे. लेकिन जब इन उपकरणों की वास्तविक स्थिति जांची गई तो तस्वीर पूरी तरह बदल गई. कई अस्पतालों में अग्निशमन यंत्र एक्सपायर मिले. कुछ में गैस नहीं थी तो कुछ में पानी की व्यवस्था ही नहीं थी. कई उपकरण ऐसे मिले जो केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे और आपात स्थिति में उनका कोई उपयोग नहीं हो सकता था. निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने नाराजगी जताते हुए पूछा कि अगर किसी अस्पताल में आग लग जाए तो मरीजों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा? उनके इस सवाल पर मौके पर मौजूद अधिकारी जवाब देने की स्थिति में नहीं दिखाई दिए. निरीक्षण के दौरान सबसे बड़ा सवाल यह उठा कि जब उपकरण निष्क्रिय थे तो इन संस्थानों को फायर एनओसी कैसे मिल गई. कमिश्नर ने मुख्य अग्निशमन अधिकारी से जवाब मांगा और व्यवस्था पर कड़ी नाराजगी जताई. स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिले में बड़ी संख्या में निजी अस्पताल और कोचिंग संस्थान वर्षों से संचालित हो रहे हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा व्यवस्था की गंभीरता से जांच नहीं होती. कई बार निरीक्षण केवल कागजी औपचारिकता बनकर रह जाता है. कमिश्नर की कार्रवाई के बाद यह सवाल भी चर्चा में है कि आखिर नियमित निरीक्षण के बावजूद इतनी बड़ी कमियां कैसे नजरअंदाज होती रहीं. निरीक्षण के दौरान कमिश्नर अजीत सिंह ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन अस्पतालों में फायर सेफ्टी उपकरण निष्क्रिय पाए गए हैं, उन्हें 24 घंटे के भीतर पूरी तरह चालू किया जाए. उन्होंने कहा कि केवल उपकरण लगाना पर्याप्त नहीं है. उनका सक्रिय और उपयोग योग्य होना जरूरी है.

महाराष्ट्र में आईपीएस अफसरों का ट्रांसफर, विश्वास नांगरे पाटिल बने नागपुर के नए पुलिस कमिश्नर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के पुलिस प्रशासन में बड़े फेरबदल के तहत मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विश्वास नांगरे पाटिल को नागपुर का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया है। मौजूदा पुलिस कमिश्नर डॉ रवींद्र सिंगल का तबादला कर दिया गया है। उन्हें एंटी-करप्शन ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक के तौर पर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह वही पद है जिस पर पहले विश्वास नांगरे पाटिल तैनात थे।

1997 बैच के IPS अधिकारी हैं विश्वास नांगरे पाटिल

महाराष्ट्र कैडर के 1997 बैच के IPS अधिकारी विश्वास नांगरे पाटिल को राज्य के सबसे चर्चित और लोकप्रिय पुलिस अधिकारियों में से एक माना जाता है। उन्होंने अपने सख्त काम करने के तरीके, अपराध के खिलाफ आक्रामक रुख और तुरंत फैसले लेने की क्षमता से अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उम्मीद है कि उनकी नियुक्ति से नागपुर पुलिस बल को नेतृत्व की नई दिशा मिलेगी विश्वास नांगरे पाटिल को 'महाराष्ट्र के सिंघम' के तौर पर जाना जाता है। सिर्फ ऑफिस के काम तक सीमित रहने के बजाय फील्ड में उतरकर कार्रवाई करने के उनके अंदाज ने उन्हें लोगों के बीच लोकप्रिय बना दिया है। सोशल मीडिया पर उनके बहुत सारे फॉलोअर्स हैं और कई युवा उन्हें प्रेरणा मानते हैं। 2008 में मुंबई पर हुए 26/11 आतंकी हमलों के दौरान विश्वास नांगरे पाटिल की भूमिका ने काफी ध्यान खींचा था। उस समय दक्षिण मुंबई में तैनात रहते हुए उन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना बचाव और राहत कार्यों में हिस्सा लिया था। इस घटना के बाद उन्होंने पूरे राज्य में एक साहसी अधिकारी के तौर पर अपनी पहचान बनाई। इसके अलावा अलग-अलग जिलों में तैनाती के दौरान उन्होंने संगठित अपराध, जबरन वसूली, अवैध वसूली रैकेट और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ बड़े अभियानों का नेतृत्व किया। उन्होंने अवैध शराब के कारोबार, ड्रग तस्करी और अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की। उनकी लीडरशिप में किए गए कई ऑपरेशन अपराध को कंट्रोल करने में सफल रहे। नागपुर जैसे तेजी से बढ़ते महानगर के नए पुलिस कमिश्नर के तौर पर विश्वास नांगरे-पाटिल को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। मुख्य मुद्दों में शहर में बढ़ता ट्रैफिक जाम, सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध की बढ़ती घटनाएं, ड्रग नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई, महिलाओं की सुरक्षा और शहर के बढ़ते दायरे के बीच कानून-व्यवस्था बनाए रखना शामिल है। इसके अलावा, जैसे-जैसे नागपुर 'स्मार्ट सिटी' बनने की ओर बढ़ रहा है, वे टेक्नोलॉजी पर आधारित पुलिसिंग सिस्टम, आधुनिक सर्विलांस सिस्टम और डिजिटल अपराध से निपटने के लिए असरदार उपायों को लागू करने पर ध्यान देंगे। इस बीच उम्मीद है कि नांगरे-पाटिल की नियुक्ति से नागपुर पुलिस फोर्स में नई ऊर्जा आएगी। भरोसा है कि उनका अनुभव और मज़बूत प्रशासनिक शैली शहर में कानून-व्यवस्था को और मज़बूत करने में फायदेमंद साबित होगी। प्रशांत मोहिते, जो अभी छत्रपति संभाजीनगर शहर में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस के तौर पर काम कर रहे हैं, उन्हें नवी मुंबई का DCP नियुक्त किया गया है। हिंगोली के सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस नीलाभ रोहन का ट्रांसफर नांदेड़ के SP पद पर किया गया है। उन्हें निवी मुंबई में डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस के तौर पर काम कर रहीं रूपाली अंबुरे को महाराष्ट्र स्टेट सिक्योरिटी कॉरपोरेशन का सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस नियुक्त किया गया है।

दिल्ली में 5 ठिकानों पर छापेमारी, नाइट क्लबों से भी कनेक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मुंद्रा पोर्ट ड्रग इंपोर्ट मामले (3000 किलो ड्रग्स) मामले में बड़ा एक्शन लिया है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत चल रही जांच के सिलसिले में दिल्ली में हरप्रीत सिंह तलवार, शमशुद्दीन और उनके साथियों से जुड़े 5 ठिकानों पर छापेमारी की है। इन जगहों पर तलाशी जारी है। बताया जा रहा है कि ड्रग्स से कमाए गए पैसे को दिल्ली के नाइट क्लबों में लगाया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, हरप्रीत तलवार को पहले इसी मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने गिरफ्तार किया था और हाल ही में उन्हें जमानत पर रिहा किया गया था।

अफगानिस्ता से लाई गई थी हेरोइन

बता दें कि साल 2021 में गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से करीब 3000 किलो हेरोइन जब्त की गई थी। बताया गया था कि समुद्री रास्ते से यह हेरोइन अफगानिस्तान से लाई गई। एनआईए ने पहले दिल्ली के बिजनसमैन तलवार से पूछताछ की और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया था। भारी भरकम हेरोइन की खेप की डिलीवरी और खरीद में कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। रिपोर्टों में दावा किया गया था कि कबीर तलवार अफगान नागरिकों के जरिए ड्रग्स खरीद रहा था और दुबई के रास्ते पैसे भेज रहा था। रिफाइंड ड्रग्स को कथित तौर पर बिजनसमैन द्वारा सर्कुलेट किया जाता था और ड्रग्स का बाकी हिस्सा पंजाब भेजा जाता था। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के नेटवर्क में शामिल होने के आरोप में दिल्ली-एनसीआर के दो बिजनसमैन को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। इसमें से एक कबीर तलवार दिल्ली के सम्राट होटल में प्लेबॉय बार चलाता है।

दिल्ली दरिंदगी: फुटपाथ से सोती 10 साल की बच्ची को अगवा कर रेप-हत्या,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। एक फिर से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं. महरौली इलाके में एक 10 साल की बच्ची के साथ बहुत बड़ा अपराध हुआ है. सोमवार रात बच्ची अपने परिवार के साथ फुटपाथ पर सो रही थी. इसी दौरान एक नशे में डूबा हुआ ड्राइवर उसे जबरन उठा ले गया. कुछ घंटों बाद पुलिस ने तेजी से काम करते हुए आरोपी को पकड़ लिया. बाद में उसने भागने की कोशिश भी की. एनकाउंटर में फिर उसे पैर में गोली लगी. पूछताछ में पता चला कि आरोपी ने बच्ची के साथ रेप करने के बाद उसकी हत्या कर दी थी. यह खबर पूरी दिल्ली को हिला देने वाली है. सोमवार रात की बात है. एक 10 साल की बच्ची अपने माता पिता, दो बहनों और एक भाई के साथ दिल्ली के महरौली इलाके में सीडीआर चौक के पास फुटपाथ पर सो रही थी. यह परिवार वहीं फुटपाथ पर रहता था. उस समय वहां एक ड्राइवर आया जिसका नाम बबलू बताया जा रहा है. वो नशे में था और किसी सवारी का इंतजार कर रहा था. उसने देखा कि बच्ची अपने परिवार के साथ फुटपाथ पर सो रही है. इसके बाद उसने बच्ची को जबरन उठाया और अपनी गाड़ी में डालने की कोशिश की. इस दौरान बच्ची की नींद खुल गई और वो चिल्लाने लगी. उसका शोर सुनकर बच्ची का पिता गाड़ी के पीछे दौड़ा. लेकिन तब तक आरोपी बच्ची को लेकर गाड़ी से भाग चुका था. पिता ने तुरंत पुलिस को पीसीआर कॉल करके सूचना दी. कॉल मिलते ही महरौली पुलिस मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक करना शुरू किया. फुटेज में साफ दिख रहा था कि आरोपी बच्ची को उठा कर ले जा रहा है. लेकिन गाड़ी की सिर्फ परछाई दिख रही थी, गाड़ी का नंबर साफ नहीं था.

दिल्ली में बारिश से पहले NDMC का बड़ा फैसला, रोड की खुदाई को लेकर करेगी ये काम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ल। मानसून के दौरान सड़कों पर जलभराव, गड्ढों और ट्रैफिक जाम से लोगों को बचाने के लिए नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने बड़ा फैसला लिया है। NDMC क्षेत्र में 1 जुलाई से 30 सितंबर तक सड़कों की खुदाई यानी रोड कटिंग के कामों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। NDMC के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने साफ किया है कि मानसून के दौरान जनता की सुरक्षा और उनकी सहूलियत परिषद की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। भारी बारिश के समय पैदल चलने वालों की परेशानियों को कम करने, ट्रैफिक कंट्रोल करने और सुगम बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

रोड कटिंग पर पूरी तरह से लगी रोक

इस आदेश के तहत सभी संबंधित विभागों, एजेंसियों और ठेकेदारों को हिदायत दी गई है कि वे इन नियमों का सख्ती से पालन करें। नए नियमों के मुताबिक जिन जगहों पर पहले से खुदाई का काम चल रहा है, उन्हें मॉनसून शुरू होने से ठीक पहले हर हाल में पूरा करना होगा। काम खत्म करने के बाद एजेंसी की जिम्मेदारी होगी कि वह सड़क की सतह को पूरी तरह समतल और ठीक करे। इसके अलावा, जिन कामों के लिए पहले ही मंजूरी मिल चुकी थी, लेकिन अभी तक खुदाई शुरू नहीं हुई है, उन सभी मंजूरियों को इस प्रतिबंध की अवधि के दौरान रोक दिया जाएगा। NDMC का मानना है कि इस कदम से बारिश के दौरान सड़कों पर जलभराव और दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी। साथ ही, लोगों को ट्रैफिक जाम और खराब सड़कों की समस्या से भी काफी हद तक राहत मिलेगी।

किसान टेंशन ना लें, जुलाई में भारी बारिश की संभावना, महाराष्ट्र के 'वेंगा बाबा' पंजाबराव डख का अनुमान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र में किसान आमतौर पर जून में बुवाई का काम शुरू करते हैं। महाराष्ट्र में खरीफ फसल सीजन के लिए मॉनसून को बहुत अहम माना जाता है। हालांकि, इस बार जून में लगभग नहीं के बराबर बारिश हुई है। इससे किसानों में बुवाई के सही समय को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं मंगलवार को मॉनसून में राज्य में दस्तक दे दी है। इसके बावजूद भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 'अल नीनो' के चलते सूखे जैसे हालात की संभावना जताई है। ऐसे में राज्य के मशहूर मौसम विशेषज्ञ पंजाबराव डख का अनुमान किसानों के लिए उम्मीद और राहत की किरण लेकर आया है। हमारे सहयोगी महाराष्ट्र टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले हफ्ते पंजाबराव ने अनुमान लगाया था कि 21 जून के बाद महाराष्ट्र में मॉनसून की रफ्तार बढ़ेगी। इस अनुमान के मुताबिक, कोंकण क्षेत्र में रुका हुआ मॉनसून धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा। मॉनसून अब पुणे जिले में पहुंच चुका है और IMD का अनुमान है कि अगले 48 घंटों में यह पूरे राज्य में फैल जाएगा। फिर भी किसानों में उलझन बनी हुई है और वे पंजाबराव के ताजा

अनुमान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जून के मुकाबले जुलाई में ज्यादा बारिश

23 जून को पंजाबराव डख ने एक अपडेटेड अनुमान जारी किया। उनका अनुमान है कि 23 जून से 30 जून के बीच महाराष्ट्र के अलग-अलग हिस्सों में मॉनसून के पहुंचने की संभावना है। उन्होंने उम्मीद भी जताई कि राज्य भर के किसान बुवाई का काम शुरू कर पाएंगे। हालांकि जून में बारिश न होने से किसानों की चिंता बढ़ गई थी, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि जुलाई में बारिश जून के मुकाबले ज्यादा होगी।

महाराष्ट्र में कहां-कहां बारिश होगी?

उन्होंने जोर देकर कहा कि यह अनुमान किसानों के लिए बहुत अहम है। आने वाले दिनों में पूर्वी और पश्चिमी विदर्भ, दक्षिणी महाराष्ट्र, कोंकण तट, पश्चिमी महाराष्ट्र, खानदेश, मराठवाड़ा के साथ-साथ मुंबई, पुणे और नासिक जैसे इलाकों में बारिश तेज होगी। साथ ही उन्होंने अनुमान लगाया कि सभी किसान 5 जुलाई तक अपनी बुवाई का काम पूरा कर लेंगे। जुलाई में भारी बारिश का अनुमान अल नीनो के कारण राज्य में सूखे जैसे हालात बनने के डर के बावजूद उन्होंने अनुमान लगाया है कि ऐसा कोई सूखा नहीं पड़ेगा। उन्होंने किसानों के लिए एक अच्छी खबर भी साझा की। महाराष्ट्र में 2 जुलाई से 20 जुलाई के बीच भारी बारिश होने की उम्मीद है। जिन इलाकों में भारी बारिश हो सकती है, उनमें पुणे जिला, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन, कोंकण तट और उत्तरी महाराष्ट्र शामिल हैं। किसानों को ध्यान देना चाहिए कि इस दौरान जायकवाड़ी और कोयना बांधों में जल स्तर बढ़ने की उम्मीद है।

दिल्ली में आ रही हैं 'वीकेंड कोर्ट', ट्रैफिक चालानों से मिलेगी राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में लाखों लंबित ट्रैफिक चालानों से परेशान वाहन चालकों के लिए राहत भरी खबर है। अब लोगों को चालान निपटाने के लिए कामकाजी दिनों में कोर्ट के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। दिल्ली पुलिस ने घोषणा की है कि 5 जुलाई 2026 से राजधानी के सभी जिला अदालत परिसरों में ' वीकेंड कोर्ट ' शुरू किए जाएंगे। यह कदम उन लोगों को ध्यान में रखकर उठाया गया है जो नौकरी या अन्य कारणों से सप्ताह के दिनों में अदालत नहीं पहुंच पाते। दिल्ली में हजारों ट्रैफिक चालान और नोटिस लंबित हैं, जिन्हें तेजी से निपटाने के लिए यह नई व्यवस्था शुरू की जा रही है।

कब और कहां लगेंगी वीकेंड कोर्ट?

दिल्ली पुलिस के अनुसार, 5 जुलाई से सभी जिला अदालत परिसरों में हर रविवार और महीने के दूसरे शनिवार को वीकेंड कोर्ट संचालित होंगी। इन अदालतों का समय सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा।

किन चालानों का होगा निपटारा?

न अदालतों में केवल कंपाउंडेबल यानी ऐसे ट्रैफिक चालानों का निपटारा किया जाएगा, जिन्हें जुर्माना भरकर सुलझाया जा सकता है। गंभीर और गैर-कंपाउंडेबल मामलों की सुनवाई यहां नहीं होगी।

निजी और व्यावसायिक वाहन दोनों को सुविधा

यह सुविधा निजी और व्यावसायिक दोनों तरह के वाहन मालिकों के लिए उपलब्ध होगी। हालांकि, एक वाहन से जुड़े अधिकतम 20 चालानों को ही एक बार में वीकेंड कोर्ट में लिया जाएगा। दिल्ली पुलिस चालान डाउनलोड और निपटान प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था भी उपलब्ध करा रही है।

महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी उच्चारण को लेकर हंगामा! स्पीकर ने दी सफाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने बुधवार को मॉनसून सत्र के पहले दिन सदन में शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ शब्द गलत बोलने पर खेद जताया. नार्वेकर ने कहा कि यह अनजाने में हुई गलती तकनीकी दिक्कतों और भाषण की प्रिंटेड कॉपी साफ न होने की वजह से हुई थी, उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था. उन्होंने कहा, 'सोमवार को शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ तकनीकी दिक्कतों की वजह से मेरे द्वारा कुछ शब्द गलत बोले गए. मेरे पास मौजूद स्पीच की प्रिंटेड कॉपी साफ नहीं थी. जो कुछ भी हुआ, वह अनजाने में हुआ. स्पीकर ने कहा कि अगर इस घटना से किसी को बुरा लगा हो, तो उन्हें इसका खेद है. नार्वेकर ने कहा, 'अगर इससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं खेद प्रकट करता हूं. मेरा मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था. नार्वेकर ने कहा कि उन्हें मराठी भाषा पर भी उतना ही गर्व है. उन्होंने बताया कि

पहले भी उन्होंने मराठी में कई भाषण दिए हैं. स्पीकर की तरफ से यह स्पष्टीकरण तब आया, जब विधानसभा में मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोंसले, सुमन कल्याणपुर और पूर्व विधायकों के निधन पर शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ मराठी शब्दों के गलत उच्चारण को लेकर आलोचना हुई. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने मंगलवार को सदन में सिंगर आशा भोंसले के लिए शोक प्रस्ताव पढ़ते वक्त मराठी भाषा का 'गलत उच्चारण' करने के लिए नार्वेकर की कड़ी आलोचना की. एमएनएस प्रमुख ने कहा कि नार्वेकर ने मशहूर सिंगर-एक्टर दीनानाथ मंगेशकर (आशा भोसले के पिता) का नाम 'दीनदयाल मंगेशकर' लिया, फिर भी सदन में मौजूद किसी भी रूको इस पर आपत्ति नहीं हुई. उन्होंने फेसबुक पर एक तीखी पोस्ट में कहा कि यह आशा भोसले के लिए नहीं 'मराठी भाषा के लिए शोक प्रस्ताव' था. उन्होंने आगे कहा कि अगर नार्वेकर ने यह प्रस्ताव स्वाहिली या हिब्रू भाषा में दिया होता, तो भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनकी मराठी किसी को समझ ही नहीं आ रही थी. हिंदी सिनेमा की संगीत पर आठ दशकों से ज्यादा वक्त तक राज करने वालीं आशा भोसले (92) का 12 अप्रैल को मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया था. सदन ने पूर्व सदस्यों अनंतराव थोप्टे, विठ्ठलराव धोते, बलिराम कोटकर-पाटिल, कृष्णराव देशमुख, पाटल्या मावस्कर, वसंतराव सूर्यवंशी,शकुंतला शर्मा के निधन पर भी शोक व्यक्त किया.

LG तरनजीत सिंह संधू का 'जीरो वेस्ट कॉलोनी' सुपर मॉडल, दिल्लीवासियों को कूड़े के पहाड़ों से मिलेगी राहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने नवजीवन विहार की जीरो-वेस्ट कॉलोनी का निरीक्षण कर पूरे शहर में इस मॉडल को लागू करने का निर्देश दिया है. इस अनूठे मॉडल से स्थानीय स्तर पर ही कचरे का निपटारा कर गाजीपुर, भलस्वा और ओखला जैसे लैंडफिल साइट्स के कचरे के पहाड़ों को कम किया जाएगा. दिल्ली की पहचान आज सिर्फ देश की राजधानी के रूप में नहीं, बल्कि कचरे के पहाड़ों वाले शहर के रूप में भी होती जा रही है. गाजीपुर, भलस्वा और ओखला के लैंडफिल साइट्स लगातार बढ़ते कचरे के बोझ से जूझ रहे हैं. ऐसे समय में दक्षिण दिल्ली की एक कॉलोनी- नवजीवन विहार ने एक ऐसा मॉडल पेश किया है, जिसे दिल्ली सरकार और प्रशासन अब पूरे शहर में लागू करने की तैयारी कर रहे हैं. मंगलवार को दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने नवजीवन विहार का दौरा कर यहां संचालित 'जीरो-वेस्ट कॉलोनी' मॉडल का निरीक्षण किया. दौरे के बाद उन्होंने नगर निगम को निर्देश दिया कि इस मॉडल को राजधानी के अन्य इलाकों, विशेषकर अनधिकृत और निम्न आय वर्ग की कॉलोनियों में भी लागू करने की दिशा में काम किया जाए. दिल्ली हर दिन लगभग 11,862 टन ठोस कचरा पैदा करती है. हालांकि, इसका एक बड़ा हिस्सा प्रोसेस किया जाता है, लेकिन हजारों टन कचरा अब भी लैंडफिल साइट्स तक पहुंचता है. नतीजा ये है कि शहर के कूड़े के पहाड़ लगातार ऊंचे होते जा रहे हैं और पर्यावरणीय खतरा बढ़ता जा रहा है. विशेषज्ञों का मानना है कि केवल बड़े प्रोसेसिंग प्लांट्स के भरोसे इस समस्या का समाधान संभव नहीं है. कचरे का निपटान उसी स्थान पर करना जहां वह उत्पन्न होता है, अधिक प्रभावी और टिकाऊ समाधान माना जाता है. यही अवधारणा 'जीरो-वेस्ट कॉलोनी' मॉडल की आधारशिला है.दक्षिण दिल्ली की नवजीवन विहार कॉलोनी के निवासी पिछले करीब आठ वर्षों से कचरे के पृथक्करण, कम्पोस्टिंग और रीसाइक्लिंग की व्यवस्था चला रहे हैं. यहां घरों से

एकनाथ शिंदे की सेना में शामिल होने वाले यूबीटी सांसदों पर भड़के अन्ना हजारे, बोले- पार्टियां बदलना सही नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका देते हुए उनके दल के 6 लोकसभा सांसदों ने पाला बदल लिया है। ये सभी सांसद आधिकारिक तौर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इस बड़े दलबदल के बाद पूरे राज्य के राजनीतिक गलियारों में गरमागरम बहस छिड़ गई है। इस पूरे घटनाक्रम पर वरिष्ठ समाजसेवी अन्ना हजारे ने बेहद कड़े शब्दों में नाराजगी जताई है। उन्होंने दलबदल करने वाले जनप्रतिनिधियों की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह बार-बार पार्टियां बदलना लोकतंत्र के लिए सही नहीं है।

पार्टियां बदलने वाले नेताओं पर क्या बोले अन्ना हजारे

अन्ना हजारे ने कहा कि पार्टियां बदलने से राजनीति में वफादारी, विचारधारा और आदर्शवाद पर गंभीर सवाल उठते हैं। आज की राजनीति में न कोई विश्वास बचा है, न वफादारी और न ही कोई आदर्शवाद। जो लोग देश और समाज के लिए काम

करने का सच्चा जज्बा रखते हैं, वे कभी अपनी पार्टी नहीं बदलते। कुछ लोग सिर्फ और सिर्फ अपने निजी स्वार्थ के लिए ऐसा कदम उठाते हैं। पार्टियां बदलना सही नहीं है। पार्टियां बदलने से राजनीति में वफादारी, विचारधारा और आदर्शवाद पर सवाल उठते हैं। अन्ना हजारे

अन्ना हजारे ने दी आंदोलन की चेतावनी

अन्ना हजारे ने न केवल दलबदल की राजनीति पर निशाना साधा है, बल्कि उन्होंने सूचना का अधिकार (ऋझ्ढ) कानून में किए गए बदलावों के खिलाफ भी मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दी है कि अगर आरटीआई नियमों में संशोधन वापस नहीं लिए गए, तो वे 5 जुलाई से राज्य सरकार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। अन्ना हजारे के इस रुख ने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था और शिंदे सरकार पर भारी दबाव बना दिया है। जहां एक तरफ एकनाथ शिंदे 6 सांसदों के आने से अपनी ताकत बढ़ने का दावा कर रहे हैं, वहीं अन्ना हजारे के कड़े तेवरों ने महाराष्ट्र सरकार की भी टेंशन बढ़ा दी है।

निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत, 21 का रेस्क्यू ; सेना भी बचाव में जुटी

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12-07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 21 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। अभी भी 40 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इस वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के साथ एनडीआरएफ और सेना के जवान भी रेस्क्यू कर रहे हैं। गैस कटर से लोहे के पोल को काटा जा रहा है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कांक्रीट ढलाई का काम चल रहा था।

मेरा पैर काट लो लेकिन मुझे बचा लो

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था कि मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

राम मंदिर चंदा विवाद- भूपेश बघेल का आरोप, गाजी जैसी लूट मचाई जा रही

रायपुर (एजेंसी)। राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र पर प्रभु राम के नाम पर जनता को लूटने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल की तुलना महमूद गज़नवी से कर कहा कि गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, लेकिन अब ये संगठन राम मंदिर को लूट रहे हैं। कांग्रेस नेता बघेल ने देश में शिक्षा की बदहाली और किसानों की मुश्किलों पर बात की। उन्होंने कहा कि स्कूल बिना सुविधाओं के चल रहे हैं, जिससे बच्चों का भविष्य खतरे में है। किसानों को नकली खाद, खराब मौसम और बढ़ती डीज़ल-पेट्रोल कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे खेती महंगी हो रही है। इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। यादव ने कहा कि इस मामले में जैसे-जैसे नई परतें खुल रही हैं, भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों के बड़े गुनाहों की सच्चाई सामने आ रही है। उन्होंने आशंका जाहिर कि इन मामलों को जांच के बजाय दबाने की कोशिश की जाएगी।

महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी उच्चारण पर बवाल, स्पीकर ने जताया खेद

मुंबई (एजेंसी)। बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मानसून सत्र के पहले दिन शोक संदेश पढ़ते समय मराठी शब्दों के गलत उच्चारण पर खेद जाहिर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गलती अनजाने में तकनीकी दिक्कतों और भाषण की स्पष्ट प्रिंटेड कॉपी न होने के कारण हुई थी, और उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर नार्वेकर ने कहा, सोमवार को शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ तकनीकी दिक्कतों की वजह से मेरे द्वारा कुछ शब्द गलत बोल दिए गए। मेरे पास मौजूद स्पीच की प्रिंटेड कॉपी साफ नहीं थी। जो कुछ भी हुआ, वह अनजाने में हुआ। अगर इससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं खेद प्रकट करता हूं। मेरा मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर की यह सफाई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे सहित कई हलकों से मिली तीखी आलोचना के बाद आई है। ठाकरे ने मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोसले, सुमन कल्याणपुर और पूर्व विधायकों के निधन पर शोक संदेश पढ़ते समय मराठी भाषा के गलत उच्चारण को लेकर नार्वेकर की कड़ी निंदा की थी। ठाकरे ने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति जाहिर की थी कि नार्वेकर ने मशहूर गायक-अभिनेता दीनानाथ मंगेशकर (आशा भोसले के पिता) का नाम दीनदयाल मंगेशकर बोला, और सदन में किसी भी विधायक ने इस पर आपत्ति नहीं की। उन्होंने इसे आशा भोसले के लिए नहीं, बल्कि मराठी भाषा के लिए शोक प्रस्ताव करार दिया था। ठाकरे ने कहा था कि अगर नार्वेकर ने यह प्रस्ताव स्वाहिली या हिब्रू में भी दिया होता, तो भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनकी मराठी किसी को समझ ही नहीं आ रही थी।

भरत तिवारी एनकाउंटर- बाबा बागेश्वर ने कहा, जो हुआ सही नहीं हुआ

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर में 17 जून को हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना को सही नहीं बताया है और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। बाबा बागेश्वर ने कहा कि उन्हें तिवारी के बारे में जानकारी मिली है, वह एक हिंदू और सनातनी युवक था जो हिंदुत्व और सनातन के लिए लड़ता था। उन्हें पता चला है कि भरत ने प्रशासन के सामने सरेंडर किया था, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने उस पर गोली चला दी। धीरेंद्र शास्त्री ने पूरे मामले की गहन जांच की वकालत कर कहा कि अगर भरत अपराधी था, तब उस न्यायपालिका से दंड मिलना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मामले की जांच कराने का आग्रह कर कहा कि

भगवान ने चाहा तब वह भविष्य में भरत तिवारी के परिवार से मिलूंगा। भरत के परिजनों ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनका कहना है कि यह एनकाउंटर नहीं बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी, क्योंकि भरत ने हथियार फेंककर आत्मसमर्पण किया था। भरत की मां की शिकायत पर जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ जेश कुमार शर्मा और शाहपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद से क्षेत्र में रोष व्याप्त है, भरत के गांव में परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने महापंचायत आयोजित कर न्याय की मांग की। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने भी मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर के लिए पटना से एसटीएफ की टीम भेजी गई थी और उन्होंने सीधे एडीजी कुंदन कृष्णा पर सवाल उठाकर पूछा कि एसटीएफ को भोजपुर किसने भेजा था। सांसद ने यह भी संकेत दिया कि एसटीएफ भेजने के पीछे मुख्यमंत्री का नाम भी हो सकता है, क्योंकि वाहवाही वही ले रहे हैं। इस फर्जी एनकाउंटर को लेकर अब कानूनी दांवपेंच जारी है।

सुवेंदु के बयान से टीएमसी में हलचल, सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब होगा

ममता पर तंज, जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, वह कैसी जननेता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेर सरकार और पूर्व सीएम ममता बनर्जी पर कड़ा प्रहार कर भ्रष्टाचार, सरकारी धन के दुरुपयोग और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार का मंत्र केवल सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब भी होगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि जनता ने तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाया है और अब पिछली सरकार के दौरान हुए हर भ्रष्टाचार की गहन जांच होगी।

मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने विधानसभा में दस्तावेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के नाम पर करी 324 करोड़ 70 लाख रुपये फिक्की को हस्तांतरित किए थे, जिस पर उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकारी धन इस तरह निजी संस्थाओं को दिया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्मीर भंडार, उज्ज्वला योजना, वृद्धावस्था पेंशन, शिक्षाश्री, मेधाश्री, मनरेगा और अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाओं में भारी अनियमितताओं का जिक्र कर पूछा कि आखिर जनता के पैसे को किसने लूटा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और वर्तमान सत्र में ऐसा विधेयक लाएगा, जिसके तहत दोषियों की संपत्तियां जब्त कर उनकी नीलाम कर सके। उन्होंने हरिश मुखर्जी रोड और हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित आलीशान मकानों में बेघर लोगों को बसाने की बात कहकर ममता और अभिषेक बनर्जी के आवासों की ओर इशारा किया।

सीएम अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को भ्रष्टाचार का मुख्य सूत्रधार बताया। उन्होंने बीरभूम की पत्थर खदानों का उदाहरण देकर कहा कि उनकी सरकार ने केवल एक महीने में 83 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है, जबकि पिछली सरकार पूरे वर्ष में केवल साठ करोड़ रुपये का राजस्व दिखाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शेष धन कैमैक्स स्ट्रीट के जरिए दुबई पहुंचाया जाता था, और चुनाव से पहले जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक ठेकेदार ने आइपैक को 10 करोड़ रुपये दिए थे। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने ममता के राजनीतिक भविष्य पर टिप्पणी कर कहा कि वह अब कभी सत्ता में नहीं लौटेंगी और उनका राजनीतिक अध्याय समाप्त हुआ है। उन्होंने नंदीग्राम और भवानीपुर में उनकी हार का जिक्र कर तंज कसा कि जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, क्या जननेता माना जा सकता है?

इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार के एक अन्य फैसले ने नया राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि कोलकाता नगर निगम क्षेत्र के सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन अब इस्कॉन करेगा। इस फैसले के बाद स्पष्ट हो गया कि विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन में अब अंडा शामिल नहीं होगा। इस्कॉन की अन्नमित्र फाउंडेशन के माध्यम से यह योजना लागू की जाएगी और लगभग एक लाख विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस्कॉन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि अंडे के स्थान पर सोया, राजमा, पनीर, दाल, बीन्स और अन्य शाकाहारी प्रोटीन स्रोत भोजन में शामिल किए जाएंगे, जो बच्चों को अंडों से मिलने वाले पोषण के बराबर या उससे अधिक लाभ देने वाले है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि बच्चों से पोषण छीना जा रहा है और उन पर जबरन शाकाहार थोपा जा रहा है, जिससे पश्चिम बंगाल की विविध भोजन पद्धतियों और बच्चों के पोषण पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शुभेन्दु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पश्चिम बंगाल में प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तेजी से बदलाव दिखाई देने लगे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है और कट मनी तथा भाइपो टैक्स जैसी अवैध वसूलियों पर पूरी तरह रोक लग चुकी है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ अभियान तेज हुआ है तथा विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी चल रही है। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी खजाने का एक-एक पैसा केवल जनता की भलाई और विकास कार्यों के लिए खर्च होगा।

सीएम मान पर सियासी घेराबंदी : वीडियो विवाद में फर्जी रिपोर्ट का खुलासा

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सिख गुरुओं के कथित अपमान से जुड़े वीडियो विवाद के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस ने उनके इस्तीफ़े की मांग कर रही है। यह मांग गुरुग्राम पुलिस द्वारा दो लोगों को वीडियो से संबंधित एक फर्जी फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में गिरफ़्तार करने के बाद सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मूल विवादित वीडियो नकली और एआई-निर्मित था। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सीएम मान को सत्ता के नशे में चूर बताया। उन्होंने कहा कि अकाल तख्त साहिब द्वारा वीडियो को नकली और एआई-निर्मित बताए जाने के बाद, मान ने एक झूठी रिपोर्ट पेश की। चुघ ने उन्हें देशद्रोही घोषित कर सीएम पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार न होने की बात कही। वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी मान के इस्तीफ़े और सार्वजनिक माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा गुरुग्राम में बैठक कर अपने एजेंडे के हिसाब से रिपोर्ट तैयार करवाना अकाल तख्त के गुरु द्रोही करार देने के फ़ैसले की पुष्टि करता है। गुरुग्राम के एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने पुष्टि की कि पुलिस ने फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ़्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इन आरोपियों को वीडियो में हेरफेर के लिए पंजाब के अधिकारियों से 10 लाख रुपये मिले थे।

नीट विवाद: मल्लिकार्जुन खड़गे ने धर्मेंद्र प्रधान पर साधा निशाना, इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर नीट पेपर लीक मामले में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाकर केंद्रीय मंत्री प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

खड़गे ने दावा किया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान 90 पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य तबाह हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक विवाद के कारण 20 छात्रों ने आत्महत्या की है। खड़गे ने कड़े शब्दों में कहा, 90 बार पेपर लीक हुए हैं, लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं और इंटरव्यू देकर छात्रों की आवाज़ को आतंकवादी बता रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को देश-विरोधी करार देती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहले प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन-जीवी और परजीवी कहे जाने का भी ज़िक्र किया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरे देश में ज़ोर पकड़ेगा और मोदी सरकार के मंत्री प्रधान को निश्चित रूप से इस्तीफा देना होगा। इससे पहले, एक साक्षात्कार में प्रधान ने जंतर-मंतर पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों को विघटनकारी तत्वों की बी-टीम बताया था। उन्होंने कहा था कि जो लोग लोकतंत्र में नकार दिए गए थे, वे अब भेष बदलकर आए हैं और सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं।

शपथ लेते वक्त देवी-देवता का नाम नहीं ले सकते

-केरल हाईकोर्ट ने कहा- कानून में तय प्रारूप से बाहर नहीं जा सकते जनप्रतिनिधि

-गलत शपथ लेने वालों को दोबारा शपथ का निर्देश

कोच्चि (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की शपथ को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि शपथ लेते समय कानून में निर्धारित शब्दों से बाहर नहीं जाया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि शपथ केवल 'ईश्वर' के नाम पर ली जा सकती है या फिर बिना ईश्वर का नाम लिए सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा की जा सकती है। इसमें किसी देवी-देवता, भारत माता, राजनीतिक संगठन, शहीद या किसी व्यक्ति का नाम जोड़ना कानूनन मान्य नहीं है।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन की एकल पीठ ने यह फैसला तिरुवनंतपुरम नगर निगम और पलक्कड़ जिले की वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने कहा कि शपथ का प्रारूप संबंधित कानूनों में स्पष्ट रूप से निर्धारित है और उसमें अपनी ओर से कोई भी अतिरिक्त शब्द जोड़ना वैध नहीं माना जा सकता। मामला उस समय सामने आया जब तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 पार्षदों ने शपथ के दौरान विभिन्न हिंदू देवी-देवताओं, 'भारतम्बा', 'भारत माता', गुरुदेव और राजनीतिक आंदोलनों के शहीदों के नाम लिए। वहीं, वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत के एक सदस्य ने 'ईश्वर की कृपा से उम्मन चांडी के नाम पर' शपथ ली थी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि केरल म्युनिसिपैलिटी एक्ट और पंचायत राज एक्ट के तहत शपथ लेने के केवल दो वैधानिक तरीके हैं। पहला, ईश्वर के नाम पर शपथ लेना और दूसरा, ईश्वर का उल्लेख किए बिना सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करना। कोर्ट ने कहा कि 'ईश्वर' शब्द का अर्थ किसी विशेष देवी-देवता, व्यक्ति, संगठन या विचारधारा तक सीमित नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शपथ महज एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संविधान और जनता के प्रति एक गंभीर वचन है। इसलिए शपथ वही मानी जाएगी जो कानून में निर्धारित प्रारूप के अनुसार ली गई हो।

हालांकि अदालत ने संबंधित जनप्रतिनिधियों को राहत देते हुए उनकी सदस्यता समाप्त नहीं की। कोर्ट ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के पार्षदों और वडक्कनचेरी पंचायत सदस्य को चार सप्ताह के भीतर दोबारा वैधानिक तरीके से शपथ लेने का निर्देश दिया है।

अदालत ने यह भी माना कि संबंधित जनप्रतिनिधियों ने संभवतः यह मानकर ऐसा किया कि उनका तरीका वैध है, इसलिए उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सुधारक नारायण गुरु की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लोग भगवान को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं, लेकिन कानूनी शपथ केवल निर्धारित प्रारूप में ही ली जा सकती है।

तकनीकी खराबी : एयर इंडिया का विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसकर लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से अमृतसर जा रहा एयर इंडिया का विमान तकनीकी खराबी के कारण रास्ता भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में जा घुसा। पाकिस्तानी एयर ट्रैफिक अथॉरिटी (एटीसी) की चेतावनी के बाद विमान वापस भारतीय सीमा में लौट आया। अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक अधिक होने के चलते विमान को तुरंत लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली और विमान को दिल्ली वापस भेजा गया, जिसके बाद करीब चार घंटे की देरी से वह मंगलवार तड़के अमृतसर पहुंचा।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, एयरबस एआई-321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 18 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने से विमान अपने निर्धारित मार्ग से भटक गया। रात 10 बजकर 30 मिनट पर विमान को अमृतसर में लैंड होना था, लेकिन यह पाकिस्तान के एयरस्पेस में पहुंच गया। इसके बाद विमान के पायलट को पाकिस्तान एटीसी से मिली चेतावनी के बाद ही इस गलती का एहसास हुआ। इसके तुरंत बाद पायलट ने यू-टर्न लेकर विमान को वापस भारतीय हवाई क्षेत्र में ले आया। हालांकि, तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए ट्रैफिक बढ़ चुका था, जिससे विमान को उतरने की परमिशन नहीं मिली। ऐसी स्थिति में, एयरपोर्ट कंट्रोल रूम के निर्देश पर विमान को वापस दिल्ली भेजा गया, जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। दो घंटे बाद दुबारा अनुमति मिलने पर विमान ने अमृतसर के लिए फिर से उड़ान भरी और मंगलवार तड़के 2 बजकर 20 मिनट पर, करीब चार घंटे की देरी से, सुरक्षित रूप से अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा।

महुआ बोलीं- मैं पूरी रात रोई तो सिर्फ शुभेंदु ने दिया मेरा साथ

-महुआ के बयान से ममता की बढ़ी चिंता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय तृणमूल कांग्रेस के भीतर और बाहर दोनों जगह उथल-पुथल मची हुई है। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद ममता बनर्जी इन दिनों कई मुश्किलों का सामना कर रही हैं। पार्टी के भीतर बागियों की झड़ी लगी है, जहां हाल ही में ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई में कुछ नेताओं ने ममता बनर्जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से बेदखल करने की घोषणा तक कर दी। ऐसे मुश्किल दौर में, टीएमसी की फायरब्रांड नेता और ममता की सबसे करीबी सांसदों में गिनी जाने वाली महुआ मोइत्रा ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने मुख्यमंत्री की चिंता बढ़ा दी है। महुआ मोइत्रा ने बीते 22 जून को एक इंटरव्यू में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की जमकर तारीफ की है। मौजूदा समय में महुआ और शुभेंदु एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाते हैं, ऐसे में उनका यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। महुआ ने शुभेंदु को एक अच्छा दोस्त बताया और पुराने दिनों को याद किया जब शुभेंदु ने उनकी मदद की थी। महुआ कहती हैं, शुभेंदु मेरे अच्छे दोस्त हैं। जब हम एक पार्टी में थे तो उन्होंने मेरा काफी साथ दिया। उन्होंने याद किया कि जब वह करीमपुर से चुनाव लड़ी थीं, तो सिर्फ शुभेंदु ही उनके लिए प्रचार करने आए थे और उन्हें हर तरह की मदद भेजी थी।

महुआ ने 2014 की घटना का भी जिक्र किया, जब उन्हें लोकसभा का टिकट मिलने वाला था लेकिन नहीं मिला, तब केवल शुभेंदु अधिकारी ही उनके साथ खड़े थे। महुआ ने बताया कि शुभेंदु ने उनसे कहा था, नहीं बहन, मैं हूं न। महुआ इसे भावनात्मक कनेक्शन बताती हैं, हालांकि वह स्वीकार करती हैं कि आज वे अलग-अलग पार्टी में हैं और उनकी बात नहीं होती। यह बयान ऐसे समय में आया है जब शुभेंदु अधिकारी तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम चुके हैं और ममता के कट्टर आलोचक बन गए हैं। शुभेंदु दिसंबर 2020 में टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

महुआ मोइत्रा साल 2016 में पश्चिम बंगाल की करीमपुर विधानसभा सीट से अपना पहला चुनाव लड़ी थीं और उसमें विजयी भी हुई थीं। उस समय शुभेंदु अधिकारी टीएमसी के एक कद्दावर संगठनकर्ता और नदिया जिले के पार्टी पर्यवेक्षक थे। महुआ उसी दौर की बात कर रही थीं जब संगठन के अन्य नेताओं से पर्याप्त सहयोग न मिलने पर शुभेंदु अधिकारी ने जमीन पर उतरकर उनके लिए चुनाव प्रचार किया था। इसी तरह, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले जब महुआ मोइत्रा कृष्णानगर सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं और टिकट मिलने में संशय था, तब वह भावुक हो गई थीं। उस समय भी शुभेंदु ने एक सीनियर सहकर्मी के नाते उन्हें ढांढस बंधाया था। बाद में महुआ को कृष्णानगर से टिकट मिला और वह जीतकर संसद पहुंचीं। महुआ के इन बयानों को ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ाने वाला माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी में एकता की कमी महसूस की जा रही है।

सिक्किम में बारिश का कहर, भूस्खलन से पश्चिमी जिले का संपर्क टूटा

-ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग कई जगहों पर ध्वस्त, लगातार बारिश से राहत कार्य प्रभावित

गंगटोक (एजेंसी)। सिक्किम में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पश्चिमी सिक्किम में कई स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे पश्चिम सिक्किम जिला मुख्यालय का राज्य के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान ग्यालशिंग में 95.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण पहाड़ियों से मलबा और बड़ी-बड़ी चट्टानें सड़कों पर आ गिरीं, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

जिलाधिकारी तेनजिंग डेंजोंगपा ने मीडिया को जानकारी दी, कि मंगलवार रात करीब नौ बजे भूस्खलन की सूचना मिली थी। सबसे बड़ा भूस्खलन ग्यालशिंग शहर से लगभग दो किलोमीटर दूर ओमचुंग क्षेत्र में हुआ। इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने का अभियान शुरू किया, लेकिन लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण राहत कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्यालशिंग-लेगशिप हाईवे पर कम से कम तीन स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। इनमें ओमचुंग के पास मुख्य भूस्खलन क्षेत्र, उसके नीचे का हिस्सा तथा लेगशिप के निकट एक अन्य स्थान शामिल है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर वर्ष मानसून के दौरान इस मार्ग पर भूस्खलन की समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है। ग्यालशिंग-लेगशिप सड़क पश्चिम सिक्किम के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। इसी मार्ग से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, यात्री

परिवहन और आपातकालीन सेवाओं का संचालन होता है। सड़क बंद होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वैकल्पिक मार्गों के अभाव में जिले का संपर्क पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे भूस्खलन और जलभराव की घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी, देश में दूसरे स्थान पर राज्य- एनसीआरबी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं पर अत्याचार, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगभग रोजाना सामने आ रही हैं। कई घटनाएं ऐसी हैं जिन्होंने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं और कानून लागू किए जा रहे हैं, लेकिन बढ़ते अपराधों को देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या ये उपाय केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। दरअसल हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें महाराष्ट्र महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में भी सवाल उठाया गया। एनसीआरबी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के कुल 47,954 मामले दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य महिला अपराध के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर है। यह आंकड़ा राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2025 में बलात्कार के 8,643 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 7,940 मामले सामने आए थे। यानी एक वर्ष में दुष्कर्म की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 में बाल यौन शोषण और अत्याचार के मामलों में 482 मामलों की वृद्धि हुई है, जो समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय है। कोल्हापुर परिक्षेत्र में वर्ष 2024-25 के दौरान महिलाओं पर अत्याचार के 2,362 मामले तथा 4,485 छेड़छाड़ (विनयभंग) के मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अपराध इसी क्षेत्र में सामने आए हैं। वहीं, अहिल्यानगर जिले में वर्ष 2022 से 2025 के बीच नाबालिग लड़कियों के खिलाफ अत्याचार के 641 मामले दर्ज हुए हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 के शुरुआती तीन महीनों में ही 41 नए मामले सामने आ चुके हैं। विधानसभा में इस विषय पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि बदलापुर और नसरापुर अत्याचार मामलों में अपराध दर्ज कर आरोपपत्र अदालत में प्रस्तुत कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर है और इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 51 भरोसा सेल, 58 फास्ट ट्रैक कोर्ट, दामिनी पथक, हेल्पलाइन सेवाएं तथा विशेष जांच दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही शक्ती कानून की विभिन्न धाराओं का अध्ययन कर नए आपराधिक कानूनों में आवश्यक संशोधन भी किए गए हैं। बहरहाल एनसीआरबी की रिपोर्ट ने महाराष्ट्र में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार सुरक्षा उपायों का दावा कर रही है, लेकिन बढ़ते

अपराधों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को उजागर कर रहे हैं। बढ़ते अपराधों के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। समाज और प्रशासन दोनों के सामने यह बड़ी चुनौती है कि महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण कैसे उपलब्ध कराया जाए।

टेक्नालॉजी व टूल्स में निवेश के बावजूद नए वाहनों के बाजार में आने में हो रही देरी

उद्योग में वाहन लॉन्चिंग औसतन 9 से 15 महीने पीछे

नई दिल्ली।

डिजिटल इंजीनियरिंग और वाहन विकास के टूल्स में पर्याप्त निवेश के बावजूद देश के वाहन विनिर्माताओं को नए वाहनों को बाजार में उतारने में देर का सामना करना पड़ रहा है। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के श्वेत पत्र के मुताबिक पूरे उद्योग में वाहन लॉन्चिंग औसतन 9 से 15 महीने पीछे टल रही है। ज्यादा जटिल कार्यक्रमों में तो 18 से 24 महीने तक की देर हो रही है। अध्ययन में पाया गया कि आधुनिक डिजिटल उपकरणों और प्रक्रियाओं को अपनाने के बावजूद हर प्रमुख वाहन विनिर्माता ने वाहन पेश करने में देर का अनुभव किया है। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के प्रबंध साझेदार रवींद्र पातकी ने कहा कि यह चुनौती वाहन क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनियों के बीच और भी गंभीर लगती है, जहां कार्यक्रम में देरी अक्सर लंबी होती है। इसके कई कारण हैं, जैसे संसाधन जुटाना, प्रौद्योगिकी में देरी और वित्तीय बाधाएं वगैरह। श्वेत पत्र में तर्क दिया गया है कि वाहन विकास में देर उनके दिखने से बहुत पहले ही शुरू हो जाती है। जहां ज्यादातर कंपनियां भौतिक निर्माण में समस्याओं को सुलझाने पर ध्यान देती हैं, वहीं पूरे कार्यक्रम में होने वाली देर का 34 से 47 फीसदी हिस्सा टूलिंग और प्रायोगिक शुरुआत के बाद ही पता चल पाता है। शोध से पता चलता है कि इनमें से ज्यादातर समस्याएं डिजाइन के चरण में ही पैदा होती हैं। इस चरण में फिटमेंट, विनिर्माण और सर्विसिंग से जुड़ी समस्याओं की पहचान करके उन्हें महीनों के बजाय कुछ ही घंटों में और बहुत कम लागत पर सुलझाया जा सकता है। अध्ययन में पाया गया कि 39 फीसदी कार्यक्रम उत्पादन शुरू होने की स्थिति में पहुंच जाते हैं लेकिन उनमें फिर भी फिटमेंट, सर्विसिंग या गुणवत्ता से जुड़ी समस्याएं बरकरार रहती हैं।

अग्रिम कर भुगतान और मुद्रा की ज्यादा निकासी से बैंक में नकदी की कमी

नई दिल्ली।

बैंकिंग व्यवस्था में नकदी घाटे में चली गई है। इसके पहले 3 महीने अधिशेष की स्थिति थी। यह स्थिति मुख्य रूप से अग्रिम कर भुगतान और मुद्रा की ज्यादा निकासी के कारण हुई है। भारतीय रिज़र्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को शुद्ध नकदी की स्थिति 19,971 करोड़ रुपए घाटे में रही। 22 मार्च के बाद पहली बार ऐसी स्थिति आई है। इसकी वजह से मंगलवार को मौद्रिक नीतिक के लिए परिचालन लक्ष्य, भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) बढ़कर 5.38 फीसदी हो गई, जबकि सोमवार को यह 5.33 फीसदी थी। नकदी की तंगी खत्म करने के लिए रिजर्व बैंक ने 7 दिन के वैरिएबल रेट रीपो (वीआरआर) नीलामी के माध्यम से मंगलवार को बैंकिंग व्यवस्था में 1.41 लाख करोड़ रुपए डाले हैं। वीआरआर नीलामी में बैंकों को बाजार द्वारा तय दरों पर सरकारी प्रतिभूतियों के बदले धन उधार लेने की अनुमति मिलती है। इससे केंद्रीय बैंक को कम अवधि के हिसाब से वित्तीय व्यवस्था में नकदी के प्रबंधन में मदद मिलती है।बाजार सहभागियों ने कहा कि नकदी की तंगी काफी हद तक तिमाही के अंत में अग्रिम कर भुगतान के कारण थी, जिससे सरकार के कैश बैलेंस में तेज वृद्धि हुई और बैंकिंग प्रणाली से धन की निकासी हुई।

भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए 15 जुलाई से होगा लागू, सस्ती होंगी कारें

नई दिल्ली ।

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का असर अब ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी दिखाई देने लगा है। समझौते के अंतर्गत ब्रिटेन से भारत आयात की जाने वाली कुछ प्रीमियम और लक्ज़री कारों पर लगने वाले शुल्क में राहत मिलने की संभावना है, जिसके चलते कई लोकप्रिय मॉडलों की कीमतों में कमी आ सकती है।जानकारी के अनुसार, इस नई व्यवस्था को 15 जुलाई से लागू किया जा सकता है। वर्तमान में विदेशों से आयात की जाने वाली लक्ज़री कारों पर भारत में भारी आयात शुल्क लगाया जाता है, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में काफी महंगी हो जाती हैं। नए समझौते के बाद इस शुल्क में कमी आने से कार निर्माताओं की लागत घटेगी, जिसका सीधा लाभ ग्राहकों को मिलने की उम्मीद है। हालांकि प्रत्येक मॉडल पर कीमत में समान कमी नहीं होगी, लेकिन कई गाड़ियों के मूल्य में लाखों रुपये तक का अंतर आने की संभावना जताई जा रही है। ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि शुल्क में राहत मिलने के बाद कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में संशोधन करेंगी, जिससे लक्ज़री वाहन बाजार में नई प्रतिस्पर्धा पैदा होगी और ग्राहकों को अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 37 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.37 पर बंद हुआ।

वहीं गत दिवस रुपया 94.74 पर बंद हुआ था। आज सुबह रुपया 94.90 पर खुला, जो मंगलवार के 94.74 रुपये के बंद भाव से 16 पैसे कमज़ोर हुआ। अमेरिक फेडरल रिजर्व के रेट बढ़ाने की उम्मीदों से डॉलर एक साल से ज़्यादा समय में अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कम कीमतों और भारतीय रिजर्व बैंक के उपायों से भी रुपये को समर्थन मिला।

दो लाख डाउन पेमेंट पर स्कोडा काइलाक ऑटोमैटिक

नई दिल्ली ।

कार निर्माता कंपनी स्कोडा की ओर से काइलाक का क्लासिक एटी वेरिएंट ऑटोमैटिक विकल्प के रूप में ऑफर किया गया है। अगर आप स्कोडा काइलाक के ऑटोमैटिक वेरिएंट को दो लाख रुपये का डाउन पेमेंट करके खरीदते हैं, तो आपको लगभग 8.30 लाख रुपये की राशि बैंक से फाइनेंस करवानी होगी। इस एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत 9.25 लाख रुपये है। दिल्ली में इसे खरीदने पर लगभग 65 हजार रुपये आरटीओ और करीब 40 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे, जिसके बाद गाड़ी की दिल्ली में ऑन-रोड कीमत 10.30 लाख रुपये हो जाती है। यदि बैंक नौ फीसदी वार्षिक ब्याज दर के साथ सात साल के लिए यह लोन देता है, तो आपको हर महीने सिर्फ 13,355 रुपये की मासिक किस्त (ईएमआई) देनी होगी। इस गणना के अनुसार, सात साल की अवधि में आप स्कोडा काइलाक के ऑटोमैटिक वेरिएंट के लिए लगभग 2.91 लाख रुपये बतौर ब्याज चुकाएंगे। इस तरह, आपकी गाड़ी की कुल लागत (एक्स-शोरूम कीमत, ऑन-रोड शुल्क और ब्याज मिलाकर) लगभग 13.21 लाख रुपये हो जाएगी।

बारिश पर अल नीनो के संभावित खतरे से कंपनियों में बढ़ी बेचैनी

केयर उत्पाद, पैकेटबंद स्नैक्स, पेय पदार्थों की बिक्री पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली।

मॉनसून की बारिश पर अल नीनो के संभावित असर की चिंता से कंपनियों में बेचैनी बढ़ गई है। उद्योग के अधिकारियों और अर्थशास्त्रियों का कहना है कि आने वाले महीनों में ग्रामीण इलाकों में कम आय और लोगों के खर्च करने की क्षमता प्रभावित होने से कंपनियों की कमाई पर बुरा असर पड़ सकता है। ट्रैक्टर और प्रवेश स्तर के दोपहिया बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि भले ही चालू वित्त वर्ष के शुरुआती महीनों में बिक्री में जबरदस्त तेजी आई थी लेकिन साल के आखिर तक उन्हें मामूली वृद्धि से ही संतोष करना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियां चिंता में हैं क्योंकि प्रीमियम पर्सनल केयर उत्पाद, पैकेटबंद स्नैक्स, पेय पदार्थों आदि की बिक्री प्रभावित हो सकती है। हालांकि बिस्किट विनिर्माता पारले प्रोडक्ट्स को उम्मीद है कि खाद्य पदार्थों की बिक्री पर खास असर नहीं पड़ेगा क्योंकि ये जरुरी वस्तुएं हैं। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि गंभीर अल नीनो के कारण कृषि उत्पादन की वृद्धि में 1.5 से 2 फीसदी तक की कमी आ सकती है और जीडीपी की वृद्धि दर में 35 आधार अंक की कमी आ सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी अनाज बफर स्टॉक से राहत मिलने की संभावना है, लेकिन ग्रामीण उपभोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।बजाज ऑटो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि जब भी मॉनसून कमजोर होता है प्रवेश स्तर के दोपहिया की मांग सुस्त हो जाती है। यह अवलोकन रेटिंग एजेंसियों के इस विचार के अनुरूप है कि जब कृषि आय पर दबाव पड़ता है तो निम्न-आय वाले ग्रामीण उपभोक्ता गैर-जरूरी खरीदारी को टाल देते हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 790, निफ्टी 197 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 790.54 अंक की तेजी के साथ 76,991.22 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 197.56 अंक बढ़कर 24,021.65 पर बंद हुआ। इससे निवेशकों को करीब दो लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ।

बाजार की इस तेजी का कारण वित्तीय और आईटी सेक्टर के शेयरों में तेजी के साथ ही दुनिया भर से मिले अच्छे संकेत हैं । आज कारोबार के दौरान आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस और ट्रेंट जैसे बड़े स्टॉक्स में तेजी रही।

सेक्टोरल आधार पर आईटी, फार्मा और प्राइवेट बैंकों के शेयरों से बाजार को बढ़त मिली। वहीं मेटल, ऑटो और मीडिया सेक्टर के शेयरों के नीचे आने से बाजार पर दबाव आया हालांकि व्यापक सूचकांकों में मिला-जुला रुख दिखा।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह कारोबार शुरु होते ही आईटी और फार्मा शेयरों में खरीदारी से भी बाजार उछला। सेंसेक्स 200.34 अंक बढ़कर 76,401.02 के स्तर पर जबकि निफ्टी 38.65 अंक उछलकर 23,862.75 पर पहुंच गया। आज डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज, टेक महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सबसे अधिक उछले। दूसरी ओर व्यापक बाजार में मिश्रित रुख दिखा। निफ्टी मिडकैप 0.04 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 0.12 फीसदी नीचे आये। वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी आईटी में करीब 1 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी ओर निफ्टी मेटल, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी ऑटो इंडेक्स में गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और बातचीत की संभावना बनने से एशियाई बाजार ऊपर आया है।

एआई उन लोगों को और बेहतर बनाएगा जो उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं नीलेकणी

एआई, जनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई से उत्पादकता में आया सुधार

नई दिल्ली।

इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने कहा है कि इन्फोसिस जैसी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनियों की प्रासंगिकता उनके ग्राहकों के लिए एआई को अपनाने में आने वाली बाधाओं को दूर करने में निहित है, जो नई तकनीक में निवेश और उससे मिलने वाले रिटर्न के बीच की खाई को पाटती है। एआई, जनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई से उत्पादकता में सुधार आया है। इनसे कई क्षेत्रों में कर्मचारियों की दक्षता बढ़ रही है और ये प्रक्रियाओं को कम करके सॉफ्टवेयर विकास के जीवनचक्र को बढ़ा रही हैं। हालांकि प्रबंधन में बदलाव और बिखरे हुए डेटा जैसी समस्याओं के कारण कंपनियों में इसे लागू करना और अपनाना उम्मीद से ज्यादा मुश्किल है।

नीलेकणी ने कंपनी की 45वीं सालाना आम बैठक में कहा कि हमारे बड़े उद्यम ग्राहकों में एआई अपनाने के संबंध में अंतर वास्तविक है और यही अंतर कम करने पर काम की जरूरत है।

एआई हमारी जैसी कंपनियों की जगह नहीं लेगी।

यह उन लोगों को और बेहतर बनाएगा जो उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं और तेजी से बदलावों को अपनाते हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि कंपनियां बेहतरीन कोडिंग टूल अपना रही हैं और उत्पाद को बढ़ा रही हैं, लेकिन सॉफ्टवेयर विकास के जीवनचक्रम में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

कनाडा की निवेश कंपनी फेयरफैक्स ने खरीदे करीब 1 अरब डॉलर के बॉन्ड

नई दिल्ली।

कनाडा की निवेश कंपनी फेयरफैक्स इंडिया होल्डिंग कॉर्प ने पिछले शुक्रवार को भारतीय सरकारी बॉन्ड में करीब 1 अरब डॉलर का निवेश किया। सूत्रों का कहना है कि कंपनी भारत में पैसा ला रही है और इसका संबंध आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने की संभावित योजना से हो सकता है। फेयरफैक्स उन कंपनियों में शामिल है जिन्होंने आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी खरीदने में रुचि दिखाई थी। हालांकि यह प्रक्रिया अटकी हुई है क्योंकि खरीदारों और सरकार के बीच कीमत को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। सूत्रों का कहना है कि इस सौदे को दोबारा आगे बढ़ाने पर बातचीत चल रही है, लेकिन अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है। हाल ही में सरकार ने विदेशी निवेशकों को सरकारी बॉन्ड पर कैपिटल गेन टैक्स से छूट देने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि इसी वजह से फेयरफैक्स के लिए यह निवेश ज्यादा आकर्षक हो गया। सूत्रों के मुताबिक कंपनी ने सबसे ज्यादा पैसा 2029 में मैच्योर होने वाले सरकारी बॉन्ड में लगाया है। इसके अलावा उसने कुछ अन्य सरकारी बॉन्ड और ट्रेजरी बिल भी खरीदे हैं। बाजार से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि फेयरफैक्स आमतौर पर भारतीय बॉन्ड बाजार में बहुत सक्रिय नहीं रहती।

मॉनसून में देरी चिंताजनक, सीआईआई अध्यक्ष ने 8-10 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य रखे

राज्य अभी से तैयारी शुरु कर दें

नई दिल्ली ।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष आर. मुकुंदन ने देश में मॉनसून की धीमी गति पर गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय पर जरूरी कदम नहीं उठाए,तब इसका सबसे बड़ा असर किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था बुरा हो सकता है। मुकुंदन ने राज्यों से अपील की है कि वे संभावित सूखे जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए अभी से तैयारी शुरू करें और किसानों के लिए विशेष सहायता व प्रोत्साहन योजनाएं बनाए। मुकुंदन ने कहा कि भारत को मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अपनी आर्थिक विकास दर बनाए रखनी होगी। उन्होंने बताया कि दुनिया वर्तमान में भू-राजनीतिक तनाव, रक्षा संबंधी अनिश्चितताओं और तकनीकी बदलावों जैसे तीन बड़े संकटों से गुजर रही है। इसके बाद मोदी सरकार और उद्योग जगत को मिलकर व्यापक सुधारों पर काम करना चाहिए ताकि देश भविष्य की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सके। मुकुंदन ने कहा कि भारत को केवल 6.5 प्रतिशत की विकास दर तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि 8 से 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए।उन्होंने बुनियादी ढांचे, ऊर्जा, भूमि और श्रम जैसे क्षेत्रों में व्यापक सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया। मुकुंदन ने माना कि सड़कों और रेल नेटवर्क में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, लेकिन विभिन्न परिवहन माध्यमों के बीच बेहतर समन्वय और मल्टी-मोडल ढांचे को मजबूत करने की जरूरत बनी हुई है। बिजली क्षेत्र में भी उत्पादन बढ़ने के बावजूद वितरण, भंडारण और पारेषण से जुड़ी चुनौतियां मौजूद हैं।

ऑनलाइन खरीदे गए खाद्य उत्पादों पर एक्सपायरी डेट गायब

एफएसएसएआई ने कहा हमारी जिम्मेदारी नहीं

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिकने वाले पैकेटबंद खाद्य और पेय पदार्थों से एक्सपायरी डेट के गायब होने की बढ़ती शिकायतों के बीच, भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्पष्ट किया है कि ई-कॉमर्स और क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऐसी जानकारी प्रदर्शित करने के नियम उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीसीए) के दायरे में आते हैं।

एफएसएसएआई ने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य विवरण का प्रदर्शन लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 के तहत आता है। एफएसएसएआई ने कहा कि मामले को उपभोक्ता मामलों के विभाग के समक्ष उठाया जाना चाहिए, क्योंकि इन नियमों की जिम्मेदारी उन्हीं की है।

यह मुद्दा तब सामने आया है जब सोशल मीडिया पर उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं ।

कि ऑनलाइन खरीदे गए पैकेज्ड खाद्य उत्पादों पर शेल्फ लाइफ और एक्सपायरी से जुड़ी जानकारी अक्सर उपलब्ध नहीं होती। लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) संशोधन नियम, 2017 के अनुसार, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के लिए डिजिटल बिक्री के समय पैकेज्ड उत्पादों की बेस्ट बिफोर या यूज़ बाय तारीख को दिखाना अनिवार्य है।लोकलसर्किल्स द्वारा हुए हालिया सर्वे से पता चला है ।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से मिली राहत भारतीय रुपये को मिली ताकत

आरबीआई का जोर विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में आई हालिया गिरावट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बूस्ट दिया है।

अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की शुरुआत ने वैश्विक बाजार में सकारात्मक संकेत दिए हैं, जिससे ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम मई के उच्च स्तर से 30 प्रतिशत से अधिक गिरकर करीब 78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। पूर्व में, संघर्ष के कारण ऊंची तेल कीमतों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर काफी दबाव डाला था, इसके परिणामस्वरूप मार्च से मई के बीच रुपया 5 प्रतिशत से अधिक कमजोर हुआ था। हालांकि, तेल की कीमतों में गिरावट के बाद रुपये की स्थिति में सुधार हुआ है, और रुपये ने मई के निचले स्तर की तुलना में लगभग 1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है।बाजार विश्लेषकों का मानना है कि रुपये की यह बढ़त सीमित रहने के आसार हैं क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ाने के लिए बाजार में हस्तक्षेप कर रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में, केंद्रीय बैंक ने हाजिर बाजार में शुद्ध 53.13 अरब डॉलर ब्रिक किए थे, और चालू वित्तीय वर्ष में भी यह प्रक्रिया जारी रहने की संभावना है।

केंद्र सरकार और आरबीआई दोनों ने पूंजी प्रवाह को बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रहे है, जिनमें बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) के लिए प्रोत्साहन और प्रवासी भारतीयों से विदेशी मुद्रा अनिवासी (एफसीएनआर-बी) जमा के माध्यम से धन जुटाना शामिल है। बैंक एफसीएनआर-बी के लिए आक्रामक रूप से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, और कुछ अनुमानों के अनुसार, इन जमाओं से 100 अरब डॉलर तक का प्रवाह आकर्षित हो सकता है।कुछ बाजार प्रतिभागियों को उम्मीद है कि आरबीआई तरलता को नियंत्रित करने के लिए नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) बढ़ा सकता है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों से इसतरह के जमा और रियायती योजना के तहत जुटाए गए ईसीबी पर दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। हालांकि, जैसे-जैसे कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आती है और पूंजी प्रवाह में संभावित वृद्धि होती है, रुपये को मजबूत होने देने की मांग उठ सकती है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आरबीआई को ऐसी मांगों का विरोध करना चाहिए, क्योंकि अधिकांश पूंजी प्रवाह ऋण के रूप में होगी, जिन्हें मध्यम अवधि में विदेशी मुद्रा में चुकाना होगा।

सिर्फ ट्रक नहीं अब लॉजिस्टिक्स साम्राज्य बना रही टाटा मोटर्स

रिकॉर्ड कमाई के पीछे क्या है नया गेम प्लान?

मुंबई।

टाटा मोटर्स का वाणिज्यिक वाहन कारोबार अब खुद को सिर्फ पारंपरिक ट्रक निर्माता के बजाय एक बड़े लॉजिस्टिक्स और परिवहन प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित कर रहा है। कंपनी का प्रबंधन डिजिटल, अंतरराष्ट्रीय और सेवा कारोबारों में तेज बढ़ोतरी पर जोर दे रहा है, ताकि वाहनों की मांग में होने वाले उतार-चढ़ाव पर निर्भरता कम हो सके। यह महत्वाकांक्षी रणनीति उस सामने आई है जब कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में अपना अब तक का सबसे बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन करके दिखाया है, जिसमें समूची बाजार हिस्सेदारी में गिरावट के बावजूद रिकॉर्ड नकदी प्रवाह, मुनाफा और शुद्ध नकदी की स्थिति बेहतर हुई है। निवेशक दिवस 2026 पर अपनी रणनीति पेश कर टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स ने बताया कि गैर-चक्रीय कारोबार तेजी से विकास के लिए महत्वपूर्ण जरिया बन रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 में कुल राजस्व में इनकी हिस्सेदारी भले ही 16 प्रतिशत थी (जबकि मुख्य वाणिज्यिक वाहनों के कारोबार की हिस्सेदारी 84 प्रतिशत थी), लेकिन इन क्षेत्रों में 18 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। इसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म, अंतरराष्ट्रीय परिचालन, रक्षा और परिवहन सेवाएं शामिल हैं। यह वृद्धि वाहनों की थोक बिक्री की 11 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले काफी तेज थी, जो नए गेम प्लान की सफलता को दिखाता है।वित्तीय मोर्चे पर, कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2026 में 77,399 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया है। इस दौरान, एबिटा मार्जिन वित्त वर्ष 2025 के 12 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 13.2 प्रतिशत हुआ है। कंपनी ने 9,186 करोड़ का मुक्त नकदी प्रवाह (जो राजस्व के करीब 12 प्रतिशत के बराबर है) और 7,500 करोड़ रुपये की शुद्ध नकदी हासिल की। लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल 72 प्रतिशत के प्रभावशाली स्तर पर पहुंच गया, जो कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति और कुशल पूंजी प्रबंधन को उजागर करता है।प्रबंधन ने कारोबारी मॉडल में आए बड़े बदलाव पर जोर दिया। टाटा मोटर्स अब डीलरों के यहां स्टॉक भरने पर आधारित आपूर्ति-धक्का मॉडल से हटकर खुदरा बाजार के आंकड़ों पर आधारित मांग-खींच तरीके की दिशा में बढ़ गई है। कंपनी मूल्य-आधारित कीमतों, मॉडल मिश्रण को बेहतर बनाने और नकदी सृजित करने पर भी खासा जोर दे रही है।

खज्जियार पर्यटन स्थल को ऐसे ही नहीं कहा जाता है 'भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड'

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित खज्जियार एक छोटा लेकिन अत्यंत मनमोहक पर्यटन स्थल है, जिसे अक्सर भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। समुद्र तल से लगभग 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान देवदार और चीड़ के घने जंगलों, हरे-भरे घास के मैदानों और एक सुंदर झील के लिए प्रसिद्ध है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे पर्यटकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाते हैं।

खज्जियार का सौंदर्य

खज्जियार एक गोलाकार हरे मैदान के रूप में फैला हुआ है, जिसके बीचों-बीच एक झील स्थित है। चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पेड़ और दूर तक फैले पहाड़ इसकी शोभा को और भी बढ़ाते हैं। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ होता है कि यहाँ आकर हर व्यक्ति खुद को प्रकृति के और करीब महसूस करता है।

क्यों कहा जाता है 卐भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड卐 ?

1992 में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत विल्ली ब्लेज़र ने खज्जियार की प्राकृतिक समानता को देखते हुए इसे 卐मिनी स्विट्ज़रलैंड卐 की उपाधि दी थी। उन्होंने यहाँ एक पत्थर भी स्थापित किया जो यह दर्शाता है कि खज्जियार स्विट्ज़रलैंड से कितनी दूरी पर स्थित है।

खज्जियार में करने योग्य गतिविधियाँ

- प्राकृतिक दृश्यावली की फोटोग्राफी
- खुले मैदानों में पिकनिक और परिवार के साथ समय बिताना
- एडवेंचर खेलों का आनंद लेना
- मंदिरों और सांस्कृतिक स्थलों की यात्रा
- आसपास के ट्रेकिंग मार्गों की खोज

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून – गर्मियों में सुहावने मौसम और हरियाली का आनंद लेने के लिए।

सितंबर से नवंबर – साफ आसमान और शांत वातावरण के लिए।

दिसंबर से फरवरी – बर्फबारी देखने और ठंड का आनंद लेने वालों के लिए आदर्श समय।

कैसे पहुँचे ?

निकटतम शहर- डलहौज़ी (लगभग 22 किमी)

रेल मार्ग- पठानकोट रेलवे स्टेशन, जहाँ से टैक्सी या बस द्वारा खज्जियार पहुँचा जा सकता है।

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा गग्गल (कांगड़ा) है, जो लगभग 120 किमी दूर है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी, चंबा और धर्मशाला से बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। खज्जियार उन यात्रियों के लिए स्वर्ग समान है जो प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहते हैं। यहाँ की शांत वादियाँ, हरे मैदान और पवित्र स्थल आत्मा को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। चाहे आप फोटोग्राफी के शौकीन हों, रोमांच के प्रेमी हों या शांति की तलाश में हों — खज्जियार हर किसी के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

प्रमुख आकर्षण

1. खज्जियार झील

खज्जियार के केंद्र में स्थित यह छोटी सी झील यहाँ का प्रमुख आकर्षण है। झील के चारों ओर फैला मैदान पिकनिक, फोटोग्राफी और शांत समय बिताने के लिए आदर्श स्थान है।

2. खज्जी नाग मंदिर

यह प्राचीन मंदिर 12वीं शताब्दी में निर्मित हुआ था और भगवान खज्जी नाग को समर्पित है। यह मंदिर लकड़ी की नक्काशी और पौराणिक कथाओं से जुड़ी मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

3. एडवेंचर स्पोर्ट्स

खज्जियार में पैराग्लाइडिंग, ज़ोरबिंग , घुड़सवारी और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियाँ भी की जा सकती हैं, जो रोमांच प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

4. खज्जियार वन्यजीव अभयारण्य

प्राकृतिक प्रेमियों के लिए यह अभयारण्य एक शांत और सुरम्य स्थल है जहाँ वन्य जीवों और पक्षियों को नजदीक से देखा जा सकता है।

सिर्फ 15 मिनट में घर पर बनाएं स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर

अगर आपको चिली पनीर बहुत पसंद है और आप सोचते हैं कि इसे सिर्फ होटल या रेस्टोरेंट में ही खाया जा सकता है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सिर्फ 15 मिनट में स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर घर पर बना सकते हैं। यह रेसिपी झटपट बन जाती है और स्वाद में बिल्कुल बाजार जैसी लगती है।

चिली पनीर बनाने के लिए सामग्री

पनीर – 200 ग्राम (क्यूब्स में कटा हुआ)

शिमला मिर्च – 1 (लंबी स्लाइस में कटी हुई, हरी/लाल/पीली कोई भी)

प्याज – 1 (पेटल्स में कटी हुई)

हरी मिर्च – 2 (लंबाई में कटी हुई)

लहसुन – 5-6 कलियां (बारीक कटा हुआ)

अदरक – 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)

तले जाने के लिए

कॉर्नफ्लोर – 2 बड़े चम्मच

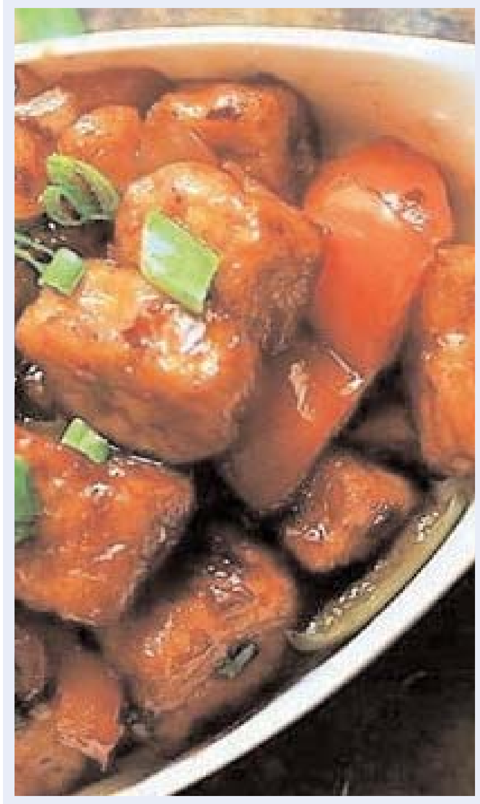

मैदा – 2 बड़े चम्मच

नमक – स्वाद अनुसार

काली मिर्च – ड्ढ छोटा चम्मच

पानी – थोड़ा सा (घोल बनाने के लिए)

तेल – तलने के लिए

सॉस के लिए :

सोया सॉस – 1 बड़ा चम्मच

टमाटो सॉस – 2 बड़े चम्मच

रेड चिली सॉस – 1 बड़ा चम्मच

सिरका – 1 छोटा चम्मच

शक्कर – ड्ढ छोटा चम्मच (वैकल्पिक)

नमक – स्वाद अनुसार

चिली पनीर बनाने की विधि

1. एक बाउल में कॉर्नफ्लोर, मैदा, नमक, और काली मिर्च डालें। थोड़ा पानी मिलाकर एक गाढ़ा घोल तैयार करें। पनीर क्यूब्स को इस घोल में अच्छे से डुबोएं।

2. कढ़ाई में तेल गरम करें और पनीर के टुकड़ों को सुनहरा होने तक तलें। फ्राई किए हुए पनीर को एक पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।

3. एक कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। उसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालें। 1 मिनट तक भूनें। अब प्याज और शिमला मिर्च डालें और तेज़ आंच पर 2-3 मिनट भूनें। (सब्जियां क्रंची रखें)

4. अब इसमें सोया सॉस, टमाटो सॉस, रेड चिली सॉस, सिरका और थोड़ी सी शक्कर डालें। स्वाद अनुसार नमक डालें और सब कुछ अच्छे से मिक्स करें। 2 चम्मच पानी मिलाएं ताकि हल्की ग्रेवी बने।

5. अब फ्राई किया हुआ पनीर इसमें डालें और अच्छे से मिक्स करें। 1-2 मिनट तक तेज आंच पर पकाएं ताकि सॉस अच्छे से पनीर पर कोट हो जाए। इस चिली पनीर को आप हॉट सर्व करें।

हैदराबाद में बारिश के बाद इन जगहों को देखकर हो जाएंगे खुश, जन्नत में आने का होगा एहसास

अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

आजकल के सोशल मीडिया के दौर में लोगों को घूमने के साथ ही अच्छी-अच्छी वीडियो और तस्वीरें बनाने का शौक होता है। इसी वजह से लोग ऐसी जगहों की तलाश करते हैं, जहां का नजारा काफी अच्छा हो और वह उनकी वीडियो या तस्वीर में चार चांद लगा सकें। वहीं बारिश के बाद लोगों को घूमना अधिक पसंद होता है, क्योंकि इस दौरान मौसम ठंडा और सुकूनदायक हो जाता है। ऐसे में अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

गोलकोंडा किला

बारिश के बाद हैदराबाद की असली खूबसूरती को देखने के लिए आप गोलाकोंडा किला जा सकते हैं। यह हैदराबाद में पर्यटकों द्वारा सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह है। यहां पर आपको हमेशा पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन जब आप बारिश के समय यहां पर आएंगे, तो आपको ज्यादा लोग नहीं मिलेंगे। साथ ही आपको इस दौरान यहां पर खूबसूरत नजारों के साथ वीडियो बनाने के मौका मिलेगा। कपल्स और बच्चों के लिए भी यह एक अच्छी जगह है।

हुसैन सागर झील

यहां का साफ मौसम पर्यटकों को हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन बारिश के मौसम में यहां पर नजारा देखने लायक होता है। जब हुसैन सागर झील में जब पानी की बूंदे गिरती हैं, तो यह अधिक खूबसूरत लगता है। वहीं बारिश के बाद यहां का मौसम बहुत ठंडा हो जाता है। इसलिए अगर आप हैदराबाद घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको हुसैन सागर झील को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

मौला अली हिल

हैदराबाद में मौला अली हिल बारिश के मौसम में काफी खूबसूरत हो जाता है। यहां से आपको पूरे हैदराबाद का नजारा बेहद हसीन दिखता है। वहीं सबसे अच्छी बात यह है कि आपको यहां पर ज्यादा भीड़ नहीं मिलेगी।

भारत की विरासत को करीब से देखने के लिए जरूर घूमें बिहार की ये जगहें, टूरिस्ट की नहीं मिलेगी भीड़

अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं।

जब भी भारत में विरासत की बात की जाती है, तो सबसे पहले राजस्थान के किले और दिल्ली के फेमस स्मारकों की चर्चा सबसे ज्यादा होती है। लेकिन इन सबके बीच बिहार लोगों के दिमाग से निकल जाता है। अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहार के उन विरासत स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में काफी कम लोग जानते हैं।

तेलहरा

तेलहरा बिहार में नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड का गांव है। यह प्राचीन भारत में एक बौद्ध मठ का स्थल हुआ करता था, जोकि पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व का है। लेकिन इस जगह के बारे में भी बहुत कम लोगों को जानकारी है। भारत के इतिहास से जुड़ी कई चीजों को खोजने के लिए इस स्थान पर खुदाई चल रही है, ऐसे में आप भी यहां पर जा सकते हैं। इसके साथ ही बौद्ध मठ स्थल जाना न भूलें। यहां पर ध्यान कक्ष और प्रार्थना कक्ष में आपको काफी शांति मिलेगी।

रोहतासगढ़ किला

रोहतास जिले में एक पहाड़ी की चोटी पर रोहतासगढ़ किला स्थित है। यह किला काफी प्राचीन है, जिस कारण इसको भूतिया भी कहा जाता है। रोहतासगढ़ किले का निर्माण शेरशाह शूरी ने कराया था। यह बेहद विशाल किला है और रहस्यमय चीजों से भरा हुआ है। हालांकि इस किले तक पहुंचने के लिए आपको थोड़ी मेहनत जरूर करनी पड़ेगी। इस किले तक पहुंचने वाली चढ़ाई आपको थका देगी। जिन लोगों को घूमने-फिरने और एडवेंचर का शौक है, उनके लिए यह जगह परफेक्ट है। आपको यहां पर अकेले जाने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि स्थानीय लोग यहां पर भूत-प्रेत होने का दावा करते हैं।

केसरिया स्तूप

बिहार में मौजूद केसरिया स्तूप के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। यह स्तूप 10 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग से भी ज्यादा ऊंचा है। 104 फीट ऊंचे इस स्तूप को दुनिया के सबसे बड़े बौद्ध स्तूपों में से एक है। अगर आप भारत के विरासत स्थलों को देखने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको यहां पर जरूर आना चाहिए। यहां पर आपको भीड़ भी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको यहां पर गहरी आध्यात्मिक शांति जरूर मिलेगी, जोकि अन्य फेमस स्थानों पर नहीं मिल सकती है।

विक्रमशिला

बता दें कि विक्रमशिला महाविहार भारत का एक फेमस शिक्षा-केंद्र था। यह प्राचीन भारत के शीर्ष बौद्ध विश्वविद्यालयों में से एक था। हालांकि अब यह विश्वविद्यालय सिर्फ एक खंडहर के रूप में दिखाई देता है। वहीं कुछ समय पहले पीएम मोदी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उद्धार की बात की थी। ऐसे में अगर आप प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय देखने के इच्छुक हैं, तो आप यहां पर आ सकते हैं।

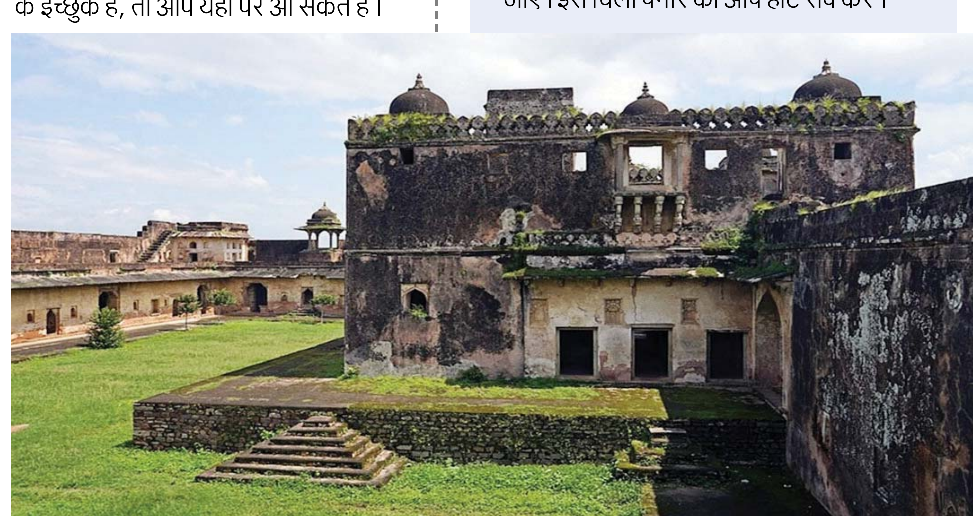

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत के बाद बोले रोनाल्डो- वी आर बैक...

हुआस्टन, एजेंसी। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने उज्बेकिस्तान के खिलाफ मिली जीत के बाद 'वी आर बैक', यानी हम वापस आ गए कहा। रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप के इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और दो गोल किए जिससे पुर्तगाल ने ग्रुप के मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 5-0 से करारी मात दी। इस जीत के साथ ही पुर्तगाल ने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है।

मैच में चमके रोनाल्डो

रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, जिसका दबाव उन पर दिख रहा था। रोनाल्डो ने इस मैच में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पहले छठे मिनट में गोल किया और फिर पहला हाफ खत्म होने से 39वें मिनट में दूसरा गोल दागा। रोनाल्डो इन दो गोल की मदद से पुर्तगाल के लिए विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। इतना ही नहीं रोनाल्डो छह अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

जीत के बाद गदगद हुए रोनाल्डो

उज्बेकिस्तान के खिलाफ जैसे ही पुर्तगाल ने जीत दर्ज की, रोनाल्डो खुशी से झूम उठे। रोनाल्डो दर्शक दीर्घा के पास जाकर कुछ बोलते सुनाई दिए। उन्होंने बाद में इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाल लिखा, 'वी आर बैक।' फोटो में वह अपनी सिग्नेचर स्टाइल में खड़े नजर आए। रोनाल्डो और पुर्तगाल के लिए यह जीत काफी अहम है क्योंकि टीम के लिए फीफा विश्व कप की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने डीआर कांगो के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था, लेकिन उज्बेकिस्तान के खिलाफ पुर्तगाल पूरे दम में नजर आई और एकतरफा अंदाज में मैच जीता।

पुर्तगाल ने नॉकआउट की ओर बढ़ाए कदम

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के दो गोल की मदद से पुर्तगाल ने उज्बेकिस्तान को 5-0 से हराया। पुर्तगाल ने पिछले मैच में ड्रॉ खेला था, लेकिन टीम इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही। टीम के लिए रोनाल्डो ने दमदार प्रदर्शन किया। रोनाल्डो ने मैच के बाद 'आई एम बैक', यानी मैं वापस आ गया हूं कहा। रोनाल्डो पिछले मैच में गोल नहीं कर सके थे, लेकिन इस मैच में दमदार प्रदर्शन करने में सफल रहे। उज्बेकिस्तान की टीम का सफर ग्रुप चरण में ही थम गया।

पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो के अलावा नूनो मेंडेस और राफेल लियाओ ने एक-एक गोल किए। वहीं, उज्बेकिस्तान के नेमातोव ने आत्मघाती गोल किया।इसके साथ ही पुर्तगाल ग्रुप के में चार अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और उसने नॉकआउट के लिए दावा मजबूत कर लिया है। पुर्तगाल के दो मैचों में एक जीत और एक ड्रा से चार अंक हो गए हैं। दूसरे स्थान पर कोलंबिया है जो एक मैच में एक जीत के साथ तीन अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। कोंगो डीआर एक अंक के साथ तीसरे और उज्बेकिस्तान दो मैच में दो हार के साथ चौथे स्थान पर है।

उज्बेक खिलाड़ी ने किया आत्मघाती गोल

दूसरे हाफ में उज्बेकिस्तान के अब्दुखोदिर खुसानोव ने आत्मघाती गोल किया जिससे पुर्तगाल 4-0 की बढ़त बनाने में सफल रहा। दरअसल, पुर्तगाल के ब्रूनो फर्नांडेस ने कॉर्नर पर किक मारा और गोल पोस्ट के पास खड़े खुसानोव के कंधे से लगते ही गेंद गोल पोस्ट को पार कर गई। इसके बाद पुर्तगाल ने पांचवां गोल कर उज्बेकिस्तान के खिलाफ बढ़त को बेहद मजबूत कर लिया। पुर्तगाल के लिए पांचवां गोल राफेल लियाओ ने 87वें मिनट में किया। उज्बेकिस्तान की टीम अंत तक मैच में एक भी गोल नहीं कर सकी।

लियोनल मेसी: 39 के हुए फुटबॉल के जादूगर!

संन्यास लिया...वापसी की और फिर दुनिया जीत ली

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में महानतम खिलाड़ी को लेकर बहस कभी खत्म नहीं होती, लेकिन जब आंकड़ों, उपलब्धियों और मैदान पर जादू की बात आती है तो लियोनल मेसी का नाम सबसे आगे दिखाई देता है। 24 जून 1987 को अर्जेंटीना के रोसारियो शहर में जन्मे मेसी आज 39 साल के हो गए हैं। उनका यह जन्मदिन इसलिए भी खास है क्योंकि वह फीफा विश्व कप 2026 में शानदार फॉर्म में हैं। मेसी ने विश्वकप में ओवरऑल मिरोस्लाव क्लोज के सबसे ज्यादा गोल का रिकॉर्ड तोड़ा और फिलहाल पांच गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष गोल स्कोरर बने हुए हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। ऐसे में पूरी दुनिया एक बार फिर उस खिलाड़ी का जश्न मना रही है जिसने अपने करियर में लगभग हर सपना पूरा किया।

बीमारी से जंग, फिर दुनिया पर राज

आज जिस खिलाड़ी को दुनिया फुटबॉल का भगवान कहती है, उसका बचपन संघर्षों से भरा था। महज 11 साल की उम्र में मेसी को ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी नामक बीमारी हो गई थी। इस बीमारी के कारण उनका शारीरिक विकास रुक गया था और इलाज बेहद महंगा था।उनके परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी मजबूत नहीं थी कि लगातार इलाज का खर्च उठा सके। तभी स्पेनिश क्लब बार्सिलोना ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और इलाज का पूरा खर्च उठाने का फैसला किया। कहा जाता है कि मेसी का पहला अनुबंध एक नैपकिन पेपर पर लिखा गया था। वही नैपकिन आगे चलकर फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित कहानियों में शामिल हो गई।

बार्सिलोना में शुरू हुआ स्वर्णिम युग

बार्सिलोना पहुंचने के बाद मेसी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। अगले डेढ़ दशक तक उन्होंने क्लब फुटबॉल पर लगभग एकछत्र राज किया। बार्सिलोना के लिए उन्होंने 778 मैचों में 672 गोल किए और क्लब के सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गोल स्कोरर बने। उनके नेतृत्व में बार्सिलोना ने 10 ला लीगा, 4 यूईएफए चैंपियंस लीग, 7 कोपा डेल रे और कई अन्य ट्रॉफियां जीतीं। साल 2012 उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 91 गोल दागकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

आलोचनाओं से टूटे, संन्यास लेकर दुनिया को चौंकाया

मेसी के करियर का सबसे भावुक पल 2016 में आया। अर्जेंटीना लगातार बड़े टूर्नामेंटों के फाइनल हार रहा था और कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ पेनाल्टी चूकने के बाद मेसी बुरी तरह टूट गए। मैच के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। यह खबर सुनकर अर्जेंटीना ही नहीं, पूरी दुनिया के फुटबॉल प्रशंसक स्तब्ध रह गए। आलोचकों का मानना था कि मेसी दबाव में बड़े खिताब नहीं जिता सकते। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।अर्जेंटीना की जनता, पूर्व खिलाड़ियों और देशभर से उठी भावनात्मक अपीलों के बाद मेसी ने अपना फैसला बदला और राष्ट्रीय टीम में लौट आए। इसके बाद उन्होंने वह कर दिखाया जिसका इंतजार करोड़ों अर्जेंटीनी वर्षों से कर रहे थे। 2021 में अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका जिताकर उन्होंने 28 साल का खिताबी सूखा खत्म किया। इसके बाद 2022 में फाइनलिसिमा और फिर विश्व कप जीतकर उन्होंने अपने करियर की सबसे बड़ी कमी भी पूरी कर ली। उनकी वापसी फुटबॉल इतिहास की सबसे सफल वापसी में गिनी जाती है।

एशियन गेम्स से बाहर होने पर मनिका ने उठाए सवाल

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

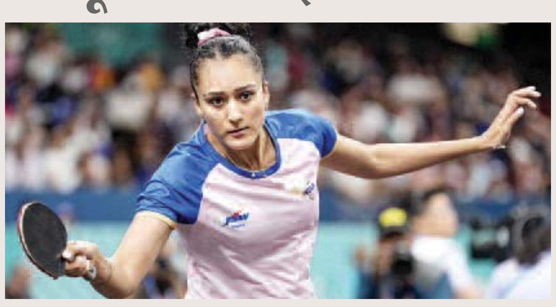

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा एशियन गेम्स 2026 के लिए घोषित भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद लगातार चर्चा में हैं। चयन को लेकर उठे विवाद के बीच मनिका ने एक बार फिर अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है कि वह किसी विशेष रियायत या टीम में जबरन जगह की मांग नहीं कर रही हैं, बल्कि केवल यह जानना चाहती हैं कि आखिर उन्हें चयन के योग्य क्यों नहीं माना गया।मनिका ने चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और फैसलों में कथित मनमानी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया से हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा है कि यदि उन्हें इस फैसले के पीछे की वजह का संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो वह कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगी।

मुझे टीम नहीं, जवाब चाहिए

मनिका ने अपने बयान में कहा, 'पिछले दो दशकों से मुझे सर्वोच्च स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। अपने पूरे करियर में मैंने जीत, हार, चयन और चयन न होने, सभी परिस्थितियों को स्वीकार किया है। यह खेल का हिस्सा है। लेकिन जिस बात को स्वीकार करना मुश्किल है, वह है पारदर्शिता की कमी और मनमानी।'उन्होंने आगे कहा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैं चयन की मांग नहीं कर रही हूं और न ही किसी से फैसला बदलने को कह रही हूं। मैं सिर्फ जवाब मांग रही हूं। मुझे यह नहीं बताया गया कि मेरा चयन क्यों नहीं किया गया। यदि मुझे इस फैसले के आधार के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं मिलता, तो मेरे पास कानूनी विकल्प अपनाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।'

रैंकिंग और फॉर्म को लेकर उठाए सवाल

विश्व रैंकिंग में 51वें स्थान पर काबिज मनिका ने पूछा कि आखिर किस आधार पर खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया गया। उन्होंने कहा कि टेबल टेनिस की रैंकिंग हर सप्ताह बदलती रहती है, ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि चयन किसी एक सप्ताह, दो महीने, छह महीने या पूरे वर्ष के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। मनिका का मानना है कि केवल रैंकिंग ही नहीं, बल्कि हालिया प्रदर्शन और मौजूदा फॉर्म को भी चयन का आधार बनाया जाना चाहिए।

वोटिंग आधारित चयन पर भी जताई चिंता

मनिका ने उन रिपोर्टों पर भी सवाल उठाए, जिनमें दावा किया गया था कि अंतिम चयन वोटिंग के जरिए किया गया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो खिलाड़ियों को यह जानने का अधिकार है कि किसने और किन कारणों से फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'अगर मेरे खिलाफ वोटिंग हुई है तो उसके पीछे क्या कारण थे? क्या फैसला खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर लिया गया था या व्यक्तिगत राय के आधार पर? इन सवालों के जवाब पारदर्शी तरीके से सामने आने चाहिए।'

शुभमन गिल वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच

दुबई। भारत के ओपनर शुभमन गिल की ताजा वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने अलग-अलग फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन के बाद टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष पर बदलाव हुआ है जिसमें इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जो रूट ने फिर से नंबर 1 स्थान हासिल किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ रूट के 46 और 77 रनों के स्कोर ने उन्हें दो स्थान ऊपर चढ़ने और अपने साथी हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड से आगे निकलने में मदद की जिससे वे अपने करियर में 12वीं बार शीर्ष स्थान पर पहुंचे।

हालिया प्रदर्शन के बाद गिल तीन स्थान ऊपर चढ़े और अब वनडे बल्लेबाजों में दूसरे स्थान पर हैं जो शीर्ष रैंकिंग वाले डेरिल मिशेल से केवल 24 रेटिंग अंक पीछे हैं। भारत के ही बल्लेबाज ईशान किशन ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

यशस्वी को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म...

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलेंगे हार्दिक पांड्या !

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2027 का सीजन अभी दूर है, लेकिन फ्रेंचाइजी ने अभी से इसकी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। मुंबई इंडियंस में हार्दिक पांड्या की वापसी सुखद नहीं रही है और जब से वह टीम में दोबारा शामिल हुए हैं, तभी से टीम और स्वंय उनके लिए चीजें विपरीत होती चली गई हैं। अब खबर आ रही है कि हार्दिक ने मुंबई इंडियंस से राहें अलग करने का मन बना लिया है और उन्हें इसके लिए दो प्रस्ताव मिले हैं।

केकेआर ने मुंबई से साधा संपर्क

शाहरुख खान के सहस्वामित्व वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की ओर से हार्दिक को दो प्रस्ताव मिले हैं। सूत्र ने बताया कि नाइट राइडर्स के शीर्ष प्रबंधन और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर कई बार बातचीत हुई है। सूत्र ने बताया, अजिंक्य रहाणे केकेआर के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सत्र के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। केकेआर के बड़े अधिकारियों ने पिछले सत्र के आखिर में मुंबई इंडियंस के मालिकों से संपर्क किया था लेकिन उस समय रिलायंस की सालाना आम बैठक होने वाली थी इसलिए उस समय आईपीएल ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी। हालांकि पता चला है कि केकेआर ने फिर से मुंबई इंडियंस के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है। यह तय है कि अगर हार्दिक पूरी तरह से नकद करार या खिलाड़ी की अदला-बदली के जरिए केकेआर में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि मुंबई की टीम इस स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह नकद करार चाहती है या खिलाड़ी की अदला-बदली तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

ट्रेड को लेकर क्या कहते हैं आईपीएल के नियम

आईपीएल के नियमों में साफ कहा गया है कि कोई खिलाड़ी टीम छोड़ने को लेकर किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी के बीच ही हो सकती है। यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है तो उसे रिलीज करके वापस नीलामी में भेजना होगा।

राजस्थान से मिली ट्रेड की पेशकश

मुंबई को मिली दूसरी पेशकश यशस्वी जायसवाल और हार्दिक के बीच अदला-बदली की बताई जा रही है, लेकिन पक्के तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि बातचीत आगे बढ़ी है या नहीं। हालांकि रॉयल्स की टीम असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रही है इसलिए हार्दिक को कप्तानी की भूमिका मिलना मुश्किल होगा। अगर हार्दिक किसी अन्य टीम के साथ जुड़ते हैं तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना में केकेआर फिलहाल कहीं अधिक बेहतर विकल्प लग रहा है।

ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ जारी, पाकिस्तान को 113 रन से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 113 रन से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। एलिस पेरी ने 71 रन बनाने के साथ दो विकेट भी लिए। दूसरी ओर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने नाबाद 106 रन की पारी खेलकर आयरलैंड के खिलाफ टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। वहीं न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर अंतिम चार की उम्मीदें बरकरार रखीं।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराया

लीड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 199/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम को पहला झटका मैच की पहली ही गेंद पर बेथ मूनी के रूप में लगा, लेकिन इसके बाद एलिस पेरी और जॉर्जिया वोल ने पाकिस्तान के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए केवल 56 गेंदों में 100 रन की साझेदारी की। वोल ने 39 रन बनाए, जबकि पेरी ने 48 गेंदों में 71 रन की शानदार पारी खेली। अंत में एनाबेल सदरलैंड (27) और निकोला कैरी (26) ने तेजी से रन जोड़कर स्कोर को 199 तक पहुंचाया।जवाब में पाकिस्तान की टीम महज 86 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से मुनीबा अली ने सर्वाधिक 32 रन बनाए, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। पाकिस्तान की पारी तीन रन आउट से भी प्रभावित रही। गेंदबाजी में पेरी ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके, जबकि कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स और सदरलैंड ने भी दो-दो विकेट लिए।

सेमीफाइनल अभी भी पूरी तरह तय नहीं

चार मैचों में चार जीत के बावजूद ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की जगह अभी आधिकारिक रूप से पक्की नहीं हुई है। दक्षिण अफ्रीका और भारत भी चार-चार जीत के साथ बराबरी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया का अगला मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स में भारत से होगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यूक्स ने कहा, 'हमारे पास विकल्प हैं, गहराई है और टीम अच्छी स्थिति में है। हालांकि अभी भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें और बेहतर होना है।' ब्रिस्टल में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 106 रन की विस्फोटक पारी खेली। यह महिला टी20 विश्व कप इतिहास का आठवां शतक और अटापट्टू के टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा शतक रहा। उन्होंने टीम के 134 रन में से 106 रन अकेले बनाए। उनकी पारी में 17 चौके शामिल रहे और उन्होंने विजयी रन भी खुद ही लगाए। दो दिन पहले ही अटापट्टू ने खुद को कप्तान के रूप में असफल बताया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने बल्ले से शानदार जवाब दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैं जल्दी आउट हो गई थी और उससे निराश थी। लेकिन आज हमने जीत हासिल की और एक खिलाड़ी तथा कप्तान के रूप में मेरे लिए यही सबसे महत्वपूर्ण है। मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला और हमेशा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी की।' श्रीलंका ने यह मुकाबला 4.3 ओवर शेष रहते नौ विकेट से जीत लिया। दिन के दूसरे मुकाबले में न्यूजीलैंड ने स्कॉटलैंड को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवित रखा। स्कॉटलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131/7 का स्कोर बनाया। डार्सी कार्टर ने शानदार नाबाद 72 रन बनाए।

फिल्मों के बजट का बड़ा हिस्सा स्टार्स पर खर्च होता है

पंजाबी एक्टर गिप्पी ग्रेवाल की फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा 4' इस महीने रिलीज को तैयार है। इससे पहले हाल ही में उन्होंने भारतीय सिनेमा में बजट के मॉडल को लेकर बात की। उन्होंने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि पूरे बजट का एक बड़ा हिस्सा सितारे ले लेते हैं। इसके बाद प्रोडक्शन के लिए कम बजट बचता है। यह मॉडल लंबे वक्त तक नहीं चलेगा।

गिप्पी ग्रेवाल ने बॉलीवुड की टूटी अर्थव्यवस्था और खराब बजट मॉडल पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि फिल्मों से 79 प्रतिशत हिस्सा एक्टर ले जाते हैं। उनका कहना है कि बजट इंडस्ट्री की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा कि स्टार्स की बढ़ती फीस और घटता प्रोडक्शन बजट। इंडियन सिनेमा में बजट का एक ऐसा मॉडल बन गया है, जो लंबे समय तक नहीं चल सकता। इसमें फिल्म के बजट का बहुत बड़ा हिस्सा प्रोडक्शन के बजाय टैलेंट (स्टार्स) पर खर्च हो जाता है।

विदेशी इंडस्ट्री से तुलना की

गिप्पी ग्रेवाल का कहना है, 'कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में, कास्ट, डायरेक्टर और राइटर की कुल फीस फिल्म के बजट का लगभग 21 प्रतिशत होती है। बाकी 79 प्रतिशत हिस्सा फिल्म बनाने में खर्च होता है। यहां अक्सर इसका उल्टा होता है'। गिप्पी ग्रेवाल ने कहा, 'लगभग 79 प्रतिशत हिस्सा तो टीम ही ले जाती है, जिससे फिल्म बनाने के लिए बहुत कम पैसा बचता है। कलाकार करोड़ों रुपये लेते हैं और यहीं से असंतुलन शुरू होता है'।

लागत पर ध्यान की बजाय सुधार की जरूरत

गिप्पी ग्रेवाल का मानना है कि सिर्फ लागत कम करने पर ध्यान देने के बजाय, इंडस्ट्री को सुधार की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'यह रिकवरी मॉडल है। अगर रिकवरी स्वस्थ हो जाती है, तो उत्पादन मूल्यों में काफी सुधार हो सकता है। दिन के आखिर में, यह सब गणित है'। स्टार्स की फीस पर लगी सीमा (कैपिंग) को लेकर हो रही बहस पर वे कहते हैं कि बार-बार बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप होने के बावजूद मार्केट एक्टर्स को अच्छा पैसा देता रहता है।

अदा शर्मा की मराठी डेब्यू फिल्म 'गजरा' का एलान; साल 2027 में होगी रिलीज

'द केरल स्टोरी' और '1920' जैसी फिल्मों से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाली अदा शर्मा अब मराठी इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। उनकी पहली फिल्म होगी 'गजरा'। इसका एलान हो गया है। साथ ही पहली झलक भी सामने आई है। अदा शर्मा की डेब्यू मराठी फिल्म 'गजरा' का आधिकारिक एलान कर दिया गया है। यह फिल्म साल 2027 में रिलीज होगी। अदा इसमें लीड रोल निभाती नजर आएंगी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर यह जानकारी साझा की है। साथ ही लिखा है, 'मराठी में मेरी पहली फिल्म 'गजरा'। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है'।

अदा ने फैंस से की ये गुजारिश

अदा शर्मा ने आगे लिखा है, 'मेरी पहली फिल्म '1920' से 'केरल स्टोरी', 'सनफ्लावर', 'कमांडो', 'बस्तर', 'रीता सान्याल' तक, आपने मुझे बहुत प्यार दिया। हार्टअटैक, क्षणम, राणा विक्रम और मेरी सभी साउथ फिल्मों के लिए भी खूब प्यार दिया। मुझे अपने मराठी डेब्यू के लिए भी आप सभी के आशीर्वाद, साथ और प्यार की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि मैं आप सभी को गौरवान्वित कर सकूंगी और एक ऐसी फिल्म बना सकूंगी, जिसे आप सभी पसंद करें।

सच्ची घटना पर आधारित होगी कहानी

फिल्म का पोस्टर काफी दिलचस्प है। इससे सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक अंधेरे, परेशान करने वाली और कठिन कहानी का संकेत मिल रहा है। अदा शर्मा की इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण अमोल बोरकर कर रहे हैं। गणराज स्टूडियोज की पेशकश फिल्म 'गजरा' जिग जैग प्रोडक्शन्स की पहली फिल्म है। अदा ने अपने पोस्ट में यह बताया है कि यह फिल्म सच्ची घटना पर बेस्ड है।

देवदत्त मनीषा बाजी का होगा संगीत

फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी देवदत्त मनीषा बाजी संभालेंगे। बता दें कि देवदत्त महाराष्ट्र के एक जाने-माने संगीतकार, म्यूजिक अरेंजर और प्रोड्यूसर हैं। वे मराठी सिनेमा में अपने शानदार ऐतिहासिक और लोक-संगीत के लिए विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

बॉक्स ऑफिस को लेकर आज भी एक्साइटमेंट और टेंशन

अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज से पहले सुनील शेट्टी ने बताया कि बॉक्स ऑफिस को लेकर आज भी एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट बनी रहती है।

बातचीत में सुनील शेट्टी ने कहा कि एक फिल्म की सफलता काफी हद तक उसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, 'सब कुछ इससे जुड़ा होता है। एक शुक्रवार को आप टॉप पर हो सकते हैं और अगले शुक्रवार को नहीं भी हो सकते। इसलिए एक्साइटमेंट, टेंशन और घबराहट हमेशा रहती है।'

क्या है सेफ्टी नेट

इस पर सुनील ने कहा, 'इस फिल्म में बहुत शानदार स्टार कास्ट है- अक्षय, परेश जी, जॉनी भाई, अरशद, तुषार, श्रेयस, दलेर पाजी और कई दूसरे कलाकार। इतने टैलेंटेड लोगों के साथ काम करना एक तरह का सेफ्टी नेट देता है।' सुनील ने आगे कहा, 'फिल्म बहुत एंटरटेनिंग है। मैं यह नहीं कह सकता कि यह अच्छी है या खराब, क्योंकि हर किसी का नजरिया अलग होता है। जब हम फिल्म देखते हैं, तो हमें बहुत मजा आता है। लेकिन जब दर्शक शुक्रवार को इसे देखेंगे, तो उनका नजरिया बिल्कुल अलग हो सकता है।' फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' 26 जून को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में अक्षय और सुनील शेट्टी के अलावा दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह भी हैं। इनके अलावा भी कई एक्टर्स इस फिल्म का हिस्सा हैं।

वेब सीरीज 'राख' से बदली दिव्या शर्मा की जिंदगी

अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'राख' में दिव्या शर्मा ने सुमन की भूमिका निभाई है। इस सीरीज में अली फजल मुख्य भूमिका में नजर आए। 1978 के कुख्यात रंगा-बिल्ला केस से प्रेरित इस सीरीज से दिव्या की जिंदगी में काफी बदलाव आए हैं। जिसकी खास झलक उन्होंने तस्वीरों के जरिए सोशल मीडिया पर शेयर की है। दिव्या ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। जिससे साफ पता चल रहा है कि सीरीज 'राख' ने उनकी जिंदगी कितनी बदल दी है। इस तस्वीर में दिव्या 'मिर्जापुर' फेम श्वेता त्रिपाठी उर्फ गोलू के साथ बेहद खुश दिख रही हैं। बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने वेब सीरीज का एक खास पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्टर के साथ करण जौहर ने दिव्या की तारीफ की है। करण ने लिखा, ' दिव्या शर्मा, आप बहुत बढ़िया हैं।' इस तस्वीर में दिव्या के साथ फिल्म 'राख' की पूरी टीम के सदस्य पोज देते नजर आ रहे हैं। इस सीरीज में अली फजल और सोनाली बेंद्रे मुख्य भूमिका में हैं। वहीं आकाश मखीजा, रमनदीप यादव, दिव्या शर्मा और विवान शर्मा भी वेब सीरीज में खास भूमिका निभाई है। वेब सीरीज 'राख' का निर्देशन 'परी' और 'पाताल लोक' जैसी डार्क दुनिया रच चुके प्रोसित रॉय ने किया है। यह सीरीज अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम हो चुकी है। इस तस्वीर में दिव्या सीरीज 'राख' के पोस्टर के

सामने पोज देती नजर आ रही हैं। इससे पहले दिव्या 'ग्राम चिकित्सालय' में जुही के किरदार में नजर आईं थीं। सीरीज में सुमन को एक 16 साल की मासूम लेकिन समझदार लड़की के रूप में दिखाया गया है, जो अपने भाई के साथ घर से निकलती है और फिर दोनों लापता हो जाते हैं। सीरीज 'राख' में दिव्या शर्मा के अभिनय की हर कोई तारीफ कर रहा है। इस किरदार में दिव्या काफी नेचुरल और प्रभावशाली नजर आईं, जो उन्हें खास बनाती है। 'ग्राम चिकित्सालय' में दिव्या ने जुही का किरदार निभाया है। ये वेब सीरीज भी अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी। इस शो के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं।

करियर में आए बदलावों पर प्रियंका चोपड़ा ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड से निकल हॉलीवुड तक नाम कमा चुकीं प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल स्टार हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह भारी-भरकम बजट में बनी फिल्म है, जिससे प्रियंका चोपड़ा को बहुत उम्मीदे हैं। एसएस राजामौली की इस फिल्म में प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में प्रियंका ने इस फिल्म पर बात की। साथ ही बताया कि वे जल्द ही एंजेलिना जोली के साथ काम करेंगी। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने फ्यूचर प्लान पर 'फॉर्च्यून इंडिया' से बात करते हुए बताया कि वे एंजेलिना जोली के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह प्रोजेक्ट कोई फिल्म होगी, विज्ञापन होगा या कोई चैरिटी से जुड़ा काम। प्रियंका ने हॉलीवुड की उन महिलाओं में एंजेलिना जोली का भी जिक्र किया, जिनसे उन्हें प्रेरणा मिलती है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर में हुई तरक्की के बारे में बात की। हैदराबाद में शूटिंग के दौरान अपनी जिंदगी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'फिल्म 'वाराणसी' के सेट पर शूटिंग का माहौल बहुत मजेदार है। सभी एक्टर्स के परिवार साथ में हैं। हम मस्ती कर रहे हैं। हंस-बोल रहे हैं। साथ ही काम पर पूरा ध्यान है। रिहर्सल और फोकस के साथ काम हो रहा है'। इतने वर्षों में अपने करियर में हुई तरक्की पर बात करते हुए देसी गर्ल ने माना कि अब उन्हें काम में ज्यादा क्रिएटिव आजादी मिलती है। उन्होंने कहा, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब स्क्रिप्ट्स मेरे हिसाब से नहीं लिखी जाती थीं। अब मैं अपने प्रोजेक्ट्स खुद चुन सकती हूं और बना सकती हूं। इंटरनेशनल लेवल पर प्रियंका चोपड़ा फिल्ममेकर मीरा नायर की बायोपिक ड्रामा 'अमरी' से भी जुड़ी हुई हैं।

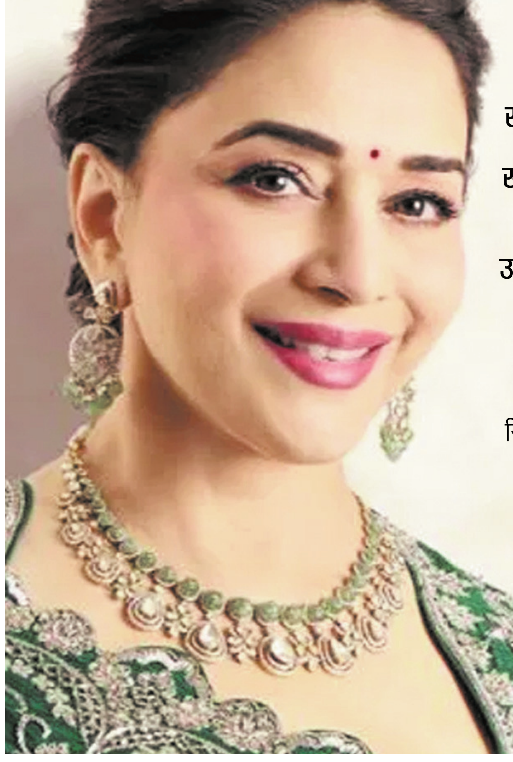

जो चीज खुशी दे, वो करना चाहिए

हमारे समाज में औरतों के चरित्र को उसके कपड़ों की लंबाई से जज किया जाता है और सोसायटी की इसी सोच पर चोट करती है, माधुरी दीक्षित की नई फिल्म मां बहन। फिर में सोसायटी के तमाम नियमों को तोड़ने वाली रूल बेक्रर रेखा बनी माधुरी दीक्षित ने खुद भी लोगों के जजमेंट का सामना किया है, मगर वह उनकी परवाह न करके अपनी मर्जी के मुताबिक जीने में यकीन रखती हैं।

लोगों के जजमेंट को लेकर माधुरी कहती हैं, 'समाज में जजमेंट तो है ही। आप चाहे स्क्रीन पर हों या किसी भी प्रफेशन में, हमें जज किया ही जाता है, खासकर सिंगल औरतों को और भी ज्यादा। मतलब वे काम से लेट आईं तो लोग कॉमेंट करना शुरू कर देते हैं कि अरे, इतनी देर से आ रही है। ऐसे ही हमारे भी प्रफेशन में है कि अच्छा, अब तो मां बन चुकी है, अभी भी क्यों काम कर रही हैं या ये कोई उम्र है क्या डांस करने की? ऐसे कॉमेंट भी आते हैं, जिसका सामना करना होता है, लेकिन मेरा मानना है कि जजमेंट के बावजूद आपको वो करना चाहिए जो चीज आपको खुशी देती है। कॉमेंट्स करना उन्हें खुशी देता है लेकिन हमें अपने आप में खुश रहना चाहिए।'

डांस से मुझे खुशी मिलती है

आज हम सोशल मीडिया के दौर में एज शेमिंग और वेट शेमिंग बहुत आम है। इस चलन पर माधुरी का कहना है, 'उम्र के साथ बदलाव आएगा ही। चेहरा बदलेगा, शरीर बदलेगा, लेकिन मैं फिर वही कहूंगी कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना। आपकी जिंदगी में लोगों की सोच का इतना प्रभाव नहीं होना चाहिए। आप वो करें जो आपको खुशी देता है। जैसे, मुझे डांस पसंद है तो मैं करूंगी क्योंकि उससे मुझे खुशी मिलती है। आप लोगों के नजरिए से हिसाब से अपनी जिंदगी नहीं जी सकते। आप अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जिएं, लोग तो बोलते रहेंगे। हां, कभी-कभी बुरा बेशक लगता है कि लोग ऐसा क्यों कह रहे हैं, लेकिन उसे इतना सीरियसली न लें कि उससे आपकी जिंदगी प्रभावित होने लगे।' वहीं, 59 की उम्र में भी बेहद खूबसूरत और फिट माधुरी की फिटनेस का राज पूछने पर बताती हैं, 'इसके पीछे बहुत अनुशासन है। डायट का ख्याल रखना। एक्सरसाइज करना। मेरा डांस ही बहुत बड़ा एक्सरसाइज है। इसके साथ साथ सही समय पर सोना, कोई बुरी आदतें नहीं, वो सब मायने रखता है।'

मैन्युल पढ़कर नहीं बन सकते मां

फिल्म में दो जवान बेटियों की मां की भूमिका निभा रहीं माधुरी मांओं को एक ऊंचे मकाम पर खड़ा कर दिए जाने पर भी सवाल करती हैं। बकौल माधुरी, 'मां को हम एक ऐसे ऊंचे मकाम पर खड़ा कर देते हैं कि मां कुछ गलत नहीं कर सकती। उन्हें ये करना चाहिए, वो करना चाहिए। उन्हें कुछ भी हो जाए, कितनी भी बीमार हो जाए, पर घर का ख्याल तो रखना ही चाहिए। हमें समझना चाहिए कि वो भी इंसान हैं और उन्हें भी उसी तरह से देखा जाना चाहिए। उनकी भी कभी तबीयत खराब होगी, वे भी आराम डिजर्व करती हैं।' वहीं, निजी जिंदगी में उनका अपने बेटों संग कैसा तालमेल रहता है? इस पर वह हंसकर कहती हैं, 'मां बनने का मतलब है केयास। उसके बाद उथल-पुथल ही रहता है जिंदगी में क्योंकि हर बच्चा अलग होता है और आपको उन्हें समझना होता है। बच्चा किसी मैनुअल के हिसाब से तो पाला नहीं जा सकता।

बहुत तैयारी से आते हैं आज के ऐक्टर्स

माधुरी अपने दौर और आज नई पीढ़ी के कलाकारों, दोनों के साथ काम कर रही हैं। ऐसे में, इन दोनों पीढ़ियों के कलाकारों में वह क्या अंतर पाती हैं? यह पूछने पर वह बताती हैं, 'पहले के कलाकार जब इंडस्ट्री में आते थे तो दूर-दूर तक फिल्मों के बारे में कुछ पता नहीं होता था। हम बिल्कुल भी अनुभवी नहीं थे। हमें यह भी पता नहीं था कि सेट कैसे होते हैं। हमने काम करते-करते सब सीखा, लेकिन आज की पीढ़ी बहुत सारे ऐक्टिंग क्लासेस डांस क्लासेस करके आती है। उन्होंने ऐक्टिंग सीखी होती है। रील्स बनाए होते हैं। जैसे, मैं धारणा (इंफ्लूएंसर कोस्टार धारणा दुर्गा) को देखती हूं तो मुझे उन पर बहुत गर्व होता है क्योंकि वह खुद अपना कॉन्टेंट लिखती हैं। उनका आब्जर्वेशन इतना स्ट्रॉन्ग है, फिर उसे कॉमिडी में ढालती हैं और लोगों को हंसाती हैं, वह कमाल की चीज है। हमारे यहां वुमन कमीडियंस बहुत कम रही हैं। ऐसे में आज जब मैं देखती हूं कि लड़कियां स्टैंड अप कॉमिडी कर रही हैं तो मुझे बहुत खुशी होती है। इसी तरह तृप्ति ने बहुत कमाल की फिल्में की हैं, जिसके बाद उन्हें पहचान मिली है। इस फिल्म में भी उनका अभिनय लाजवाब है तो मुझे इन पर बहुत गर्व होता है कि इन्होंने बहुत कम समय में इतना कुछ हासिल किया है।'

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी सेना के खिलाफ सड़कों पर उतरे स्कूली बच्चे और महिलाएं, भड़का जनाक्रोश ; नारे लगाकर मांगी आजादी

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य दमन के खिलाफ जारी जनांदोलन में 10-12 साल के स्कूली बच्चे और महिलाएं भी भारी संख्या में सड़कों पर उतर आए हैं। प्रदर्शनकारी खुलेआम आजादी के नारे लगा रहे हैं और पाकिस्तान सरकार की कड़े शब्दों में निंदा कर रहे हैं। रावलकोट के ईदगाह मैदान में पिछले 11 दिनों से 70,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों का धरना भी जारी है। वहीं सुधनोती जिले के तरार खेल में छोटे-छोटे स्कूली बच्चों ने सार्वजनिक चौकों पर एकत्र होकर स्वतंत्रता के समर्थन में नारेबाजी की। मंधोल में सैकड़ों महिलाओं ने मार्च निकालकर पाकिस्तानी सरकार और सेना को अवैध कब्जाधारी करार दिया। रावलकोट में प्रदर्शन कर रहे बच्चों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर-सेना बाहर जाओ जैसे नारे लिखे थे। आंदोलन की अगुवाई कर रही अवामी एक्शन कमेटी ने पाकिस्तानी सरकार को अपनी 38 सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार करने के लिए 23 जून तक का अल्टीमेटम दिया है। ईदगाह मैदान में हजारों लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए संगठन के नेता सरदार अमान खान ने बेहद तीखा और भावुक भाषण दिया। उन्होंने पाकिस्तानी सेना को सीधे तौर पर चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने दमन जारी रखा, तो पूरे सैन्य ढांचे को पीओके से बाहर खदेड़ दिया जाएगा।

ट्रम्प समर्थित एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला बने कोलंबिया के राष्ट्रपति

बोगोटा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के समर्थित उम्मीदवार एबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने कोलंबिया का राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। शुरुआती मतगणना के अनुसार उन्होंने वामपंथी उम्मीदवार इवान सेपेदा को करीबी मुकाबले में करीब 2.5 लाख वोटों से हराया। उनकी जीत को देश की राजनीति में दक्षिणपंथी और राष्ट्रवादी रुझान की वापसी के रूप में देखा जा रहा है। करीब सभी वोटों की गिनती पूरी होने के बाद डी ला एस्प्रिएला को 49.66% वोट मिले, जबकि इवान सेपेदा को 48.70% वोट प्राप्त हुए। चुनाव परिणाम के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें फोन कर बधाई दी। समर्थकों के बीच 'द टाइगर' के नाम से लोकप्रिय डी ला एस्प्रिएला ने चुनाव अभियान में अपराध नियंत्रण, आर्थिक सुधार और ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत बनाने को प्रमुख मुद्दा बनाया था।

फिलीपींस के टैक्लोबन में स्कूल के भीतर अंधाधुंध फायरिंग, 3 की मौत से मचा कोहराम ; दहल उठा पूरा इलाका

टैक्लोबन , एजेंसी। फिलीपींस के टैक्लोबन शहर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक स्कूल परिसर के भीतर हुई अंधाधुंध गोलीबारी ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के तुरंत बाद स्कूल परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में भारी दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहां मौजूद लोगों के अनुसार, स्कूल के भीतर अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई देने लगी, जिसके बाद वहां मौजूद छात्र, शिक्षक और कर्मचारी अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। अचानक हुए इस हमले से परिसर में मौजूद लोगों के बीच भारी दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने पूरे स्कूल परिसर को घेर लिया है और मौके से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक हमले के पीछे की मुख्य वजह और संदिग्धों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। फिलहाल शुरुआती जांच में तीन मौतों की पुष्टि हुई है, लेकिन घायलों की सटीक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस घटना के बाद, स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आसपास के अन्य स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है।

ताइवान ने शुरू किया पांच दिवसीय सैन्य अभ्यास

ताइपे, एजेंसी। चीन से संभावित सैन्य खतरे के बीच ताइवान ने सोमवार से पांच दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया। इस अभ्यास का उद्देश्य सेना की युद्ध तैयारी और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना है। अभ्यास के तहत ताइवान के ताओयुआन शहर की सड़कों और राजमार्गों पर टैंक तथा बख्तरबंद सैन्य वाहन गश्त करते नजर आए। ताओयुआन में ताइवान का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इमीडिएट कॉम्बैट रेडीनेस एक्सरसाइज नामक यह अभ्यास वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है।

गाजा में इजराइली हमले में परीक्षा देने जा रही 16 वर्षीय छात्रा की मौत, 3 अन्य घायल

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा पट्टी में सीजफायर के तमाम दावों के बावजूद मासूम नागरिकों की जान जाने का सिलसिला लगातार और दुखद रूप से जारी है। सोमवार को गाजा सिटी के एक बहुत ही व्यस्त और भीड़भाड़ वाले इलाके में एक भीषण और जानलेवा इजराइली हमला हुआ है। इस दर्दनाक हवाई हमले में एक 16 वर्षीय स्कूली छात्रा राघद हसन आशूर की मौके पर ही बहुत दर्दनाक मौत हो गई है। राघद उस समय अपने स्कूल में 11वीं कक्षा की अहम परीक्षा देने के लिए मुख्य सड़क से पैदल ही आगे जा रही थी।

इस अचानक हुए जोरदार धमाके ने आसपास के पूरे इलाके में भारी तबाही और गहरी दहशत का एक बड़ा माहौल पैदा कर दिया है। मृतका राघद के एक रिश्तेदार जमील आशूर ने विस्तार से बताया कि यह भीषण धमाका रिमल जिले की एक बहुत ही व्यस्त सड़क पर हुआ था। घटनास्थल पर मौजूद भयानक वीडियो में बहुत ही साफ तौर पर देखा जा सकता है कि हमले के बाद वहां दो गाड़ियां पूरी तरह से जलकर नष्ट हो चुकी थीं। इस भारी तबाही के भयंकर मंजर में सड़क पर हर तरफ खून के निशान मौजूद थे जो इस बड़ी त्रासदी की सीधी गवाही दे रहे थे।

हमास लड़ाके को निशाना बनाने का दावा : इस पूरे गंभीर मामले पर इजराइली सेना ने अपनी आधिकारिक सफाई देते हुए स्पष्ट रूप से कहा है कि उनका मुख्य निशाना हमास का एक लड़ाका था। हालांकि सेना ने अपने बयान में यह भी स्वीकार किया है कि इस सैन्य कार्रवाई में एक निर्दोष नागरिक के हताहत होने की जानकारी उन्हें जरूर मिली है। इस भीषण हवाई हमले में मासूम राघद की दर्दनाक मौत के अलावा तीन अन्य स्थानीय लोग भी बहुत ही बुरी तरह से घायल हुए हैं। इन सभी गंभीर घायलों को तुरंत ही पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका लगातार सघन और अहम इलाज किया जा रहा है।

शिफा अस्पताल में पसरा भारी मातम : इस दर्दनाक हमले के बाद राघद के शव को तुरंत गाजा के प्रसिद्ध शिफा अस्पताल में ले जाया गया जहां कोहराम मच गया। शिफा अस्पताल में राघद की बेहाल मां और सैकड़ों अन्य फिलिस्तीनी नागरिकों ने उस मासूम बच्ची को नम आंखों से अंतिम विदाई दी। युद्ध के बीच इस तरह से लगातार पिस रहे मासूम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर से दुनिया भर में गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सीजफायर के बावजूद नहीं रुक रही मौतें अक्टूबर में हुए संघर्ष विराम समझौते के बावजूद इस पूरे अशांत इलाके में भीषण हिंसा और बेगुनाहों की मौतों का दौर लगातार जारी है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के नए और ताजा आंकड़ों के अनुसार सीजफायर लागू होने के बाद से अब तक 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। वहीं 7 अक्टूबर 2023 से शुरू हुए इस भयंकर युद्ध में अब तक कुल 73,018 फिलिस्तीनियों की बहुत ही दर्दनाक रूप से जान जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की विस्तृत रिपोर्ट के मुताबिक इन मरने वालों में लगभग आधे से ज्यादा केवल बेगुनाह महिलाएं और मासूम बच्चे ही बड़े पैमाने पर शामिल हैं।

इजराइल और हमास का भीषण युद्ध : इस बड़े और विनाशकारी युद्ध की मुख्य शुरुआत तब हुई थी जब हमास के नेतृत्व वाले सशस्त्र लड़ाकों ने दक्षिणी इजराइल में अचानक भारी हमला किया था।

7 अक्टूबर 2023 को हुए उस बहुत ही बड़े और अप्रत्याशित हमले में 1,200 लोग मारे गए थे और 251 अन्य लोगों को बंधक बना लिया गया था। इजराइल का लगातार यही कहना है कि वे केवल उन बड़े खतरों को निशाना बना रहे हैं जो सीधे तौर पर उनकी अपनी सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। वहीं दूसरी तरफ इस सीजफायर समझौते के पूरी तरह से लागू होने के बाद से अब तक पांच इजराइली सैनिक भी इस संघर्ष में मारे जा चुके हैं।

ईरान युद्ध की ट्रंप ने चुकाई भारी कीमत, पेंटागन ने कांग्रेस से मांगे 80 अरब डॉलर; सांसदों में भारी नाराजगी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने सीनेटरों को बताया है कि उसे ईरान युद्ध के कारण लगभग 80 अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त धनराशि की जरूरत है। इस धनराशि का अधिकतर हिस्सा ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान की लागत को पूरा करने में खर्च होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित रक्षा बजट में भी भारी बढ़ोतरी की गई है और अब मांगी गई यह 80 अरब डॉलर की राशि रक्षा बजट से अलग है।

औपचारिक अनुरोध होना अभी बाकी : हालांकि, व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ मैनेजमेंट एंड बजट ने अभी तक कांग्रेस के सामने कोई औपचारिक अनुरोध पेश नहीं किया है। लेकिन रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ हाल के दिनों में कैपिटल हिल में सांसदों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। सोमवार शाम भी उन्होंने कई सांसदों से बातचीत की। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री के एक वरिष्ठ सहयोगी ने पिछले सप्ताह सीनेटरों को ईरान अभियान के लिए अतिरिक्त फंडिंग की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जानकारी सबसे पहले दी थी। ईरान युद्ध के लिए अरबों डॉलर की अतिरिक्त फंडिंग की मांग ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिका में राजनीतिक माहौल बेहद संवेदनशील बना हुआ है। कई सांसद ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ किए गए समझौते और युद्ध समाप्ति की रणनीति को लेकर संदेह जता रहे हैं तथा आगे की कार्रवाई को लेकर भी सतर्क हैं। व्हाइट हाउस ने इस वर्ष पेंटागन के लिए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड रक्षा बजट का प्रस्ताव रखा है सीनेट में रिपब्लिकन बहुमत के नेता जॉन थ्यून ने कहा कि उन्हें प्रशासन की ओर से युद्ध संबंधी अतिरिक्त व्यय का प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'जब यह प्रस्ताव आएगा।

मॉन्ट्रियल शहर के हिल्टन होटल में गोलीबारी, बंदूकधारी ने एक अधिकारी की हत्या, हमलावर भी ढेर

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर के एक होटल में एक संदिग्ध ने बंदूक से गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी गोलीबारी की और संदिग्ध को मार गिराया। इसमें एक नागरिक की भी मौत हो गई, लेकिन यह तुरंत साफ नहीं हो पाया कि गोली किसने चलाई।

एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल : पुलिस प्रमुख फाडी डागर ने बताया कि शहर के कोट-डेस-नीजेस इलाके में हुई गोलीबारी में एक दूसरा पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन उसकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि हमलावर को पुलिस ने गोली मारकर मार डाला। पुलिस प्रमुख ने कहा कि 24 वर्षों में यह पहली बार है कि मॉन्ट्रियल पुलिस का कोई अधिकारी ड्यूटी के दौरान शहीद हुआ है।

मकसद का पता लगाने की कोशिश में पुलिस : उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'यह बहुत ही दुखद दिन है। यह एक बुरे सपने जैसा है।' डागर ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:35 बजे किसी ने आपातकालीन सेवाओं को फोन करके हिल्टन होटल की खिड़की से बंदूक लहराते हुए एक व्यक्ति के बारे में सूचना दी। उन्होंने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची और उन पर गोलीबारी की गई। वीडियो में हमलावर होटल के बाहर भी दिखाई दिया।पुलिस अभी भी संदिग्ध के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रही है। डागर ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि नागरिक को गोली किसने मारी। गोलीबारी के पास निर्माण कार्य कर रहे जैकब कौटू ने बताया कि उन्होंने सोमवार सुबह चार-पांच गोलियों की आवाज सुनी।

उन्होंने कहा कि कुछ मिनट बाद, पुलिस अधिकारी बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंचने लगे और उन्होंने और भी गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने आगे बताया कि हमने पुलिसकर्मियों को गोलीबारी में उलझते और गोली लगने से घायल होते देखा। उनका अनुमान है कि उन्होंने 30 या 40 गोलियों की आवाज सुनी। सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारियों ने इलाके में एक हथियारबंद और खतरनाक संदिग्ध के बारे में आपातकालीन चेतावनी जारी की और निवासियों से अपने घरों के अंदर ही सुरक्षित रहने का आग्रह किया।

पाकिस्तान में 'बलूचिस्तान की शेरनी' महरंग बलोच को उम्रकैद की सजा, मचा भारी बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा में स्थित एंटी-टेररिज्म कोर्ट ने एक बहुत बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने 'बलूचिस्तान की शेरनी' के नाम से मशहूर चर्चित बलूच एक्टिविस्ट महरंग बलोच को उम्रकैद की सख्त सजा सुनाई है। यह फैसला साल 2024 में ग्वादर में हुई एक रैली के दौरान एक सिक्योरिटी अफसर की मौत के गंभीर मामले में सुनाया गया है। इस फैसले के बाद पूरे पाकिस्तान और बलूचिस्तान में भारी बवाल और विरोध प्रदर्शनों का एक नया दौर शुरू हो गया है। महरंग बलोच के साथ-साथ 'बलूच यकजेहती कमेटी' (बीवाईसी) के एक और बड़े नेता सिबगतुल्लाह शाह को भी उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। एंटी-टेररिज्म कोर्ट क्वेटा-1 के जज मुहम्मद अली मोबिन ने सोमवार को यह अहम फैसला सुनाया। यह

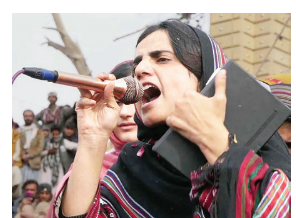

फैसला उस समय आया जब महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने कोर्ट की पूरी कार्रवाई का कड़ा बॉयकॉट कर रखा था। 12 जून से गिरफ्तार किए गए ये सभी बीवाईसी नेता कानूनी कार्रवाई के विरोध में क्वेटा जेल के अंदर ही अपना धरना दे रहे हैं।

ग्वादर विरोध प्रदर्शन का मामला : बीबीसी उर्दू के अनुसार यह पूरा मामला जुलाई 2024 में ग्वादर में बीवाईसी द्वारा आयोजित बलूच राजी माची सभा से जुड़ा हुआ है। इस सभा के दौरान एक सिक्योरिटी अफसर की मौत हो गई थी जिसके बाद यह कार्यक्रम धरने में बदल गया था। इस बड़ी सभा में सिर्फ बलूचिस्तान के लोग ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान और ईरान के बलूच लोग भी शामिल हुए थे। प्रदर्शन के दौरान बलूचिस्तान के कई जिलों में धरने आयोजित किए गए थे जिससे भारी बवाल मच गया था।

फैसले पर बीवाईसी की कड़ी निंदा : महरंग बलोच की 'बलूच यकजेहती कमेटी' ने इस उम्रकैद की सजा की कड़ी निंदा की है। संगठन ने इस अदालती फैसले को पाकिस्तान के बलूच देश के खिलाफ नफरत का इजहार बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस केस का कोई कानूनी आधार नहीं था और यह सरकार की तानाशाही के बराबर है। संगठन के अनुसार इस फैसले ने विरोध और संघर्ष के एक नए ऐतिहासिक दौर की शुरुआत कर दी है।

शांतिपूर्ण एक्टिविज्म को दबाने का आरोप : बीवाईसी ने पाकिस्तान के संस्थानों पर आरोप लगाया कि वे शांतिपूर्ण बलूच राजनीतिक एक्टिविज्म को दबा रहे हैं। उन्होंने अपना आंदोलन आगे भी जारी रखने की बात कही और कहा कि जेल इस बड़े आंदोलन को नहीं रोक सकती है। महरंग बलोच की बहन नादिया बलूच ने भी कोर्ट के इस कड़े फैसले को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने इसे बिना पहचान वाली कोर्ट का फैसला बताया क्योंकि लीगल टीम ने 12 जून से बॉयकॉट किया हुआ था। सरकार ने बॉयकॉट के दौरान आरोपियों का केस लड़ने के लिए अपनी तरफ से कुछ वकील नियुक्त किए थे। लेकिन महरंग बलोच और दूसरे बीवाईसी नेताओं ने उन सरकारी वकीलों को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया था।

यूएस फेडरल जज ने ट्रंप सरकार को दिया झटका, अमेरिकी नागरिकों की गोपनीय जानकारी के डेटाबेस को किया ब्लॉक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक फेडरल जज ने ट्रंप सरकार के उस डेटाबेस को रद्द कर दिया जिसमें अमेरिकी नागरिकों की गुप्त जानकारी थी। जज ने इसे गैर-कानूनी बताया, क्योंकि कई राज्यों ने इसका इस्तेमाल योग्य नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटाने के लिए किया था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, कोलंबिया के अमेरिकी जिला कोर्ट की जज स्पार्कल सूकनानन ने एक फैसले में लिखा, 'फेडरल सरकार ने जानबूझकर अमेरिकी नागरिकों के गोपनीयता के अधिकारों का इस तरह से उल्लंघन किया है जिससे वोट देने जैसे महत्वपूर्ण अधिकार को खतरा है। जब ऐसा हो रहा हो तो यह कोर्ट चुपचाप खड़ी नहीं रह सकती।' सूकनानन ने कहा कि फेडरल एजेंसियां संघीय चुनाव प्रणाली में बदलाव लाने वाले एक कार्यकारी आदेश का पालन करने की जल्दबाजी में थीं। इसी वजह से उन्होंने अव्यवस्थित तरीके से लाखों अमेरिकियों की निजी जानकारी को एकत्रित और पुनः उपयोग किया, जिसमें नागरिकता संबंधी वह डेटा भी शामिल था, जिसके अविश्वसनीय होने की जानकारी उन्हें पहले से थी।

उन्होंने आगे कहा, 'तब से, राज्यों ने डेटाबेस को एक्सेस करने के लिए फेडरल सरकार के साथ साझेदारी की है और गलत जानकारी के आधार पर अमेरिका के नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटा रहे हैं।' अमेरिकी जिला जज के अनुसार, 'यह मामला दो बुनियादी अधिकारों को दिखाता है जो अमेरिकियों को सरकारी दखल से बचाते हैं: गोपनीयता का अधिकार और वोट देने का अधिकार।'

ताजा फैसला सितंबर में दायर उस मुकदमे के जवाब में आया, जिसे मतदान अधिकार और गोपनीयता की वकालत करने वाले कई संगठनों के गठबंधन ने दायर किया था। इस गठबंधन का नेतृत्व 'लीग ऑफ वूमेन वोटर्स' कर रहा था। याचिका में 'सिस्टेमैटिक एलियन वेरिफिकेशन फॉर एंटाइटलमेंट्स' (एसएवीई) प्रणाली में किए गए बदलावों को चुनौती दी गई थी। यह प्रणाली अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) द्वारा संचालित की जाती है और नागरिकता तथा आव्रजन स्थिति की पुष्टि करने के लिए इस्तेमाल होती है। मार्च 2025 में, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी चुनावों में बड़े बदलाव के लिए एक बड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत फेडरल चुनावों में वोट देने के लिए रजिस्टर करने के लिए नागरिकता का डॉक्यूमेंट्री प्रूफ देना जरूरी होगा। उनका दावा था कि अमेरिका ने फेडरल चुनाव की जरूरतों को ठीक से लागू नहीं किया है।

फैसले के अनुसार, एग्जीक्यूटिव ऑर्डर 14248 ने डीएचएस और सामाजिक सुरक्षा प्रशासन समेत कुछ फेडरल एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे राज्य और स्थानीय अधिकारियों के लिए रजिस्टर्ड वोटर्स या वोट देने के लिए रजिस्टर करने वाले लोगों की नागरिकता या इमिग्रेशन स्टेटस को वेरिफाई करने के लिए सिस्टम बनाएं।

हिज्बुल्लाह को लेकर ट्रंप की चेतावनी पर गालिबफ बोले-अमेरिकियों की धमकियों पर भरोसा मत करो

बर्गेनस्टॉक, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता को लेकर बातचीत अब तकनीकी पहलुओं पर है. इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी दी कि अगर वे लेबनान में अपने समर्थक को तुरंत आर्थिक मदद देना बंद नहीं करते हैं तो वे फिर से भीषण हमला करेंगे. इस पर ईरानी संसद के स्पीकर एमबी गालिबफ ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इसे अमेरिका की 'हताशा' की निशानी बताया, जबकि ट्रंप की तीखी आलोचना करते हुए उनकी बातों को फिजूल बताया. ट्रंप की बातों के बाद गालिबफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान वॉशिंगटन की ऐसी धमकियों से नहीं डरेगा और कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश की सेना जवाब देने के लिए तैयार है. गालिबफ ईरानी पक्ष के मुख्य बातचीत करने वाले नेता भी हैं. पोस्ट में लिखा, 'क्या वे खुद से यह नहीं सोचते कि अगर उनकी धमकियों का कोई असर होता, तो वे आज इस निराशा की हालत में नहीं पहुँचते? हम अमेरिकियों की धमकियों पर भरोसा नहीं करते. उन्हें अपने बयानों में सावधान रहना चाहिए, हमारी सेनाएँ दूसरे तरीके से जवाब देने के लिए तैयार हैं. वे जो भी कहें, हम ही हैं जो कार्रवाई करेंगे. उनकी यह बात ट्रंप के उस बयान के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने ईरान को इस इलाके में खासकर लेबनान में हिज्बुल्लाह का परोक्ष जिक्र करते हुए अपने 'प्रॉक्सी ग्रुप्स' को सपोर्ट न करने की चेतावनी दी थी. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'ईरान को लेबनान में अपने ज़्यादा पैसे वाले प्रॉक्सी को परेशानी पैदा करने से

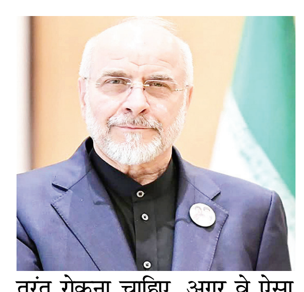

तुरंत रोकना चाहिए. अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हम ईरान पर फिर से बहुत ज़ोरदार हमला करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने पिछले हफ़्ते किया था, बस और ज़्यादा जोर से!' यह बातचीत पश्चिम एशिया में दुश्मनी खत्म करने के लिए दोनों पक्षों के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता के हिस्से के तौर पर चल रही टेक्निकल बातचीत के बीच वाशिंगटन और तेहरान के बीच बयानबाजी में सबसे नई बढ़ोतरी को दिखाती है. इस बीच ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक स्विट्जरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान की हाई-लेवल डिप्लोमैटिक बातचीत का पहला राउंड खत्म हो गया है. डेलीगेशन को 'इंटरनल कंसल्टेशन' करने के लिए 80 मिनट बाद सेशन रोक दिया गया. अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को स्विट्जरलैंड में सीनियर ईरानी अधिकारियों के साथ पश्चिम एशिया में संकट का पूरा हल निकालने के मकसद से हाई-लेवल डिप्लोमैटिक कोशिशों की शुरुआत की. पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता में हुई बातचीत के दौरान वेंस ने तेहरान के साथ अपने रिश्तों को पूरी तरह से बदलने के लिए वाशिंगटन की तैयारी के बारे में बताया, चर्चा जिसमें मुख्य स्टेकहोल्डर्स शामिल हैं।

अमेरिका की नजर अब श्रीलंका पर: दो सीनियर अधिकारियों का कोलंबो दौरा, सुरक्षा और ट्रेड डील पर होगी अहम चर्चा

कोलंबो , एजेंसी। अमेरिका के दो बहुत ही वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी अपने तीन दिन के महत्वपूर्ण दौरे पर श्रीलंका की राजधानी कोलंबो पहुंच गए हैं। इस हाई प्रोफाइल और बेहद अहम आधिकारिक यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को बहुत तेजी से बढ़ाना है।

हिंद महासागर क्षेत्र में उभरते हुए कूटनीतिक हालात के कारण यह विदेशी दौरा बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण और रणनीतिक माना जा रहा है। चीन की लगातार बढ़ती दखलंदाजी और तनाव के बीच अमेरिका अपनी मजबूत रणनीतिक साझेदारी को बहुत ही गंभीरता के साथ विस्तार देने की पूरी कोशिश कर रहा है।

दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए नियुक्त सहायक विदेश मंत्री एस पॉल कपूर रविवार को ही अपने तीन दिन के दौरे पर कोलंबो पहुंच गए हैं। इसके साथ ही पैसिफिक एयर फोर्सेज के कमांडर जनरल केविन श्नाइडर भी श्रीलंका में अपना यह महत्वपूर्ण दौरा 24 जून को अच्छी तरह पूरा करेंगे। इन दोनों बड़े अमेरिकी अधिकारियों की इस अहम और कूटनीतिक यात्रा का मुख्य फोकस समुद्री क्षेत्र की पुख्ता सुरक्षा और आपसी व्यापार को मजबूत करना है। अमेरिका अपनी तरफ से श्रीलंका को शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए इस पूरे क्षेत्र में अपना एक बहुत ही जरूरी और अहम साझेदार मानता है।

हिंद महासागर में भू-राजनीतिक चुनौतियां : हिंद महासागर के विशाल और अहम क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों से भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और आपसी तनाव बहुत ही तेजी के साथ लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन ने इस बेहद रणनीतिक इलाके में बुनियादी ढांचे में अपना निवेश और अपनी समुद्री मौजूदगी का भारी दायरा काफी ज्यादा और खतरनाक तरीके से बढ़ा लिया है।

इन लगातार बढ़ती वैश्विक और समुद्री चुनौतियों को देखते हुए अमेरिका अब श्रीलंका के साथ अपने पुराने संबंधों को बहुत ज्यादा गहराई और मजबूती देना चाहता है। इसलिए अमेरिका अपनी व्यापक इंडो-पैसिफिक रणनीति के तहत श्रीलंका समेत कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रीय देशों के साथ अपना भारी सुरक्षा और आर्थिक जुड़ाव बढ़ा रहा है।

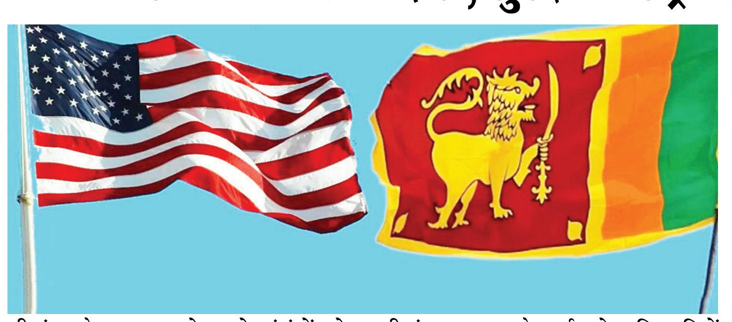

जनरल केविन श्नाइडर की अहम बैठकें : अमेरिकी दूतावास की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार जनरल केविन श्नाइडर अपने इस अहम दौरे के दौरान श्रीलंका सरकार के कई बड़े अधिकारियों से मिलेंगे। वे स्थानीय रक्षा प्रतिष्ठान के वरिष्ठ नेताओं, रक्षा मंत्रालय और श्रीलंका वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों के साथ बहुत ही महत्वपूर्ण और अहम रणनीतिक बातचीत करेंगे। इस अहम द्विपक्षीय बातचीत का मुख्य फोकस हवाई और समुद्री क्षेत्र की कड़ी निगरानी और आधुनिक साइबर सुरक्षा पर अपना आपसी सहयोग बढ़ाना रखा गया है। इसके अलावा किसी भी तरह की प्राकृतिक आपदा प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने पर भी इस विशेष बातचीत के दौरान काफी ज्यादा जोर दिया जाएगा। एस पॉल कपूर और व्यापारिक साझेदारी सहायक विदेश मंत्री एस पॉल कपूर भी अपनी इस शानदार यात्रा के दौरान श्रीलंका के वरिष्ठ और ताकतवर नेताओं से क्षेत्रीय और सुरक्षा मुद्दों पर गंभीर चर्चा करेंगे। वे वहां के निजी क्षेत्र के बड़े अधिकारियों और कई प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के प्रतिनिधियों से भी बहुत ही अहम और सीधे तौर पर व्यापारिक मुलाकात करेंगे। इन महत्वपूर्ण व्यापारिक मुलाकातों का सीधा लक्ष्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और विदेशी निवेश के बड़े आपसी संबंधों को बहुत ज्यादा विस्तार देना है। यह बहुप्रतीक्षित यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस विशेष और कड़ी प्रतिबद्धता को भी प्रमुखता से दर्शाती है जो क्षेत्रीय सुरक्षा और समृद्धि को आगे बढ़ाती है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.